राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लोगों से की....

भारत को मिला रूस से बड़ा ऑफर, पुतिन.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 42 | नई दिल्ली, शनिवार, 06 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 43.0°C

न्यूनतम तापमान 31.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,58,105

चांदी 2,75,000

सेंसेक्स 74,243.34

निफ्टी 23,366.70

एयरट्रंक का भारत में 30 अरब डॉलर निवेश, पीएम मोदी ने किया स्वागत

प्रात: किरण, एजेंसी

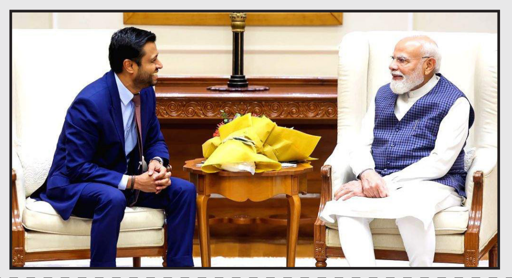

नई दिल्ली। एयरट्रंक द्वारा भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम में 3 लाख करोड़ रुपए (30 अरब डॉलर) के निवेश का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्वागत किया। साथ ही इसे भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर यात्रा में एक अहम पल बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी ने कहा, ₹भारत की डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की यात्रा तेजी से गति पकड़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में लगभग 3 लाख करोड़ रुपए (30 अरब डॉलर) का निवेश करने और 5 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने की योजना की घोषणा की है। यह देश के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर इकोसिस्टम में प्रस्तावित सबसे बड़े निवेशों में से एक है। उन्होंने आगे कहा, इस तरह के निवेश से क्लाउड कंप्यूटिंग और एआई के ग्लोबल हब के रूप में भारत की स्थिति मजबूत होगी, साथ ही रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को समर्थन मिलेगा और इनोवेशन आधारित विकास में तेजी आएगी।₹ उन्होंने आगे कहा कि इससे यह स्पष्ट है कि विश्व की डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य तेजी से भारत में आकार ले रहा है। ब्लैकस्टोन और कैनेडियन पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड द्वारा समर्थित एयरट्रंक ने भारतीय बाजार में अप्रैल में लुमिना क्लाउडइन्फ्रा के अधिग्रहण के बाद प्रवेश किया था कंपनी की योजना अगले पांच वर्षों में यानी 2030 तक भारत में 30 अरब डॉलर निवेश करने की है। इस अवसर पर कंपनी के सीईओ रॉबिन खुदा ने शुक्रवार को पीएम मोदी से भी मुलाकात की। कंपनी की प्रेस रिलीज में खुदा ने कहा कि पूंजी गतिशील है, और भारत इसके फलने-फूलने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बना रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत एआई के लिए एक शीर्ष-स्तरीय दृष्टिकोण अपना रहा है, जिसमें स्पष्ट सरकारी पहल, विश्व स्तरीय प्रतिभाओं का भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा की व्यापक उपलब्धता शामिल है।

बंगाल, त्रिपुरा, बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव बर्दाश्त नहीं करेंगे : अमित शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

त्रिपुरा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं करेगी और वह देश की सीमाओं की सुरक्षा में मौजूद खामियों को दूर करने के लिए कदम उठा रही है। शाह ने त्रिपुरा में लंकामुरा सीमा चौकी पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार की स्मार्ट बॉर्डर परियोजना अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और बिहार में जनसांख्यिकीय बदलाव को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निगरानी और सुरक्षा में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए केंद्र हरसंभव प्रयास कर रहा है। गृह मंत्री ने कहा, स्मार्ट बॉर्डर की अवधारणा को प्रायोगिक परियोजना के रूप में देश के सात से आठ स्थानों पर लागू किया जाएगा। मैं केंद्रीय गृह सचिव और बीएसएफ के महानिदेशक से सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करने और वार्ता करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने बताया कि नयी सीमा सुरक्षा व्यवस्था में अत्याधुनिक तकनीक, स्थानीय प्रशासन और सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की संयुक्त भागीदारी शामिल होगी। उन्होंने कहा, हर सीमा की अपनी चुनौतियां होती हैं, चाहे वह मानव तस्करी हो, हथियारों की तस्करी हो या मादक पदार्थों की तस्करी। लेकिन बीएसएफ के जवान इन चुनौतियों का सामना करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें सीमा पार से आने वाले नकली नोटों, मानव तस्करी और मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगानी होगी। शाह ने मई में कहा था कि सरकार अगले वर्ष तक प्रौद्योगिकी आधारित स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेगी, ताकि पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगभग 6,000 किलोमीटर लंबी सीमाओं को अभेद्य बनाया जा सके और देश की जनसांख्यिकी बदलने की किसी भी साजिश को विफल किया जा सके। गृह मंत्री ने कहा था, भारत सरकार ने फैसला किया है कि हम न केवल घुसपैठ रोकेंगे, बल्कि हर एक घुसपैठिए की पहचान कर उसे देश से बाहर भी भेजेंगे। उन्होंने यह भी कहा था, मैं बीएसएफ के जवानों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सुरक्षा बल के गठन के 60वें वर्ष के भीतर हम स्मार्ट बॉर्डर परियोजना शुरू करेंगे और व्यापक तकनीकी सहायता के जरिए बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं को अभेद्य बना देंगे। शाह ने यह बात 22 मई को नयी दिल्ली में बीएसएफ द्वारा आयोजित वार्षिक रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान को संबोधित करते हुए कही थी।

बिरला ने पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का किया आह्वान

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा है कि अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। श्री बिरला में शुक्रवार को कहा, पर्यावरण केवल हमारे अस्तित्व का आधार नहीं, बल्कि इसका संरक्षण आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर आइए देखें कि किस प्रकार भारत की संसद पर्यावरण संरक्षण, सतत विकास और हरित भविष्य के संकल्प को साकार कर रही है। संसद परिसर की हरियाली, स्वच्छ वातावरण, पेपरलेस कार्यप्रणाली, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध तथा पर्यावरण-अनुकूल संसदीय भवन जैसी पहलें प्रकृति और प्रगति के संतुलित संगम का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। उन्होंने कहा, जब पूरा विश्व जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना कर रहा है, तब हम सभी का दायित्व बनता है कि अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दें। आइए, इस विश्व पर्यावरण दिवस पर संकल्प लें कि हम प्रकृति का सम्मान करेंगे, पर्यावरण को संरक्षित करेंगे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित और हरित भविष्य का निर्माण करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है:पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत की विकास यात्रा पूरी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। उन्होंने देश के यात्री वाहन बाजार के मजबूत प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि मई 2026 में इस क्षेत्र में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मई 2026 में भारत के यात्री वाहन बाजार में लगभग 4.4 लाख वाहनों की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 23 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि में प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनियों - मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा - की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस

नई दिल्ली। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, परीक्षा का दबाव और बदलती जीवनशैली के बीच स्कूली छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसी उद्देश्य से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वरिष्ठ अधिकारियों, समिति के सदस्यों और विशेषज्ञों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की है। यह बैठक स्कूलों के लिए प्रस्तावित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण नीति के मसौदे पर केंद्रित रही। केंद्रीय शिक्षा मंत्री की इस समीक्षा बैठक में विद्यार्थियों, शिक्षकों और पूरे विद्यालय समुदाय के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को सुदृढ़ बनाने के उपायों पर व्यापक चर्चा हुई। यहां कहा गया कि मानसिक स्वास्थ्य को केवल समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसके लिए समग्र और निवारक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अमेरि नितिन नवीन ने विश्व पर्यावरण दिवस पर दिल्ली के नेहरू पार्क में पौधारोपण किया

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को नेहरू पार्क में एक पौधा लगाया। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के जरिए पौधारोपण पहल में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हुई है। उन्होंने कहा, हर व्यक्ति के मन में अपनी मां के लिए एक विशेष स्थान होता है और इस भावना को वृक्षारोपण से जोड़ना एक बहुत ही सकारात्मक अभियान है जिसमें हर देशवासी शामिल होगा। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हमारे द्वारा लगाया गया हर पेड़ न केवल हमारी रक्षा करता है, बल्कि भावी पीढ़ियों को भी सुरक्षित रखता है। नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह पहल जनभागीदारी का कार्यक्रम बन गई है और पर्यावरण को लेकर वैश्विक चिंताओं के बीच देश की रक्षा करने एवं उसे स्वस्थ रखने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस कार्यक्रम में नवीन के साथ केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज और नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत चहल भी शामिल हुए।

राहुल की लोगों से अंडमान-निकोबार बचाने के अपने अभियान से जुड़ने की अपील

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि मोदी सरकार ग्रेट निकोबार आइलैंड प्रोजेक्ट पर झूठ बोल रही है। राहुल ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार और बीजेपी आपसे कहती है कि ह्यग्रेट निकोबार प्रोजेक्टह्न रक्षा से जुड़ा है। असल में ऐसा नहीं है। इस प्रोजेक्ट का मकसद सुरक्षा और ट्रांसशिपमेंट नहीं है, बल्कि एक बिजनेसमैन को फायदा पहुंचाना है। ताकि भारत की सबसे कीमती और अनोखी इकोलॉजिकल जमीन पर होटल और कसीनो बना सके। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 16 मिनट का एक वीडियो शेयर किया है। जिसमें उन्होंने बताया कि मैं भारत के सबसे दक्षिणी छोर पर गया। मैं इंदिरा पॉइंट पर खड़ा हुआ। मैं उन पेड़ों के नीचे से गुजरा जो सदियों से वहां खड़े हैं। मैंने दुनिया की सबसे शानदार कोरल रीफ (मूंगा चट्टानों) के बीच गोता लगाया। राहुल गांधी पिछले डेढ़ महीने से ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट के सबसे मुखर आलोचकों में से एक हैं। उन्होंने इसे पर्यावरण, आदिवासी अधिकारों और पारदर्शिता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बनाया है, जबकि केंद्र सरकार इसे रणनीतिक और आर्थिक दृष्टि से अहम प्रोजेक्ट बता रही है। राहुल ने अप्रैल के अंडमान-निकोबार आइलैंड्स के अपने दौरे से जुड़ा 16 मिनट का एक वीडियो जारी किया है। इसके अलावा उन्होंने लोगों से एक पिटीशन पर साइन करने की अपील की ताकि वे मोदी सरकार को बता सकें कि वे लालच के बजाय हरियाली चुनते हैं। आदिवासी समुदाय की जमीन वन अधिकार अधिनियम का उल्लंघन करके छीनी जा रही है। बाहर से आकर बसे लोग, जिनमें से कई पूर्व सैनिक हैं जिन्हें भारत सरकार ने इन द्वीपों पर बसाया था, उन्हें भी उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। आईएनएस बाज का विस्तार करें, हम सरकार का पूरा समर्थन करेंगे। नौसेना पांच साल से इसके विस्तार की मांग कर रही है, लेकिन इसे नजरअंदाज किया गया है। 1.5 करोड़ पेड़ काटे जा रहे हैं। सरकारी नक्शों से कोरल रीफ को हटा दिया गया है। जिस इलाके की बात हो रही है, वह नई दिल्ली से लगभग 4 गुना बड़ा है। भारत सरकार के मुताबिक यह लगभग 90,000 करोड़ की बहुउद्देश्यीय परियोजना है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, एयरपोर्ट, बिजली संयंत्र और एक नया टाउनशिप विकसित करने की योजना है। सरकार का तर्क है कि यह भारत की समुद्री सुरक्षा, व्यापार और इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए जरूरी है। सरकार इसे महत्वपूर्ण मानती है क्योंकि ग्रेट निकोबार दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक मलक्का स्ट्रेट में एंट्री एरिया के बेहद करीब है। यह वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण रूट है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.2 अरब डॉलर, अर्थव्यवस्था मजबूत: आरबीआई गवर्नर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक चुनौतियों के बीच भी अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। उन्होंने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 682.2 अरब डॉलर के बेहद मजबूत स्तर पर पहुंच चुका है, जो बाहरी आर्थिक झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करता है। आरबीआई गवर्नर के अनुसार, मौजूदा विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है और यह देश के बाह्य ऋण का 89 प्रतिशत से अधिक हिस्सा कवर करता है। उन्होंने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार की यह स्थिति भारत की आर्थिक मजबूती और वित्तीय स्थिरता को दशार्ती है। अपनी बहुप्रतीक्षित मौद्रिक नीति की घोषणा के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 682.2 अरब डॉलर के बेहद मजबूत स्तर पर है। यह भंडार पर्याप्तता के मानक मापदंडों के अनुसार पर्याप्त है, जिसमें लगभग 11 महीने का आयात कवर और 89 प्रतिशत से अधिक का बाह्य ऋण कवर शामिल है। विनिमय दर को लेकर आरबीआई गवर्नर ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक रुपए के किसी विशेष स्तर या सीमा को लक्ष्य नहीं बनाता है। उन्होंने कहा कि विनिमय दर को बाजार की शक्तियों के अनुसार तय होने दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और सट्टेबाजी के दबावों के कारण कभी-कभी बाजार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

भद्रासन से मजबूत होते हैं घुटने और कूल्हे, महिलाओं के लिए भी लाभकारी: आयुष मंत्रालय

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने लोगों को योग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा कर भद्रासन के लाभों के बारे में जानकारी दी है। मंत्रालय ने कहा कि भद्रासन एक ऐसा योगासन है, जो शरीर और मन दोनों को दृढ़ता प्रदान करता है तथा कई स्वास्थ्य लाभ देने में सहायक माना जाता है। आयुष मंत्रालय ने अपनी पोस्ट में कहा, क्या आप जानते हैं कि भद्रासन आपके तन और मन दोनों को दृढ़ता प्रदान करता है? यह एक ऐसा योगासन है जो घुटनों और कूल्हों को मजबूत बनाने के साथ-साथ पेट का तनाव भी कम करता है और महिलाओं के स्वास्थ्य व गर्भावस्था में विशेष लाभकारी है। आइए इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें, लेकिन ध्यान रखें कि गठिया और साइटिका के मरीज इसका अभ्यास करने से बचें। पोस्ट के साथ साझा किए गए वीडियो संदेश में बताया गया कि भद्रासन को अंग्रेजी में द ऑस्पिशियस पोज भी कहा जाता है। यह आसन शरीर और मन दोनों को स्थिरता और मजबूती प्रदान करता है। नियमित अभ्यास से घुटनों और कूल्हों की हड्डियां मजबूत होती हैं तथा घुटनों के दर्द में भी राहत मिल सकती है। वीडियो में यह भी बताया गया कि भद्रासन पेट में किसी भी प्रकार के तनाव को दूर करने में सहायक है। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाले पेट दर्द और अन्य असुविधाओं से राहत दिलाने में भी यह लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं के लिए भी यह आसन उपयोगी बताया गया है। हालांकि, आयुष मंत्रालय ने सावधानी बरतने की सलाह भी दी है। मंत्रालय के अनुसार, एक्यूट आर्थराइटिस यानि गथिया और साइटिका से पीड़ित लोगों को भद्रासन का अभ्यास नहीं करना चाहिए। इससे पहले, एक अन्य पोस्ट में आयुष मंत्रालय ने योग के महत्व और ताड़ासन के लाभों के बारे में जानकारी दी। मंत्रालय ने पोस्ट में कहा, योग का मतलब मुश्किल आसन करना नहीं है। यह आसान और सहज गतिविधियों के बारे में है जो हमारे शरीर को लचीला बनाए रखती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, इन योगासनों को हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा होना चाहिए।

उन्होंने नागरिकों से न केवल पेड़ लगाने बल्कि भावी पीढ़ियों....

पेड़ों की देखभाल, संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक : भूपेन्द्र यादव

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि भावी पीढ़ियों के हित में पेड़ों की देखभाल और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास एवं जनभागीदारी आवश्यक है। भूपेन्द्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज संयुक्त रूप से दिल्ली के मैदनगढ़ी स्थित नमो ऑक्सीजन पार्क में एक कार्यक्रम में 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों का उद्घाटन किया। इस दौरान दोनों ने राष्ट्रव्यापी अभियान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत कई पर्यावरण संबंधी पहलों की शुरूआत की। इन पहलों का उद्देश्य राजधानी को और हरियाली करना, वायु गुणवत्ता में सुधार लाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस अभियान ने वृक्षारोपण को कृतज्ञता, जिम्मेदारी और पर्यावरण चेतना पर आधारित एक जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने नागरिकों से न केवल पेड़ लगाने बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए उनकी देखभाल और संरक्षण करने का भी आग्रह किया। मंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरा है और उसने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि में विश्व के अग्रणी देशों में से एक बनना, पीएम सूर्य घर योजना का कार्यान्वयन, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का शुभारंभ, रामसर आर्द्रभूमि स्थलों का विस्तार और जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत निर्धारित समय से पहले कई राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्यों को प्राप्त करना शामिल है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की हवा को शुद्ध बनाने की दिशा में दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए कदमों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणाली (ओसीईएमएस) की स्थापना, वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों (एपीसीडी) की तैनाती, सड़कों की मशीनीकृत गहन सफाई और इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से बदलाव शामिल हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए हरियाली बढ़ाना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में से एक है। उन्होंने घोषणा की कि दिल्ली सरकार ने चालू वर्ष में पूरे शहर में 15 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। इस कार्यक्रम में दिल्ली सरकार की ओर से तैयार की गई तीन महत्वपूर्ण पर्यावरण संबंधी प्रकाशनों का विमोचन हुआ। इनमें एनसीटी दिल्ली के लिए कार्य योजना, असोला भट्टी अभयारण्य प्रबंधन योजना और दिल्ली बर्ड एटलस को वैज्ञानिक पर्यावरण शासन को मजबूत करना शामिल है। समारोह के दौरान सभी गणमान्य व्यक्तियों ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण किया। इसके साथ ही 'धूल-मुक्त दिल्ली' अभियान के अंतर्गत स्थानीय घासों और झाड़ियों की किस्मों की एक विशेष प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। इसके अलावास दिल्ली बर्ड एटलस को तैयार करने में अपना अमूल्य योगदान देने वाले नागरिक समाज संगठनों और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जो पर्यावरण की निगरानी में आम नागरिकों की बढ़ती और महत्वपूर्ण भूमिका को दशार्ता है। इस मौके पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, दिल्ली के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा और केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

उत्तराखंड में दायित्वों की बरसात, चुनावी साल में धामी सरकार ने खोला राजनीतिक नियुक्तियों का पिटारा

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में धामी सरकार ने चुनावी साल में दायित्वों का पिटारा खोल दिया है. स्थिति ये है कि सरकार की तरफ से लगातार पार्टी के तमाम नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही है. एक दिन पहले ही कई नेताओं को विभिन्न दायित्व बांटे गए. इसके बाद गुरुवार को भी दायित्व बांटे जाने का सिलसिला जारी रहा.

उत्तराखंड में विधानसभा चुनावों से पहले धामी सरकार ने एक बार फिर राजनीतिक दायित्वों का पिटारा खोल दिया है. राज्य सरकार ने भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को विभिन्न निगमों, परिषदों, आयोगों और समितियों में जिम्मेदारियां सौंपते हुए राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला तेज कर दिया है. ताजा आदेशों में बीजेपी के कई नेताओं को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है, जिसे राजनीतिक गलियारों में आगामी चुनावों की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है.

माधव सेमवाल बीकेटीसी में सलाहकार नियुक्तः मंत्रिपरिषद अनुभाग की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापनों के अनुसार, बीजेपी नेता माधव सेमवाल को श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) में सलाहकार नियुक्त किया गया है. उन्हें कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से यह दायित्व प्रभावी होगा. आदेश में कहा गया है कि उन्हें पूर्व में जारी शासनादेशों के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जबकि उनके कर्तव्यों, अधिकारों और सेवा अवधि के संबंध में अलग से आदेश जारी किए जाएंगे.

इन नेताओं को भी मिली जिम्मेदारीः इसके अलावा बीजेपी नेता विशाल गुप्ता को गढ़वाल मंडल विकास निगम (जीएमवीएन) में गैर सरकारी निदेशक नियुक्त किया गया है. इसी प्रकार पारस गोयल और रितु मित्र को भी गढ़वाल मंडल विकास निगम में गैर सरकारी निदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गई है. शासन की ओर से जारी आदेशों में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी नियुक्तियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी माना जाएगा. वहीं, एक अन्य महत्वपूर्ण नियुक्ति में मनोज कलाकोटी को उत्तराखंड अनुसूचित जाति आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है. लगातार जारी है दायित्व वितरणः उत्तराखंड में पिछले कुछ हफ्ते से राजनीतिक दायित्वों के वितरण का सिलसिला लगातार जारी है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली सरकार विभिन्न बोर्डों, निगमों, परिषदों और आयोगों में नियुक्तियां कर संगठन और सरकार के बीच समन्वय को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है. कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए दिनेश अग्रवाल को मिल चुका दायित्वः ताजा नियुक्तियों से ठीक एक दिन पहले भी सरकार ने कई महत्वपूर्ण राजनीतिक नियुक्तियां की थीं. इनमें कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए और पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश अग्रवाल को सेतु आयोग में सलाहकार नियुक्त किया गया था. दिनेश अग्रवाल लंबे समय तक कांग्रेस की राजनीति में सक्रिय रहे हैं और उनके बीजेपी में आने के बाद यह पहली बड़ी जिम्मेदारी मानी जा रही है. जोत सिंह बिष्ट को भी इस परिषद में बनाया जा चुका उपाध्यक्षः इसी कड़ी में वरिष्ठ बीजेपी नेता जोत सिंह बिष्ट को ग्रामीण अभियंत्रण सेवा परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया. पर्वतीय क्षेत्रों में मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाले जोत सिंह बिष्ट को संगठन में लंबे समय से सक्रिय भूमिका निभाने का लाभ मिला है. ज्योति कोटिया और अभिषेक शाही को मिल चुका दायित्वः सरकार ने बीजेपी नेत्री ज्योति कोटिया को गोरखा कल्याण परिषद का अध्यक्ष नियुक्त किया है. गोरखा समाज में प्रभाव रखने वाली ज्योति कोटिया को यह जिम्मेदारी देकर सरकार ने एक महत्वपूर्ण सामाजिक वर्ग को राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया है. वहीं, अभिषेक शाही को इसी परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया है.

इन लोगों को भी मिल चुका दायित्वः पूर्व सैनिकों से जुड़े मुद्दों को देखते हुए गंभीर सिंह धामी को पूर्व सैनिक कल्याण परिषद का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. इसके साथ ही शमशेर सिंह बिष्ट को भी उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है. महिला प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए अनुराधा वालिया को माटी कला बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाया गया है. चुनावी समीकरण साधने की कोशिशः सरकार की ओर से की जा रही ये नियुक्तियां केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि, राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं. उत्तराखंड में अगले विधानसभा चुनाव की तैयारियां धीरे-धीरे शुरू हो चुकी हैं और बीजेपी संगठन अपने कार्यकर्ताओं व नेताओं को सक्रिय बनाए रखने की रणनीति पर काम कर रहा है। राज्य में लंबे समय से दायित्वों की प्रतीक्षा कर रहे नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच असंतोष की चर्चाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं. ऐसे में सरकार विभिन्न क्षेत्रों, जातीय समूहों, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए दायित्वों का वितरण कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

सातशिलिंग-थल सड़क को शीघ्र सुधारने के निर्देश

पिथौरागढ़, एजेंसी। सातशीलिंग-थल सड़क की खराब स्थिति और निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने नाराजगी जताई है। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क की बदहाली से स्थानीय नागरिकों, विद्यार्थियों और वाहन चालकों को प्रतिदिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मार्ग पर चल रहे निर्माण एवं सुधार कार्यों को तेजी से किया जाए। कार्यस्थल पर पर्याप्त मशीनरी, श्रमिक एवं तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए तेज गति से कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने सड़क पर आवश्यक चेतावनी एवं सूचना बोर्ड लगाने, निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की दैनिक आधार पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह, एसडीएम सदर जितेंद्र वर्मा, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता डीएस ह्यांकी, अधीक्षण अभियंता जीवन सिंह ह्यांकी, उप जिलाधिकारी सदर जितेंद्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

गौलापार में मूए थाई चैंपियनशिप का आगाज, 883 खिलाड़ी और प्रशिक्षक ले रहे हिस्सा

नैनीताल, एजेंसी। हल्द्वानी के गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सातवीं नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप 2026 का आगाज हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के 883 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक के अलावा 100 से अधिक रेफरी हिस्सा ले रहे हैं। हल्द्वानी के गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सातवीं नेशनल यूथ मुए थाई चैंपियनशिप 2026 मंगलवार से शुरू हो गई। खेल मंत्री रेखा आर्या ने इसका शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों के 883 खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक के अलावा 100 से अधिक रेफरी हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन मेघालय के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। खेल मंत्री ने कहा कि मुए थाई खेल भारत में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है और उत्तराखंड के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। इस अवसर पर मेघालय की स्टार खिलाड़ी अल्फोंसा जिनिया और उत्तराखंड की पदक विजेता प्रज्ञा जोशी को सम्मानित किया गया। मुए थाई एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सतीश जोशी ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले दिन मेघालय के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबले अपने नाम किए। मेजबान उत्तराखंड के दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। सात खिलाड़ियों ने भी जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। उद्घाटन समारोह में उत्तराखंड की पारंपरिक लोक संस्कृति की झलक भी देखने के लिए मिली। उत्तराखंड राज्य खेल परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह बुटोला ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित करने पर आयोजन समिति की सराहना की। उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय फेडरेशन के अध्यक्ष मनोज वर्मा, महासचिव श्रीराम चौधरी, उपनिदेशक खेल रशिका सिद्दीकी, जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत, आयोजन सचिव नीलेश जोशी आदि मौजूद रहे।

हरीश रावत बोले-कांग्रेस सत्ता में आई तो गैर उत्तराखंडियों की खरीदी जमीन का परीक्षण करेंगे

देहरादून, एजेंसी। हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में जमीन खरीद का कारोबार फल फूल रहा है। जिस तरह से जमीनों की बिक्री हो रही है। उससे उत्तराखंड की संस्कृति को बचाने की चुनौती है। हरीश रावत ने सोशल मीडिया में जारी वीडियो में कहा, उत्तराखंड में जमीन खरीद का कारोबार फल फूल रहा है। जिस तरह से जमीनों की बिक्री हो रही है। उससे उत्तराखंड की संस्कृति को बचाने की चुनौती है। कांग्रेस सत्ता में आने के बाद उन जमीनों का परीक्षण करेगी, जो गैर उत्तराखंडियों ने खरीदी है। मैं अलग-अलग गांवों व गाड़ गदेरों को जानता हूं। आज भी गांवों में संस्कृति बची है। लेकिन जिस तेजी के साथ जमीनें बिक रही है, वह ठीक नहीं है। जब जमीन नहीं रहेगी तो संस्कृति भी नहीं बच पाएगी। इसके अलावा आग, जाम व बाघ की समस्याओं का समाधान के लिए कांग्रेस सरकार काम करेगी।

तलवार लेकर हत्या की फिराक में घूम रहा अभियुक्त गिरफ्तार

रुद्रपुर, एजेंसी। पुलिस ने जीजा की कार पर तलवार से हमला और हत्या की फिराक में घूम रहे साले को हथियार समेत दबोच लिया है। पुलिस के अनुसार एक जून को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक युवक तलवार लहराते हुए वाहन में तोड़फोड़ करता दिखाई दिया था। मामले का संज्ञान लेते हुए एसएसपी अजय गणपति ने जांच के निर्देश दिए। जांच में पता चला कि घटना प्रीत विहार की है जहां पारिवारिक विवाद के चलते कादिर तलवार लेकर रिश्तेदार रेहान के घर पहुंचा था। बताया गया कि रेहान ने सीसीटीवी कैमरे में अभियुक्त को देख लिया और घर का गेट नहीं खोला। इससे नाराज अभियुक्त ने घर के बाहर खड़ी कार पर तलवार से हमला कर क्षतिग्रस्त कर दिया। रेहान की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की।

सीएचसी नौगांव की बदहाल व्यवस्था पर फूटा जनाक्रोश, ढोल दमाऊं के साथ सड़कों पर उतरे लोग

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम यात्रा के प्रथम पड़ाव पर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव की बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर क्षेत्रवासियों का गुस्सा फूट पड़ा. काफी संख्या में स्थानीय लोगों ने अस्पताल परिसर में एकत्र होकर सरकार और जनप्रतिनिधि यों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. साथ ही एक सुर में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग उठाई. प्रदर्शनकारी अनुज रावत, जय प्रकाश, आनंद परमार, बसु देव डिमरी,अंकित रावत, खजान सिंह, संदीप डोभाल, रमेश इन्दवाण, विपिन कुमार, महावीर पंवार, लता नौटियाल, भारती अग्रवाल, राजुली बत्रा, बासु देवी, कला ने आरोप लगाया कि लंबे समय से अस्पताल में चिकित्सकों, विशेषज्ञ डॉक्टरों, आवश्यक उपकरणों और अन्य मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है. स्वास्थ्य व्यवस्थाएं न सुधरने पर फूटा गुस्साः कई बार शिकायतों और मांगों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिससे क्षेत्र की जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. उनका कहना है कि चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित यह अस्पताल यात्रियों और स्थानीय नागरिकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन यहां की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं अपेक्षित स्तर से काफी नीचे हैं. ढोल नगाड़ों के साथ निकाली रैलीः वहीं, आंदोलन के दौरान लोगों ने यमुनोत्री हाईवे से अस्पताल परिसर तक ढोल नगाड़ों के साथ रैली निकाली. प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अस्पताल परिसर में धरना दिया. इस दौरान वक्ताओं ने जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को अस्पताल की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार ठहराया. व्यवस्थाएं न सुधरने पर व्यापक जन आंदोलन की चेतावनीः प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह आंदोलन की केवल शुरुआत है. यदि जल्द ही अस्पताल में डॉक्टरों की नियुक्ति, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता समेत अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्रवासी व्यापक जन आंदोलन छेड़ने को मजबूर होंगे. उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य केंद्र में तालाबंदी कर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी. आंदोलन में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, व्यापारी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे. इस दौरान अस्पताल परिसर में काफी देर तक नारेबाजी और धरना-प्रदर्शन जारी रहा.

पर्यावरण दिवस पर सीएम की सौगात, 96 करोड़ से अधिक की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास

नैनीताल, एजेंसी। पर्यावरण दिवस के अवसर पर भीमताल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने नैनीताल जिले के लिए 96.71 करोड़ रुपये की 13 विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को पर्यावरण दिवस पर भीमताल रामलीला मैदान मल्लीताल में पहुंचकर नैनीताल जिले को 96.71 करोड़ की लागत से 13 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

सीएम ने पौधारोपण के साथ लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बारिश के बीच भारी संख्या में लोग मुख्यमंत्री को सुनने के लिए पहुंचे। सीएम ने 66.99 करोड़ की लागत के छह लोकार्पण और 29.71 करोड़ की सात योजनाओं का शुभारंभ किया।

लोकार्पण में 45.68 करोड़ से कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के प्रशासनिक भवन के रेनोवेशन, योगा, गणित एवं बीएड भवन निर्माण, 1.54 करोड़ से हरतोला सतपूरी मोटर मार्ग पुन निर्माण सुदृढीकरण, 2.51 करोड़ से रामगढ़ के मल्ला सूपी रूसानी दीगड कपुवा लोधिया मोटर मार्ग पुन निर्माण, 5.82 करोड़ की लागत से डीएसबी परिसर में महिला पुरूष छात्रावास, आईटी लैब निर्माण, 507.20 लाख से कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के सोनगांव स्थित भूमि में लैक्चर कम सेमीनार ब्लाक निर्माण एवं 635.14 लाख से भीमताल में 10 शैय्यायुक्त आयुष चिकित्सालय निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने 9671.19 लाख की लागत से 7 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें 469.69 लाख से काठगोदाम बाईपास मोटर मार्ग 87 निर्माण, 175.54 लाख से रानीबाग प्रभाग के लिए काठगोदाम बाईपास द्वितीय चरण निर्माण, 1177.93 लाख काठगोदाम रानीबाग प्रभाग के लिए 75 मीटर स्पान स्टील ट्रस सेतु निर्माण, 1028.00 लाख से रामनगर, भंडारपानी, अमगडी, बोहराकोट, तल्ली सेठी, बेतालघाट, रतौडा भुजान जैना रींची, बिल्लेख मोटर मार्ग निर्माण, 36.65 लाख से नौकुचियाताल आयुर्वेदिक चिकित्सालय में फेब्रिकेशन कार्य, 37.99 लाख से बर्धो आयुर्वेदिक चिकित्सालय में चाहरदीवारी कार्य, 45.79 लाख से आयुर्वेदिक चिकित्सालय हल्सौ चाहरदीवारी एवं गेट निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम टीम पर हमला, झड़प के दौरान पार्षद पति घायल

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। किच्छा रोड स्थित भूत बंगला गेट पर अतिक्रमण हटाने के लिए पहुंची नगर निगम के कर्मचारियों और पार्षद पति के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। मामले को लेकर दोनों पक्ष के लोग कोतवाली पहुंचे और तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।

किच्छा रोड स्थित भूत बंगला गेट पर अतिक्रमण हटाने पहुंची नगर निगम के कर्मचारियों और पार्षद पति के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। इस दौरान पार्षद के पति को मामूली चोटें आई हैं। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार नगर निगम की टीम भूत बंगला गेट के पास सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चला रही थी। इसी दौरान एक जूस के ठेले पर लगे छाते को हटाने पर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि ठेले कारोबारी के साथ टीम ने अभद्रता की और उसे धक्का दे दिया। मौके पर पहुंचे वार्ड 23 की पार्षद अंजलि कोली के पति राजू कोली ने इसका विरोध किया जिसके बाद उनकी निगम कर्मचारियों से तीखी बहस हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि नगर निगम के कर्मचारियों ने राजू कोली के साथ गाली-गलौज करते हुए पीटा और लाठी-डंडों और रॉड से हमला कर दिया। आरोप यह भी है कि एक कर्मचारी ने नुकीले औजार से वार कर उन्हें घायल कर दिया। वहीं नगर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाई गई और निगम कर्मियों के साथ भी अभद्रता की गई।

विभागीय उलझन में फंसा पुलिसकर्मियों का वेतन 11 कर्मियों के कारण 945 जवानों की सैलरी रुकी

नैनीताल, एजेंसी।

नैनीताल जिले के 945 पुलिसकर्मियों का वेतन विभागीय आदेशों और प्रशासनिक उलझनों के कारण अटक गया है। 11 स्थानांतरित कर्मियों के वेतन पर रोक लगाने के निर्देश के बाद पूरा वेतन बिल ट्रेजरी स्तर पर रुक गया।

नैनीताल। विभागीय चकू ने अपने पुलिसकर्मियों को ही खून के आंसू रोने पर मजबूर कर दिया है। 11 पुलिसकर्मियों के संबंध में आईजी का आदेश ट्रेजरी स्तर पर इस कदर उलझ गया कि पूरे जिले के पुलिसकर्मियों का सैलरी बिल रोक दिया गया। महज 11 कर्मियों के चक्कर में पुलिस महकमे के 945 बेकसूर जवान वेतन के लिए तरस रहे हैं।

पुलिसकर्मियों का वेतन हर माह के अंत तक जारी हो जाता है लेकिन इस बार वेतन भुगतान की प्रक्रिया विभागीय आदेशों और प्रशासनिक उलझनों में फंस गई है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में स्थानांतरित होने के बावजूद दूसरे जिलों में कार्यभार ग्रहण नहीं करने वाले 11 कर्मियों के वेतन पर रोक लगाने के निर्देश आईजी की ओर से दिए गए थे। इसके बाद मामला ऐसा उलझा कि ट्रेजरी स्तर पर पूरे वेतन बिल पर ही रोक लग गई और इसका खामियाजा जिले के सभी पुलिसकर्मियों को भुगतना पड़ रहा है। विभागीय समन्वय की कमी और अधिकारियों के बीच तालमेल के अभाव की कीमत पूरे जिले की पुलिस फोर्स को चुकानी पड़ रही है। जवानों का कहना है कि एक ओर उनसे 24 घंटे ड्यूटी की अपेक्षा की जाती है वहीं दूसरी ओर वेतन तक समय पर नहीं दिया जा रहा है।

एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने मुख्य कोषाधिकारी (ट्रेजरी) की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कि ट्रेजरी ने नियमों के विपरीत जाकर पुलिसकर्मियों का वेतन रोका है। एसएसपी का कहना है कि उनके कार्यालय से पूर्व की भांति सभी पुलिसकर्मियों का वेतन बिल तैयार कर समय पर ट्रेजरी भेज दिया गया था लेकिन आईजी कुमाऊं के एक आदेश का हवाला देते हुए मुख्य कोषाधिकारी ने पूरे वेतन बिल पर ही रोक लगा दी। इससे जिले के 945 पुलिसकर्मी वेतन से वंचित हो गए हैं।

सितारगंज में पीलिया-डायरिया का कहर, एक मासूम की गई जान, 40 बच्चे पड़े बीमार

खटीमा, एजेंसी। उधम सिंह नगर जिले के सितारगंज के नयागांव इलाके में पीलिया एवं डायरिया से 40 बच्चों के बीमार होने का मामला सामने आया है. बताया जा रहा है कि डायरिया से पीड़ित एक बच्चे की मौत भी हो चुकी है. जिससे स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मचा हुआ है. साथ ही अलर्ट मोड में भी आ गया है.

वहीं, सीएमओ केके अग्रवाल की ओर से जहां रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन कर इलाके में बीमार बच्चों की जांच शुरू कर दी गई है, तो वहीं जल संस्थान के अधिकारियों को उस इलाके में दूषित पानी की सप्लाई की जांच कर उसे बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं. ताकि, बीमारी को फैलने से रोका जा सके.

नयागांव में पीलिया से 10 साल के बच्चे की मौत, 40 बच्चे बीमारः दरअसल, सितारगंज विधानसभा क्षेत्र के नयागांव में पीलिया से 10 साल के बच्चे की मौत होने की बात कही जा रही है. जबकि, 40 बच्चे बीमार बताए जा रहे हैं. जिनका उपचार सरकारी व निजी अस्पतालों में चल रहा है. मृतक बच्चे का नाम अल्तमस बताया जा रहा है. इस घटना से जिला प्रशासन में हड़कंप मचा गया है.

स्वास्थ्य विभाग दूषित खाना व दूषित पानी का इस्तेमाल होने की बात कह रहा है. इस मामले में स्वास्थ्य विभाग ने जांच के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम भी गठित की है. पेयजल विभाग को भी पत्र लिखकर अवगत करा दिया गया है. जिसके बाद टीम ने गांव में पहुंचकर पानी के सैंपल ले लिए हैं.

कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के विधानसभा क्षेत्र में पीलिया-डायरिया का कहरः जानकारी के मुताबिक, कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा की सितारगंज विधानसभा सीट के अंतर्गत नयागांव में इन दिनों पीलिया-डायरिया का कहर देखने को मिल रहा है. इस बीमारी से इलाके के करीब 40 बच्चे पीलिया का शिकार हो गए हैं.

भाई की मौत तो बहन भी बीमारः एक बच्चे अल्तमस की हालत इतनी बिगड़ गई कि अस्पताल जाते वक्त उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया. बताया जा रहा है कि अल्तमस की एक बहन भी पीलिया की चपेट में है, उसका उपचार भी रुद्रपुर के एक निजी अस्पताल में चल रहा है.

बुखार, कमजोरी, सीने के दर्द की शिकायत से जूझ रहे बच्चेः इनमें 7 बच्चों का उपचार स्थानीय स्तर पर निजी अस्पतालों में चल रहा है, तो कुछ लोग अपने बच्चों को उपचार के लिए क्षेत्र से बाहर के निजी अस्पतालों में ले गए हैं, जहां उनका उपचार चल रह है. बताया जा रहा है कि गांव में 40 से ज्यादा बच्चे बुखार, कमजोरी, सीने में दर्द की शिकायत से जूझ रहे हैं.

बच्चों में काला पीलिया के पाए गए लक्षणः मेडिकल जांच में ज्यादातर बच्चों में काला पीलिया के लक्षण पाए गए हैं. जिसमें मो अरमान, सूफियान सूरी, मोहम्मद रहमान, मो साद, मो जुनेर, मो उजेफ, मुजाहिद निजी अस्पताल में भर्ती हैं. इस घटना से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंम मचा हुआ, तो एक साथ इतने बच्चों के बीमारी से ग्रसित होने से इलाके में दहशत का माहौल है.

क्या बोले सीएमओ? वहीं, जिले के सीएमओ केके अग्रवाल का कहना है कि बीमारी के सही जानकारी का पता लगाने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया. साथ ही विभाग ने पेयजल विभाग को भी पत्र लिखकर अवगत करा दिया गया है. जिस पर पेयजल विभाग की टीम व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में लगे वाटर टैंक व नलों के पानी के भी सैंपल ले लिए हैं.

एसएमओ ने दूषित पानी, दूषित खाने साफ सफाई ना होने से पीलिया या डायरिया फैलने की बात कही है. उनके मुताबिक, स्वास्थ्य विभाग की ओर से गठित टीम ने बीमार बच्चों के ब्लड सैंपल लेकर जांच शुरू कर दी है. साथ ही जल संस्थान से दूषित पानी की जांच कर उस इलाके में शुद्ध पेयजल व्यवस्था मुहैया कराने की अपील की गई है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने लोगों से की अपील, कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को दिल्ली की हवा को शुद्ध और पर्यावरण संरक्षण के लिए दिल्लीवासियों से सहयोग की अपील की। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर सीएम ने कहा कि दिल्ली को बेहतर दिल्ली बनाने के लिए सभी को ज्यादा से ज्यादा पौधरोपण करना चाहिए। कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण कि दिशा में 15 लाख पौधे लगाए जाएंगे। सीएम ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर हम मेगा प्लांटेशन ड्राइव और 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों के उद्घाटन के साथ स्वच्छ, ग्रीन और स्वस्थ दिल्ली मिशन को जन अभियान बना रहे हैं। मैं सभी दिल्लीवासियों से आग्रह करती हूं कि एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ें और एक पौधा अवश्य लगाएं। आइए, मिलकर आने वाली पीढ़ियों के लिए दिल्ली को और स्वच्छ, हरित और स्वस्थ बनाएं। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नमो ऑक्सीजन पार्क के उद्घाटन के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हम सब मिलकर 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों के लिए पौधारोपण अभियान शुरू कर रहे हैं। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आज 18 जगहों पर 18 नमो ऑक्सीजन पार्क शुरू होने से दिल्ली के लोगों को बहुत मदद मिलेगी। ये पार्क न सिर्फ ऑक्सीजन का लेवल बढ़ाएंगे, बल्कि देसी पेड़ों की प्रजातियां लगाकर पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का विजन दिल्ली में लगभग 100 ऑक्सीजन पार्क विकसित करने का है। आज इस मंच से शुरू की जा रही पहल में 18 नमो पार्क शामिल हैं, जो दिल्ली सरकार के 100 ऑक्सीजन जोन बनाने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में पहला कदम है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि मैं बताना चाहता हूं कि दिल्ली का लगातार बढ़ता हुआ ग्रीन कवर इस बात की साक्षी है कि दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों के लिए पर्यावरण और स्वच्छ हवा के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुझे यह बताते हुए बड़ा हर्ष हो रहा है कि पिछले 12-15 वर्षों तक दिल्ली को फॉरेस्ट एरिया बनाने का जो मुद्दा लंबित पड़ा था, उसमें कोई ठोस प्रगति नहीं हो पाई थी। मुख्यमंत्री ने एक बहुत बड़ा और साहसिक कदम उठाते हुए दिल्ली की लगभग 11,000 एकड़ भूमि, जो कब्जे और अतिक्रमण की चपेट में थी, का नोटिफिकेशन जारी कर उसे फॉरेस्ट घोषित किया है। यह दिल्ली के लिए एक ऐतिहासिक ग्रीन उपहार साबित होगा। आज 18 साइट्स पर ह्यनमो ऑक्सीजन वनह्व की शुरूआत होने जा रही है। इन वनों से दिल्लीवासियों को न सिर्फ ऑक्सीजन मिलेगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा मिलेगी। इनमें उन नेटिव प्रजातियों के पेड़ लगाए जा रहे हैं जो कम पानी में जीवित रहते हैं और ज्यादा ऑक्सीजन देते हैं। इसके अलावा, लगभग 20 एकड़ क्षेत्र में मियावाकी फॉरेस्ट का कॉन्सेप्ट भी अपनाया जा रहा है, ताकि घने जंगल तैयार किए जा सकें। दिल्ली में जगह की कमी को देखते हुए यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। दिल्ली एक लैंडलॉक राज्य है, जो चारों तरफ से अन्य राज्यों से घिरा हुआ है।

दिल्ली के 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों का किया डिजिटल लोकार्पण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के साथ मैदानगढ़ी स्थित ह्यनमो ऑक्सीजन पार्कह्व में आयोजित भव्य कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, हरित विकास और जनभागीदारी पर आधारित दिल्ली सरकार की नई पर्यावरणीय पहलों का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के पर्यावरण और वन एवं वन्यजीव मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, छतरपुर से विधायक करतार सिंह तंवर सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत नमो ऑक्सीजन पार्क में गणमान्य अतिथियों द्वारा पौधारोपण से हुई। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्री ने दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में विकसित 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों का डिजिटल लोकार्पण भी किया। यह पहल राजधानी में हरित क्षेत्र बढ़ाने, वायु प्रदूषण कम करने और लोगों को प्रकृति से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। दिल्ली सरकार की योजना के अनुसार इन 18 पार्कों के तहत आने वाले कुल 185.42 एकड़ क्षेत्र को हरित जोन के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अभियान के तहत बड़ी संख्या में पौधे लगाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर जानकारी दी कि ये नमो ऑक्सीजन पार्क सामान्य पार्कों से अलग हैं क्योंकि यहां केवल पीपल, बरगद, जामुन और आम जैसी स्वदेशी व पर्यावरणीय रूप से लाभकारी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जा रही है। ये पेड़ अधिक ऑक्सीजन देने के साथ-साथ स्थानीय जैव विविधता और पक्षियों के प्राकृतिक आवास को समृद्ध करेंगे। सरकार का लक्ष्य पूरी दिल्ली में ऐसे 100 ऑक्सीजन पार्क विकसित करने का है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यएक पेड़ माँ के नामह्व अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि अगर प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी ले तो दिल्ली को हरित और प्रदूषण-मुक्त बनाना संभव है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मैदानगढ़ी स्थित नमो ऑक्सीजन पार्क में आयोजित यह कार्यक्रम दिल्ली में शहरी हरित क्षेत्र के विस्तार, वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान वृक्षारोपण को कृतज्ञता, जिम्मेदारी और पर्यावरण चेतना से जुड़े जनआंदोलन का स्वरूप देने में सफल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

डीयू प्रोफेसर की हत्या मामले में पुलिस को करीबी पर शक

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के वसुंधरा एन्क्लेव स्थित एक फ्लैट में दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज की सहायक प्रोफेसर देवोस्मिता पॉल की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। शुरुआती जांच में पुलिस को वारदात के पीछे किसी करीबी व्यक्ति के शामिल होने की आशंका है, क्योंकि घटनास्थल से लूटपाट या जबरन प्रवेश के कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय पुलिस के साथ स्पेशल स्टाफ, एएटीएस और क्राइम ब्रांच की कई टीमें जांच में जुट गई हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्यों और प्रोफेसर के संपर्क में रहने वाले लोगों की गतिविधियों की गहन पड़ताल कर रही है। पुलिस का मानना है कि जिसने भी प्रोफेसर की जान ली है उसे वो अच्छी तरह जानती थीं। पुलिस के अनुसार गुरुवार दोपहर करीब 2:35 बजे न्यू अशोक नगर थाने में एक महिला ने पीसीआर कॉल कर अपनी बहन की हत्या की सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शिकायतकर्ता देवरती पॉल ने बताया कि उनकी बहन देवोस्मिता पॉल वसुंधरा एन्क्लेव स्थित फ्लैट में अकेली रहती थीं।

केंद्रीय रेल मंत्री ने शकूरबस्ती डिपो में हाइड्रोजन ट्रेन का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। साथ ही शकूरबस्ती डिपो में हाइड्रोजन ट्रेन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री शकूरबस्ती स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने अत्याधुनिक रिट्रेक्टेबल ओएचई प्रणाली का बारीकी से अवलोकन किया। यह तकनीक शेड के भीतर इंजनों और ट्रेनों के सुरक्षित व त्वरित रखरखाव में बेहद कारगर है। इसके साथ ही उन्होंने बोगी-पिट और बोगी लिफ्टिंग फैसिलिटीज का भी निरीक्षण किया और अधिकारियों को ग्राउंड जीरो पर कार्य कुशलता बढ़ाने के निर्देश दिए। इस दौरे का मुख्य आकर्षण हाइड्रोजन ट्रेन का निरीक्षण रहा। रेल मंत्री ने भविष्य की इस पर्यावरण-अनुकूल ग्रीन टेक्नोलॉजी की प्रगति की समीक्षा की, जो भारतीय रेल को पूरी तरह प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। विश्व पर्यावरण दिवस के विशेष अवसर पर रेलमंत्री ने डिपो परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया और पौधारोपण किया।

केंद्रीय रेलमंत्री ने किया कर्मचारियों और तकनीकी स्टाफ से सीधा संवाद

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो में कार्यरत कर्मचारियों, मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य रेलकर्मियों से सीधे तौर पर संवाद स्थापित किया। एक बेहद आत्मीय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रेल मंत्री ने कर्मचारियों के अनुभवों को सुना, उनकी पीठ थपथपाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके दैनिक कार्य में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों व समस्याओं को गहराई से जाना।

भाजपा ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम सभी 256 मंडलों में किया आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर भारतीय जनता पार्टी ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम चलाते हुए वृक्षारोपण के कार्यक्रम आयोजित किए। दिल्ली भाजपा के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के संयोजक विधायक राजकुमार भाटिया के अनुसार भाजपा संगठन की ओर से सभी 256 मंडलों में वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया जिनमें प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित अनेक वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए। इसी श्रृंखला में आज नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा नेहरु पार्क, चाणक्यपुरी में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, सदस्य दिनेश प्रताप सिंह एवं सरिता तोमर, राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी आदि भी उपस्थित थे। पर्यावरण दिवस के एक अन्य सरकारी कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता एवं दक्षिण दिल्ली से सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मैदानगढ़ी में वृक्षारोपण किया दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने पूर्वी दिल्ली के सैनी एंक्लेव के डीडीए पार्क में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा आदि की उपस्थिति में चाईना डोल नामक पौधा लगा कर उपस्थित कार्यकताओं को सम्बोधित किया। निवर्तमान अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मयूर विहार फेस 1 के एक पार्क में मयूर विहार जिलाध्यक्ष विजेन्द्र धामा की उपस्थिति में आम के पेड़ लगाये। प्रदेश महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने रोहिणी सेक्टर 14 के डिस्ट्रिक्ट पार्क में अमलटास का वृक्ष लगाया। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने प्रदेश भाजपा के सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता की शास्त्री पार्क, आसफ अली रोड़ पर आम के पेड़ लगाये।

मालवीय नगर-साकेत हादसे के लिए भाजपा की दिल्ली सरकार और एमसीडी जिम्मेदार, सीएम-मेयर इस्तीफा दें- अंकुश नारंग

● मुख्यमंत्री और मेयर अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते, अगर उनमें जरा भी नैतिकता बची है तो तत्काल पद छोड़ दें- अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने मालवीय नगर अग्निकांड और साकेत में बिल्डिंग गिरने के लिए भाजपा की दिल्ली सरकार और एमसीडी को जिम्मेदार बताया बताते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मेयर प्रवेश वाही से इस्तीफा मांगा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और मेयर अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते। अगर उनमें जरा भी नैतिकता बची है तो तत्काल पद छोड़ दें। आप ने गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के बाद जब चेताया था, तभी भाजपा जाग जाती तो ये हादसे रोके जा सकते थे। भाजपा के चुनिंदा नेताओं-अधिकारियों के भ्रष्टाचार के चलते दिल्ली में कहीं बिल्डिंग गिर रही है तो कहीं आग लग रही है। अब तो दिल्ली की जनता भी कहने लगी है, लोगों की मौत की कीमत पर जेब भरने वाले भाजपाई कुछ तो शर्म करो। आप के वरिष्ठ नेता व एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर में एक बिल्डिंग के अंदर भीषण आग लगने से 21 लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक लोग घायल हो गए। यह एक बहुत बड़ी और दुखद दुर्घटना है। यह दुर्घटना सिर्फ और सिर्फ भाजपा की चार इंजन वाली सरकार की लापरवाही के कारण हुई है और आज भाजपा अपनी इस जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। अंकुश नारंग ने कहा कि मैंने पिछले साल 9 दिसंबर को एमसीडी कमिश्नर और महापौर को एक पत्र लिखा था। उस पत्र में मैंने गोवा में हुए हादसे का जिक्र किया था जिसमें 16 लोगों की मौत हुई थी और मांग की थी कि दिल्ली के सभी रेस्टोरेंट, होम स्टे और होटलों की एनओसी चेक की जाए तथा उनका फायर सेफ्टी ऑडिट किया जाए। इस पत्र में भाजपा सरकार को साफ चेतावनी दी गई थी कि वे एक बार दोबारा से सभी ऑडिट कर ले। लेकिन भाजपा के कान पर जूं तक नहीं रेंगी। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा को शर्म आनी चाहिए। मालवीय नगर में विधायक भाजपा का है, निगम पार्षद भाजपा का है, दिल्ली में मुख्यमंत्री भाजपा की हैं और देश में प्रधानमंत्री भी भाजपा का हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष ने किया वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सच्चा सुशासन केवल वर्तमान के लिए कानून बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए मजबूत आधार तैयार करने का भी दायित्व निभाता है। एक हरित राजधानी की शुरूआत एक पौधे से होती है। यह बात दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली विधान सभा परिसर में आयोजित वृक्षारोपण अभियान का नेतृत्व करते हुए कही। विधानसभा अध्यक्ष ने पौधे रोपित कर राजधानी के पारिस्थितिक संतुलन की पुनर्स्थापना के प्रति विधानसभा की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने नागरिकों से केवल दर्शक बने रहने के बजाय प्रकृति के संरक्षक बनने का आह्वान करते हुए कहा कि दिल्ली के प्रत्येक परिवार को कम-से-कम एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए। विश्व पर्यावरण दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि विशेष रूप से दिल्ली जैसे महानगरों के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह दिवस प्रकृति के साथ हमारे कमजोर पड़ते संबंधों को पुनर्स्थापित करने का वैश्विक संदेश देता है। उन्होंने उल्लेख किया कि प्रदूषण और बढ़ते तापमान जैसी चुनौतियों का सामना कर रही दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ एवं टिकाऊ पर्यावरण सुनिश्चित करने के लिए जनभागीदारी आधारित व्यापक हरित अभियान को अपनाना होगा। गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों को केवल नीतिगत निर्देश जारी करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधान सभा पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देने और संस्थागत परिसरों को हरित क्षेत्रों में परिवर्तित करने की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान बना जन आंदोलन, पूर्वी दिल्ली में व्यापक वृक्षारोपण

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूर्वी दिल्ली में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारतीय जनता पार्टी द्वारा शाहदरा ज़िले के सभी 18 मंडलों, जिला कार्यालय सहित 20 से अधिक पार्कों, स्कूलों एवं विभिन्न सामाजिक और रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशनों के सहयोग से पौधारोपण किया गया। क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में एक साथ हुए इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखने को मिली। भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के आह्वान पर शुरू हुआ एक पेड़ माँ के नाम अभियान अब जन-जन का अभियान बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को समाज में स्थापित करने का माध्यम बन रही है। उन्होंने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री दुष्यन्त गौतम, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग, शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा, जिला प्रभारी डॉ. अनिल गुप्ता, सह प्रभारी कृष्ण शर्मा, यमुनापार विकास बोर्ड अध्यक्ष सरदार अरविंदर सिंह लवली, जिला प्रवक्ता एडवोकेट भारत गौड़, विधायक डॉ. अनिल गोयल, संजय गोयल, सचेतक अभय वर्मा, ओपी शर्मा तथा उप महापौर डॉ. मोनिका पंत सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों ने भाग लिया। सभी ने पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

दिल्ली नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के 30 कर्मचारियों के नियमितीकरण को मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महापौर प्रवेश वाही एवं दिल्ली नगर निगम स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 30 दैनिक वेतनभोगी/मस्टर रोल कर्मचारियों के नियमितीकरण को मंजूरी प्रदान की है। इन कर्मचारियों में सफाई कर्मचारी, वार्ड बॉय, चौकीदार, माली, वार्ड आया, लैब अटेंडेंट, वार्डन तथा किचन स्टाफ शामिल हैं, जो लंबे समय से अस्पताल प्रशासन विभाग में सेवाएं दे रहे थे स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि निगम अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और लंबे समय से सेवा दे रहे कर्मचारियों को नियमित करना उनके अधिकारों को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने कहा कि यह निर्णय न केवल कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को स्थायित्व मिलने से वे और अधिक समर्पण के साथ कार्य कर सकेंगे। सत्या शर्मा ने बताया कि सदन में प्रस्तुत निगम के बजट में कर्मचारियों के नियमितीकरण की जो घोषणा की गई थी, उसी के अनुरूप इन कर्मचारियों को नियमित किया जा रहा है। यह भाजपा सरकार की कार्यशैली को दर्शाता है कि उसकी घोषणाएँ केवल कागजों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उन्हें पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर भी उतारा जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि निगम भविष्य में भी कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसे सकारात्मक निर्णय लेता रहेगा, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक मजबूत और प्रभावी बन सके।

92 कॉलोनियों को ओ-जोन से बाहर कराने की मांग तेज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने राजधानी की 92 कॉलोनियों को ओ-जोन से बाहर करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्ष 2008 में नियमित घोषित की जा चुकी इन कॉलोनियों के निवासियों को अब मालिकाना हक मिलने का रास्ता साफ किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण से इस विषय पर चर्चा करने का आश्वासन दिया है। बिधूड़ी ने बताया कि दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र के बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में मीठापुर, जैतपुर और हरिनगर वार्डों की 45 कॉलोनियां इस समस्या से प्रभावित हैं। इसके अलावा नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, उत्तर-पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली संसदीय क्षेत्रों की कई कॉलोनियां भी ओ-जोन में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन कॉलोनियों को 24 मई 2008 को नियमित घोषित किया गया था और संबंधित निवासी कल्याण समितियों को अस्थायी नियमितीकरण प्रमाणपत्र भी जारी किए गए थे। हालांकि बाद में इन्हें ओ-जोन में शामिल कर दिया गया, जिससे यहां रहने वाले लोगों को मालिकाना अधिकार प्राप्त नहीं हो सके। रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि इस संबंध में दिल्ली विकास प्राधिकरण की विशेषज्ञ समिति भी कॉलोनियों के पक्ष में अपनी राय दे चुकी है। समिति का निष्कर्ष था कि इन बस्तियों का यमुना के जल प्रवाह या जल गुणवत्ता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वर्ष 2013 में जारी उस अधिसूचना को लागू कराया जाए, जिसमें इन कॉलोनियों को पुनः एफ-जोन में शामिल करने का प्रस्ताव था।

पंजाब में प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर सख्ती

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब सरकार के प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी पर रोक लगाने वाले फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसी है। पंजाब सरकार ने ज्यादा बढ़ाई गई फीस रिफंड करने के आदेश दिए हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पंजाब सरकार के इस फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि भगवंत मान सरकार ने एक बहुत अच्छा निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ऐसा कानून ला रही है, जिसके तहत कोई भी प्राइवेट स्कूल एक साल में 5 प्रतिशत से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा पाएगा। पिछले 3 साल में जिन स्कूलों ने 15% से ज्यादा फीस बढ़ाई है, उन्हें अभिभावकों को पैसे रिफंड करने पड़ेंगे। केजरीवाल ने कहा कि कभी सुना था कि किसी प्राइवेट स्कूल को आपके बैंक अकाउंट में रिफंड करना पड़ा। पहले दिल्ली में हुआ था, जब हमारी वहां सरकार बनी थी और बच्चों की फीस के पैसे रिफंड करवाए थे। अब पंजाब में होने जा रहा है। पंजाब सरकार ने निजी स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है, जिन्होंने निर्धारित सीमा से अधिक फीस वसूली है। सरकार ने ऐसे स्कूलों को अतिरिक्त वसूली गई फीस अभिभावकों को वापस करने के आदेश जारी किए हैं। अभिभावक संगठनों और शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कई लोगों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। उनका मानना है कि इससे निजी स्कूलों की मनमानी पर अंकुश लगेगा और अभिभावकों को आर्थिक राहत मिलेगी। साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी फीस निर्धारण के नियमों का पालन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं का कहना है कि पंजाब में लागू किया गया यह मॉडल पूरे देश में अपनाया जाना चाहिए ताकि शिक्षा व्यवस्था में समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। उनका तर्क है कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है और इसे लाभ कमाने का साधन नहीं बनाया जाना चाहिए।

कांग्रेस ने परविंदर सिंह को सौंपी अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रदेश प्रभारी काजी मोहम्मद निजामुद्दीन ने सरदार परविंदर सिंह को दिल्ली में गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक संपर्क अभियान का राज्य प्रभारी नियुक्त किया है। इस नियुक्ति को विभिन्न अल्पसंख्यक समुदायों के साथ पार्टी के संवाद और सहभागिता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कांग्रेस ने कहा कि पार्टी हमेशा समावेशी राजनीति और समाज के सभी वर्गों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। इसी उद्देश्य के तहत सिख, जैन, ईसाई, बौद्ध तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ संगठनात्मक जुड़ाव को और मजबूत करने के लिए इस पहल की शुरूआत की गई है। नई जिम्मेदारी के तहत सरदार परविंदर सिंह दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में संपर्क अभियान का नेतृत्व करेंगे तथा समुदायों के बीच पार्टी की पहुंच और संवाद को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे।

निक ने विश्व पर्यावरण दिवस पर बच्चों को प्रेरित किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

अगर पेड़ दोस्ती का अनुरोध भेज सकते, अगर हर पौधे में कोई सुपरपावर होती, और अगर पृथ्वी को बचाने की शुरूआत केवल एक बातचीत से हो सकती – तो कैसा होता? इस विश्व पर्यावरण दिवस पर निक (Nick) ने इन कल्पनाओं को साकार करते हुए अपने लोकप्रिय निकटून पात्रों चिकू और बंटी, जलवायु संरक्षण की समर्थक अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, तथा उत्साही बच्चों के एक समूह को एक विशेष पहल के तहत एक साथ लाया। इस पहल का उद्देश्य नई पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना और उन्हें भविष्य का ईको-चैंपियन बनने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस विशेष आयोजन के दौरान चिकू और बंटी तथा बच्चों ने भूमि पेडनेकर को उनके पसंदीदा पौधों के पौधे भेंट किए और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इसके बाद पर्यावरण संरक्षण विषय पर एक रोचक संवाद आयोजित किया गया, जिसमें भूमि ने बच्चों को सरल और पर्यावरण-अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि छोटे-छोटे सकारात्मक कदम पर्यावरण पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। निक के साथ इस सहयोग के बारे में भूमि पेडनेकर ने कहा, मैं विश्व पर्यावरण दिवस पर निक के साथ जुड़कर बेहद उत्साहित हूं। सुंदर कहानियों और प्रेरणादायक कथाओं के माध्यम से निक लाखों बच्चों के दिलों तक पहुंचता है। यदि मैं किसी भी तरह से इन नन्हे बच्चों के मन में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान दे सकूं, जो हमारे देश का भविष्य हैं, तो यह मेरे लिए बेहद खुशी की बात होगी। देशभर के बच्चों के लिए अपना संदेश देते हुए उन्होंने कहा, मैं बच्चों से यही कहना चाहूंगी कि यह पृथ्वी आपकी है। यही आपका एकमात्र घर है। इसका कोई दूसरा विकल्प नहीं है, कोई प्लैनेट बी नहीं है। इसलिए अपनी पूरी क्षमता के साथ इसकी रक्षा करने का प्रयास करें और इसे सुरक्षित रखने में अपना योगदान दें। ऐसी सार्थक पहलों के माध्यम से निक बच्चों और परिवारों को सकारात्मक मूल्यों को अपनाने, अपने समुदायों में बदलाव के वाहक बनने तथा सीखने को रोचक और प्रभावशाली बनाने के लिए लगातार प्रेरित करता रहा है।

दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों को स्वास्थ्य सुविधाओं की सौगात

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में ग्रामीण और बाहरी क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उपराज्यपाल सरदार टी.एस. संधू ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के अंतर्गत दो नए केंद्रों की स्थापना के लिए ग्राम सभा भूमि आवंटित करने को मंजूरी प्रदान की है। इस निर्णय से बाहरी उत्तरी जिले के मंगेशपुर तथा दक्षिणी जिले के फतेहपुर बेरी के निवासियों को बेहतर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए ग्राम सभा की भूमि प्रतीकात्मक रूप से मात्र एक रुपये के लाइसेंस शुल्क पर उपलब्ध कराई जाएगी। लंबे समय से उपयुक्त स्थानों की कमी के कारण योजना के विस्तार में आ रही बाधाएं अब काफी हद तक दूर होने की उम्मीद है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना का उद्देश्य नागरिकों को उनके नजदीकी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। नए केंद्रों के स्थापित होने से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इन दो नए आवंटनों के साथ दिल्ली में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए ग्राम सभा भूमि आवंटन की कुल संख्या बढ़कर 14 हो गई है। इनमें उत्तरी जिले में तीन, दक्षिण-पश्चिम जिले में नौ तथा दक्षिण-पूर्व और दक्षिण जिले में एक-एक स्थान शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में स्वास्थ्य ढांचे के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उधर, उपराज्यपाल सरदार टी.एस. संधू ने एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय के तहत उत्तरी जिले के सुंदरपुर गांव में गौशाला निर्माण के लिए 28 बीघा 5 बिस्वा ग्राम सभा भूमि आवंटित करने की भी मंजूरी दी है। यह भूमि 99 वर्षों की अवधि के लिए दिल्ली सरकार के विकास विभाग की पशुपालन इकाई को दी जाएगी, जहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त गौशाला विकसित की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाकर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस ने अपने सभी ज़िलों और यूनिट्स में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इसके जरिए पर्यावरण की स्थिरता और हरित भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया। इस अभियान का नेतृत्व दिल्ली पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा ने किया। उन्होंने दिल्ली पुलिस मुख्यालय में एक पौधा लगाया। इस पहल में राजेश खुराना, गरिमा भटनागर, डेविड लालरिनसांगा, स्पेशल पुलिस कमिश्नर कानून व्यवस्था जोन एक देवेश चंद्र श्रीवास्तव, संजय कुमार जैन दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए और उन्होंने भी इस अवसर पर पौधे लगाए। वृक्षारोपण अभियान के दौरान मौजूद वरिष्ठ अधिकारियों में श्री रॉबिन हिबू, मनीष कुमार अग्रवाल, संजय त्यागी, विजयंता गोयल आर्य, आलाप पटेल, एस.के. सिंह शामिल थे। दिल्ली पुलिस के सभी ज़िलों और यूनिट्स में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े पैमाने पर मनाया गया। वृक्षारोपण अभियान आयोजित की गई और वरिष्ठ अधिकारियों व पुलिस कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पौधे लगाए, हरियाली को बढ़ावा दिया और नागरिकों के बीच पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाई।

छोटे एवं मध्यम समाचार पत्रों को विज्ञापनों में उचित हिस्सेदारी देने की मांग

नई दिल्ली। एक्रेडिटेड जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ने छोटे एवं मध्यम समाचार पत्रों को सरकारी विज्ञापनों के वितरण में उचित प्रतिनिधित्व और समान अवसर देने की मांग उठाई है। संगठन ने इस संबंध में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय संचार ब्यूरो से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। एसोसिएशन का कहना है कि छोटे एवं मध्यम समाचार पत्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों और जागरूकता अभियानों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके बावजूद विज्ञापन वितरण व्यवस्था में उन्हें अपेक्षित भागीदारी नहीं मिल पा रही है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शनिवार, 06 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

जेएनयू में लिफ्ट संचालकों की कमी पर छात्र संघ ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) छात्र संघ ने प्रशासन पर लिफ्ट संचालन में लापरवाही का आरोप लगाया है। छात्र संघ के अनुसार पिछले एक महीने में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईएस), स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (एसएसएस) और केंद्रीय पुस्तकालय में लिफ्ट खराब होने की तीन घटनाएं सामने आई हैं। जिनमें छात्र आधे घंटे से अधिक समय तक लिफ्ट में फंसे रहे। छात्र संघ के अनुसार विश्वविद्यालय परिसर में करीब 25 लिफ्टें हैं। लेकिन प्रत्येक शिफ्ट में केवल एक लिफ्ट ऑपरेटर तैनात है। इंजीनियरिंग शाखा के मानकों के अनुसार दो भवनों पर एक ऑपरेटर होना चाहिए। जिसके हिसाब से प्रत्येक शिफ्ट में दस और कुल 30 लिफ्ट संचालकों की जरूरत है। वर्ष 2023 की भर्ती प्रक्रिया में लिफ्ट संचालक पद के लिए पात्रता शर्तें अधिक कठोर कर दी गईं। जिससे नियुक्तियां प्रभावित हुईं। वहीं जेएनयू के एसएफआई संगठन के अनुसार रात आठ बजे के बाद कई शैक्षणिक भवनों और कुछ छात्रावासों की लिफ्टें बंद कर दी जाती हैं। जिससे विशेष रूप से दिव्यांग छात्रों को परेशानी होती है। संगठन ने प्रशासन से तत्काल पर्याप्त लिफ्ट संचालकों को नियुक्त करने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी करें युवा : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा ने 256 मंडलों में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने चाणक्यपुरी के नेहरू पार्क में पौधे लगाए। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने सैनी एन्क्लेव के डीडीए पार्क में चाइना डोल का पौधा लगाया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि जिस प्रकार मां अपने बच्चों को जीवन देती है, उसी प्रकार प्रकृति भी मानव जीवन का आधार है। यह अभियान मातृत्व के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल का संकल्प ले तो आने वाले वर्षों में करोड़ों नए वृक्ष तैयार होंगे। उन्होंने दिल्लीवासियों, युवाओं, विद्यार्थियों और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे इस अभियान को केवल एक दिन का कार्यक्रम न मानें, बल्कि वर्षभर पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी करें। पूर्व अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मयूर विहार फेज-एक के एक पार्क में पौधा लगाया। चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने आसफ अली रोड के शास्त्री पार्क में आम का पौधा लगाया। दिल्ली जलबोर्ड के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने मालवीय नगर के पीतल मदन मोहन मालवीय पार्क सहित पांच स्थानों पर अशोक व नीम के पौधे लगाए।

रेखा गुप्ता के वायरल बयान पर छिड़ा विवाद

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के एक बयान को लेकर सामाजिक माध्यमों पर विवाद खड़ा हो गया है। वायरल वीडियो में उन्हें यह कहते हुए दिखाया गया कि पानी बीच में भाप बनकर उड़ जाता है, जिसके बाद विपक्षी नेताओं ने उनकी आलोचना शुरू कर दी। विवाद उस समय बढ़ा जब कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने वीडियो साझा कर मुख्यमंत्री के बयान पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता रागिनी नायक ने इसे लेकर कटाक्ष किया, जबकि अन्य विपक्षी नेताओं ने भी बयान की आलोचना की। दरअसल, एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान रेखा गुप्ता भीषण गर्मी और जल संकट पर चर्चा कर रही थीं। उन्होंने कहा था कि अत्यधिक तापमान के दौरान खुले स्रोतों, नहरों और टैंकरों में पानी का कुछ हिस्सा वाष्पित हो जाता है, जिससे उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। विवाद बढ़ने के बाद भाजपा ने इस कार्यक्रम का पूरा वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि मुख्यमंत्री के बयान को संदर्भ से काटकर प्रस्तुत किया गया।

मानसून में जखीरा अंडरपास रहेगा जलभराव मुक्त : प्रवेश साहिब

नई दिल्ली। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने जखीरा का निरीक्षण कर मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ड्रेनेज व्यवस्था को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और उसे बेहतर ढंग से करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने रोहतक रोड स्थित रामा रोड से जखीरा फ्लाईओवर तक बनाए जा रहे प्रमुख आरसीसी ड्रेनेज सिस्टम के कार्यों की समीक्षा की। इस नई ड्रेनेज व्यवस्था के माध्यम से वर्षा का पानी सीधे नजफगढ़ ड्रेन में प्रवाहित किया जाएगा, जिससे जखीरा अंडरपास और आसपास के क्षेत्रों में जलभराव की समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि इस परियोजना का प्रयास है कि मानसून के दौरान दिल्लीवासियों को जलभराव के कारण किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसने वाला देश का पहला राज्य बना पंजाब - केजरीवाल

● पंजाब की आप सरकार ने निजी स्कूलों में 5 फीसद से ज्यादा बढ़ाई गई फीस वापस करने के आदेश दिए - केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में प्राइवेट स्कूलों पर नकेल कसने के सीएम भगवंत सिंह मान के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर नकेल कसने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने स्कूलों में 5 फीसद से ज्यादा बढ़ाई गई फीस को वापस करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब आप की सरकार थी, तब वहां भी प्राइवेट स्कूलों में मनमाना बढ़ाई गई फीस वापस कराई थी। वैसा ही अब पंजाब में होने जा रहा है। एक तरफ हम सरकारी स्कूल अच्छे कर रहे तो दूसरी तरफ निजी स्कूलों के बच्चों को फीस की मार से बचा रहे हैं। इसी तरह पूरे देश में प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगनी चाहिए। शुक्रवार को आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो जारी कर कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने एक बहुत अच्छा निर्णय लिया है। दो दिन पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान ने ऐलान किया है कि जल्द एक कानून लाया जाएगा। इसके तहत कोई भी प्राइवेट स्कूल एक साल में पांच फीसद से ज्यादा फीस नहीं बढ़ा पाएगा। लाइब्रेरी फीस, डेवलपमेंट फीस और अन्य सभी तरह की फीस को मिलाकर भी कोई स्कूल एक साल में पांच फीसद से ज्यादा की बढ़ोतरी नहीं कर सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि पिछले तीन साल में जिन स्कूलों ने 15 फीसद से ज्यादा फीस बढ़ाई है, उन्हें वह अतिरिक्त फीस रिफंड करनी पड़ेगी।

पेड़ों की देखभाल, संरक्षण के लिए जनभागीदारी आवश्यक: भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि भावी पीढ़ियों के हित में पेड़ों की देखभाल और संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास एवं जनभागीदारी आवश्यक है। भूपेन्द्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज संयुक्त रूप से दिल्ली के मैदनगढ़ी स्थित नमो ऑक्सीजन पार्क में एक कार्यक्रम में 18 नमो ऑक्सीजन पार्कों का उद्घाटन किया। इस दौरान दोनों ने राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम के तहत कई पर्यावरण संबंधी पहलों की शुरूआत की। इन पहलों का उद्देश्य राजधानी को और हरियाली

करना, वायु गुणवत्ता में सुधार लाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, इस अभियान ने वृक्षारोपण को कृतज्ञता, जिम्मेदारी और पर्यावरण चेतना पर आधारित एक जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने नागरिकों से न केवल पेड़ लगाने बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए उनकी देखभाल और संरक्षण करने का भी आग्रह किया। मंत्री ने उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी देश के रूप में उभरा है और उसने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि में विश्व के अग्रणी देशों में से एक बनना, पीएम सूर्य घर योजना का कार्यान्वयन, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) का शुभारंभ, रामसर आर्द्रभूमि स्थलों का विस्तार और जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के तहत निर्धारित समय से पहले कई राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) लक्ष्यों को प्राप्त करना शामिल है।

हरित राजधानी की शुरूआत एक पौधे से होती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक हरित और स्वच्छ दिल्ली की शुरूआत एक पौधे से होती है और प्रत्येक परिवार को कम से कम एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। दिल्ली विधानसभा परिसर में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। विधानसभा अध्यक्ष ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति विधानसभा की जिम्मेदारी समझाई। उन्होंने कहा कि सुशासन केवल वर्तमान की जरूरतों तक सीमित नहीं होता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य तैयार करना भी उसकी जिम्मेदारी है। दर्शक बनने के बजाय संरक्षक बनें : अध्यक्ष ने नागरिकों से केवल दर्शक बने

रहने के बजाय प्रकृति का संरक्षक बनने का आह्वान किया। उनका कहना था कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में पर्यावरण संरक्षण अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है। बढ़ता प्रदूषण और तापमान राजधानी के सामने बड़ी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटने के लिए व्यापक जनभागीदारी जरूरी है। सार्वजनिक संस्थान उदाहरण पेश करें : विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक संस्थानों को केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें खुद उदाहरण भी पेश करना चाहिए। उन्होंने बताया कि दिल्ली विधानसभा अपने परिसर को अधिक हरित बनाने और पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। संस्थागत परिसरों में अधिक पेड़ लगाने से गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है, जैव विविधता को बढ़ावा मिल सकता है और स्वच्छ हवा के प्राकृतिक क्षेत्र विकसित किए जा सकते हैं। नागरिक लें जिम्मेदारी तभी सार्थक : अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को केवल एक दिन तक सीमित नहीं रखना चाहिए। जब तक नागरिक इसे अपनी सामाजिक जिम्मेदारी नहीं मानेंगे, तब तक बड़े बदलाव संभव नहीं होंगे। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने युवाओं, सामाजिक संगठनों और नागरिकों से मिलकर दिल्ली को पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूल विकास का मॉडल बनाने का आह्वान किया।

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 स्थित कार्यालय भवन में लगी आग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 में एक कार्यालय भवन की तीसरी मंजिल पर स्थित बैटरी कक्ष में बृहस्पतिवार देर रात आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि उसे सावित्री सिनेमा के सामने स्थित टाटा कम्युनिकेशंस के कार्यालय में आग लगने की सूचना देर रात दो बजकर 47 मिनट पर मिली जिसके बाद दमकल की 11 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। डीएफएस के अनुसार, आग बहुमंजिला इमारत की तीसरी मंजिल पर स्थित बैटरी कक्ष तक ही सीमित रही और इससे करीब 200 वर्ग फुट क्षेत्र प्रभावित हुआ। अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने के दौरान दो दमकलकर्मियों के हाथ झुलस गए और उन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि आग पर सुबह करीब सात बजे काबू पा लिया गया और इसके बाद घटनास्थल को ठंडा करने का काम किया गया ताकि आग दोबारा नहीं भड़के।

मालवीय नगर अग्निकांड में होटल मालिक की पिछली गिरफ्तारी भी जांच के घेरे में

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मालवीय नगर अग्निकांड में 21 लोगों की मौत मामले में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है जिसमें पुलिस सूत्रों ने दावा किया है कि होटल मालिक लवकेश बजाज को पहले फर्जी भारतीय पासपोर्ट एवं जाली पहचान दस्तावेजों के माध्यम से बंगलादेशी नागरिकों की मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस के अनुसार, बजाज की पहले हुई गिरफ्तारी बंगलादेशी नागरिकों के लिए अवैध दस्तावेज एवं पहचान पत्र उपलब्ध कराने में मदद करने से संबंधित थी और यह तथ्य वर्तमान जांच में एक महत्वपूर्ण बिंदु बन गया है क्योंकि मामले की कई स्तरों पर जांच की जा रही है। मालवीय नगर गेस्ट हाउस अग्निकांड की जांच में दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने पहले ही संकेत दिया है कि संपत्ति का प्रशासनिक एवं लाइसेंस-संबंधी काम कथित रूप से अकाउंटेंट जय मिश्रा और प्रबंधक राकेश के माध्यम से किया गया था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि लवकेश बजाज ने अपने अकाउंटेंट और मैनेजर के नाम और प्रमाणपत्रों का उपयोग करके गेस्ट हाउस के कई प्रमुख कार्य किया जिनमें एनओसी, लाइसेंस और अन्य अनुपालन-संबंधी कागजी कार्रवाई शामिल हैं। जांच के दौरान, दिल्ली पुलिस ने गेस्ट हाउस के प्रत्येक कमरों की जांच की और विभिन्न कमरों से लगभग 50-60 मोबाइल फोन बरामद किए। अधिकारियों ने लगभग 30 पासपोर्ट भी बरामद किए जिससे प्रांगण में विदेशी दखल एवं दस्तावेज प्रबंधन को लेकर चिंताएं बढ़ गईं। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चला है कि आग में अधिकांश पीड़ितों की मौत जलने से नहीं बल्कि दम घुटने और जहरीले धुएं के कारण हुई। अधिकारियों ने यह भी पुष्टि की कि अधिकांश मृतक विदेशी नागरिक थे जो मेडिकल वीजा पर भारत आए थे। जांचकर्ताओं ने आगे खुलासा किया कि गेस्ट हाउस में कथित रूप से हर महीने लगभग 80 विदेशी मेहमान ठहरते थे, साथ ही सी-फॉर्म रखा जाता था और आधिकारिक रिकॉर्ड के भाग के रूप में विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) में जमा किया जाता था। जांच में कई सुरक्षा उल्लंघनों का भी खुलासा हुआ है जिसमें सीलबंद खिड़कियां और ग्लास पैनल भी शामिल हैं जिनके कारण इमारत के अंदर धुआं फंस गया। तहखाने से बाहर निकलने वाले गेट पर ताला लगा हुआ था और बचाव दल को कथित रूप से भौतिक बाधाओं और लोहे की जाली के कारण फंसे हुए लोगों तक पहुंचने में काफी देरी हुई। अधिकारियों ने आपातकालीन निकास की कमी और खराब वेंटिलेशन का संकेत दिया है, जिससे कथित रूप से पूरी संरचना में जहरीला धुआं फैल गया और अंदर फंसे लोगों के बचने की बहुत कम संभावना रह गई। दिल्ली पुलिस ने मामले से जुड़े सभी लोगों की खोज के प्रयास तेज कर दिए हैं जबकि बरामद पासपोर्ट और मोबाइल डेटा का सत्यापन किया जा रहा है। अधिकारी कई स्तरों पर जवाबदेही तय करने के लिए गेस्ट हाउस की वित्तीय एवं परिचालन संरचना की भी जांच कर रहे हैं।

हत्या के प्रयास में तीन साल से फरार घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका जिले की एंटी-बर्गलरी सेल ने हत्या के प्रयास के एक मामले में पिछले तीन वर्षों से फरार चल रहे घोषित अपराधी (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर) को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान अवनीश उर्फ कुनाल (28) के रूप में हुई है, जिसे विकास नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। द्वारका जिला पुलिस के अनुसार, आरोपी अवनीश उर्फ कुनाल को थाना डाबरी में दर्ज एफआईआर संख्या 824/2022 के तहत भारतीय दंड संहिता की धारा 307/34 (हत्या का प्रयास) के मामले में 16 फरवरी 2023 को द्वारका कोर्ट द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया गया था। आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर शिकायतकर्ता पर चाकू से जानलेवा हमला करने के बाद फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपी ने अपना पुराना पता छोड़ दिया और विकास नगर क्षेत्र में किराए के मकान में रहकर पुलिस से बचता रहा। द्वारका के डीसीपी कुशल पाल सिंह के निर्देश पर जिले की एंटी-बर्गलरी सेल लगातार घोषित अपराधियों और गंभीर मामलों में फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी। इंस्पेक्टर विवेक मैंदोला के नेतृत्व में गठित टीम, जिसमें एएसआई राजेश, हेड कांस्टेबल प्रवीण, हेड कांस्टेबल कृष्ण और महिला हेड कांस्टेबल सोनिया शामिल थीं, को आरोपी की तलाश में लगाया गया था। एसीपी ऑपरेशन सुभाष मलिक की निगरानी में टीम को एक मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपी विकास नगर इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने विकास नगर में छापेमारी की और आरोपी अवनीश उर्फ कुनाल को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि अवनीश दिल्ली का रहने वाला है। उसके पिता एक फैक्ट्री में मजदूर हैं जबकि मां घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। उसने आठवीं कक्षा तक पढ़ाई की, जिसके बाद पढ़ाई छोड़ दी। बाद में वह गलत संगत में पड़ गया और नशे का आदी हो गया।

आधिकारिक जांच में VPVV टेक्नो कंस्ट्रक्शन के खिलाफ गड़बड़ी का कोई सबूत नहीं मिला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। VPVV टेक्नो कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड हमेशा कानून के दायरे में काम करने और सरकारी अधिकारियों का सहयोग करने के लिए प्रतिबद्ध रही है। नई दिल्ली के वसंत विहार थाने से लेकर कमिश्नर स्तर तक हुई एक आधिकारिक पुलिस जांच में यह साफ हो गया है कि कंपनी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद और झूठे हैं। जांच में किसी भी तरह का अपराध नहीं पाया गया है। इस जांच के दौरान

कंपनी को नोटिस दिए गए, कंपनी के दफ्तरों का दौरा किया गया और कंपनी के निदेशकों (Directors) से पूछताछ की गई। शिकायतकर्ताओं को अपने आरोपों के समर्थन में सबूत पेश करने का पूरा मौका दिया गया था, लेकिन वे जांच के दौरान कोई भी दस्तावेजी सबूत नहीं दे पाए। कंपनी ने नई दिल्ली के प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर इन तथ्यों को सामने रखा। इस मौके पर कंपनी के अधिकारियों–श्री अकील अहमद (VP ऑपरेशन्स), श्री वेंकट वेंकट (चेयरमैन), और श्री राजन मलिक (प्रिंसिपल स्ट्रेटेजिस्ट) ने मीडिया के सामने जांच से जुड़े आधिकारिक दस्तावेज और रिकॉर्ड पेश किए। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि VPVV एक पूरी तरह से रजिस्टर्ड संस्था है जो केवल कानूनी रूप से कंस्ट्रक्शन (निर्माण) का काम करती है और सभी नियमों का पालन करती आई है। जांच के हर चरण में कंपनी के निदेशकों और प्रतिनिधियों द्वारा पुलिस का पूरा सहयोग किया गया है। VPVV कंपनी का कहना है कि ये आरोप उनके तीन पूर्व कर्मचारियों–श्रीराम एस., अजीश रामचंद्रन और हरि कृष्णन की तरफ से लगाए गए थे, जो अब कंपनी का हिस्सा नहीं हैं। कंपनी का मानना है कि ये आरोप बिना किसी कानूनी या वास्तविक आधार के कंपनी, उसके कर्मचारियों और पार्टनर्स की छवि को नुकसान पहुंचाने के इरादे से लगाए गए हैं।

अदालत ने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस याचिका पर तत्काल सुनवाई से शुक्रवार को इनकार कर दिया जिसमें कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के यहां जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन के कारण कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताएं पैदा होने की आशंका जताई गई थी। सीजेपी ने परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों के मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर छह जून को प्रदर्शन का आह्वान किया है। सेव इंडिया फाउंडेशन के वकील ने न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी और न्यायमूर्ति अमित शर्मा की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख तत्काल सुनवाई के लिए किया लेकिन पीठ ने मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने इस महीने की शुरूआत में अपने समर्थकों और विद्यार्थियों से दिल्ली में प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया था। दीपके ने अपने समर्थकों से यह भी आग्रह किया था कि वे छह जून को उनके हवाई अड्डे आने पर वहां पहुंचें। सोशल मीडिया पर युवाओं द्वारा संचालित मुहिम कॉकरोच जनता पार्टी अपने गठन के बाद से चर्चा में है और कई सार्वजनिक हस्तियों ने इसे सब्सक्राइब किया है। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे, मेट्रो स्टेशनों और राजमार्गों के प्रवेश बिंदुओं पर तत्काल एहतियाती, नियामक और भीड़ नियंत्रण संबंधी उपाय लागू करने का अनुरोध किया। याचिका में प्राधिकारियों को यह निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया कि वे प्रस्तावित सभा को सीमित एवं नियंत्रित करें या किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित करें ताकि सार्वजनिक व्यवस्था बनी रहे। इसमें प्राधिकारियों को यह निर्देश दिए जाने का भी आग्रह किया गया था कि वे इस दौरान सार्वजनिक सुरक्षा से समझौता किए बिना अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय जैसे महत्वपूर्ण स्थानों और आपात सेवाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करें।

दिल्ली में बुलडोजर और सीलिंग की कार्रवाई शुरू

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हौज रानी आग की घटना को लेकर दिल्ली में जमीनी स्तर पर कार्रवाई शुरू हो गई है। शुक्रवार को दक्षिणी जिले के कई इलाकों में अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। वहीं नियमों का उल्लंघन करने वाली इमारतों को सील भी किया गया। इस कार्रवाई के लिए उपराज्यपाल के निर्देश पर प्रत्येक जिला एवं उप मंडल में टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें अपने क्षेत्र में आग से बचाव को लेकर सुरक्षा उपाय एवं भवन उपनियमों के पालन को लेकर सर्वेक्षण और कार्रवाई करने लगी है। दिल्ली सरकार द्वारा अवैध निर्माण, अतिक्रमण एवं इमारत बनाने के नियमों का उल्लंघन करने के लिए प्रत्येक जिले में समितियों का गठन किया गया है। यह समितियां व्यवस्थित तरीके से निरीक्षण और सील करने की कार्रवाई करेंगी। सरकार द्वारा कार्रवाई के लिए उप मंडल स्तर पर बनाई गई समिति में एसडीएम को अध्यक्ष जबकि निगम और पुलिस के एसीपी को सदस्य बनाया गया है। यह समितियाँ अग्नि सुरक्षा, भवन उपनियमों और लागू कानूनों से संबंधित मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत निरीक्षण करने और सीलिंग की कार्रवाई करेगी। डीएम को दी जाएगी कार्रवाई की रिपोर्ट। दिल्ली सरकार द्वारा गठित की गई समितियों में जिला स्तर पर डीएम अध्यक्ष हैं जबकि निगम उपायुक्त, पुलिस उपायुक्त और दमकल के डिवीजनल अधिकारी सदस्य हैं। यह समितियां अग्नि सुरक्षा मानदंडों और भवन उपनियमों का उल्लंघन करने वाले अवैध और अनधिकृत भवनों और प्रतिष्ठानों के खिलाफ शहर में होने वाले विशेष सर्वेक्षण अभियान का समन्वय करेंगी। उप मंडल स्तर पर की जाने वाली दैनिक कार्रवाई की रिपोर्ट डीएम को दी जाएगी और वह प्रत्येक सप्ताह इसे गृह विभाग को सौंपेंगे।

गाजीपुर में संदिग्ध परिस्थितियों मृत मिली विवाहित महिला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर गांव में एक घर पर 21 वर्षीय विवाहित महिला संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बृहस्पतिवार दोपहर गाजीपुर गांव की गोपाल गली स्थित एक मकान में एक महिला के मृत मिलने के संबंध में पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र थाने को सूचना दी गई जिसके बाद पुलिस की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान मकान की चौथी मंजिल पर एक सोफे पर खुशी (21) नाम की महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ मिला। उनके अनुसार, प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि महिला की शादी अक्टूबर 2025 में तरुण (26) नामक युवक से हुई थी। जांच में यह भी सामने आया कि घटना के समय तरुण का भाई सुमित (23) भी घर में मौजूद था।

पीडब्ल्यूडी के निर्माण कार्यों में मलबे को रिसाइकिल कर बने उत्पादों को उपयोग अनिवार्य

नई दिल्ली। राजधानी को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में लोक निर्माण विभाग ने (पीडब्ल्यूडी) ने निर्माण कार्यों में मलबे को रिसाइकिल कर बनाए गए उत्पादों का उपयोग अनिवार्य कर दिया है। विभाग की ओर से जारी निर्देशों में ठेकेदारों से कहा गया है कि उन्हें निर्माण कार्य में न्यूनतम 10 प्रतिशत रिसाइकिल उत्पाद का उपयोग करना होगा। साथ ही इसका प्रमाण देने के बाद ही उनको भुगतान मिलेगा। ऐसा नहीं करने पर भुगतान अटक सकता है। निर्देश में बताया गया है कि दिल्ली नगर निगम क्षेत्र से मलबा उठाता है। करीब 5150 मीट्रिक टन मलबे को जहांगीरपुरी, शास्त्री पार्क, मुंडका, रानीखेड़ा और बक्करवाला स्थित संयंत्रों में रिसाइकिल करा उससे एम सैंड, इंटरलॉकिंग टाइल्स, कर्ब स्टोन, सीसी ब्लॉक और सीसी ईंट जैसे उत्पाद तैयार कराता है। सीएंडडी अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 में सभी सरकारी और नगर निकाय के लिए निर्माण कार्य में मलबे से रिसाइकिल कर बने उत्पादों का उपयोग अनिवार्य किया गया है। दिल्ली नगर निगम ने इसके और केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के निर्देशों के आलोक में पीडब्ल्यूडी को पत्र लिख कर ठेकेदारों पर रिसाइकिल उत्पाद खरीदने की बाध्यता की बात कही थी। इस पर अमल करते हुए पीडब्ल्यूडी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि निर्माण कार्य से जुड़े ठेकेदारों के लिए न्यूनतम 10 प्रतिशत मलबे को रिसाइकिल कर बने उत्पाद नगर निगम के संयंत्रों से खरीदना अनिवार्य होगा। उस खरीद का प्रमाण भी उन्हें भुगतान के वक्त लगाना होगा। यह कदम दिल्ली को स्वच्छ बनाने और वायु प्रदूषण कम करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास माना जा रहा है।

लोधी रोड पर सीवर के काम के दौरान श्मशान घाट की दीवार गिरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। लोधी रोड पर दयानंद श्मशान घाट की दीवार सीवर लाइन के लिए चल रही खुदाई के दौरान गिर गई, जिससे तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। दोनों घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, यह घटना रात करीब 1 बजे हुई, जब श्मशान घाट के पास मजदूर नाली खोदने का काम कर रहे थे। दीवार के अचानक गिरने से मौके पर अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि जब यह घटना हुई, तब निर्माण कार्य चल रहा था। उन्होंने कहा कि मजदूर काम कर रहे थे, तभी अचानक दीवार गिर गई। मलबे के नीचे तीन लोग दब गए। उनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस करीब 20 मिनट में मौके पर पहुंची और पीड़ितों को बाहर निकाला। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के अधिकारियों ने पुष्टि की कि पाइपलाइन बिछाने के काम के दौरान दीवार गिरने से तीन मजदूर मलबे के नीचे दब गए थे। बचाव दलों को तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि मलबे को हटाने और बचाव कार्यों में मदद के लिए रात में जेसीबी मशीनें लगाई गई थीं। शुरूआती रिपोर्टों से पता चलता है कि मजदूर खुदाई का काम कर रहे थे, तभी अचानक ढांचा ढह गया और यह हादसा हो गया। पुलिस ने ढांचे के गिरने की असल वजह का पता लगाने और यह जांचने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या सुरक्षा में कोई चूक या लापरवाही इस हादसे की वजह बनी। यह घटना इलाके में निर्माण कार्य से जुड़े एक और बड़े हादसे के ठीक एक दिन बाद हुई है। इससे पहले, गुरुवार को जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को फरीदाबाद से जोड़ने वाले एक निर्माणाधीन फ्लाईओवर पर भारी क्रेन पलटने से कम से कम दो मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य लोगों के फंसे होने की आशंका है। यह हादसा फरीदाबाद के पन्हेरा खुर्द के पास हुआ, जहां ग्रीन कॉरिडोर प्रोजेक्ट के तहत जेवर एयरपोर्ट फ्लाईओवर का काम चल रहा था। अधिकारियों ने बताया कि एक गर्डर उठाते समय क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई, जिससे कई मजदूर उसके नीचे दब गए।

दिल्ली दंगे की आरोपी देवांगना कालिता की वीडियो

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली दंगा मामले की आरोपी देवांगना कालिता की उस याचिका को शुक्रवार को खारिज कर दिया जिसमें पुलिस को सीएए (संशोधित नागरिकता अधिनियम) और एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी) के खिलाफ 2020 के प्रदर्शनों के दौरान हुई सांप्रदायिक हिंसा से संबंधित दो मामलों में कुछ वीडियो और व्हाट्सऐप चैट उपलब्ध कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने अदालत के उस अंतरिम आदेश को भी जारी रखने से इनकार कर दिया जिसमें अधीनस्थ अदालत को अशांति के पीछे कथित बड़ी साजिश से संबंधित मामले में आरोप तय करने पर अंतिम आदेश पारित नहीं करने के लिए कहा गया था। कालिता के वकील ने न्यायाधीश से अनुरोध किया कि वे फिलहाल स्थगन आदेश को जारी रखें क्योंकि वह उच्चतम न्यायालय में अपील करेंगी। न्यायमूर्ति कृष्णा ने जवाब दिया, मैं ऐसा नहीं कर पाऊंगी। हालांकि, अदालत ने कालिता की एक अलग याचिका स्वीकार कर ली और उन्हें षड्यंत्र के बड़े मामले में उन दस्तावेजों के निरीक्षण की अनुमति दी जिनका अभियोजन पक्ष ने इस्तेमाल नहीं किया था। कालिता ने 2023 में उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर दावा किया था कि दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में सीएए और एनआरसी के विरोध प्रदर्शनों को रिकॉर्ड करने के लिए कुछ व्यक्तियों को नियुक्त किया था और आरोप तय करने पर सुनवाई शुरू होने से पहले यह फुटेज उन्हें उपलब्ध कराया जाना चाहिए। उन्होंने दलील दी कि फुटेज से यह साबित होगा कि वह शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर रही थीं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran

www.pratahkiran.com

नई दिल्ली, शनिवार, 06 जून, 2026

गुरुग्राम में पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम पहुंचे खट्टर

● बायोरिमेडिएशन पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया; राव नरबीर ने गिनाईं पर्यावरण योजनाएं

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राज्य स्तरीय समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि हरियाणा के वन, पर्यावरण एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत विकास से जुड़ी विभिन्न पहलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर धनकोट स्थित लेग-3 पर बायोरिमेडिएशन पायलट परियोजना का उद्घाटन किया गया तथा सेक्टर-102 स्थित लायन पब्लिक स्कूल परिसर में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) परियोजना, नगर निगम द्वारा शहर के 170 पार्कों तक शोधित अपशिष्ट जल पाइपलाइन बिछाने के कार्य का शिलान्यास भी किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से संपन्न होने के बावजूद गुरुग्राम को स्वच्छता और पर्यावरण के क्षेत्र में अभी और बेहतर करने की आवश्यकता है। यदि शहर वायु प्रदूषण और स्वच्छता की चुनौतियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित कर लेता है तो यह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल हो सकता है। पर्यावरण संरक्षण केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदूषण के सभी स्त्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हाल ही में लिए गए निर्णय के अनुसार एनसीआर क्षेत्र में बीएस-1, बीएस-2 और बीएस-3 मानकों वाले पुराने वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा तथा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के स्क्रैपिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को सार्वजनिक स्थलों, पुलिस परिसरों और अन्य स्थानों पर लंबे समय से खड़े अनुपयोगी एवं कबाड़ वाहनों के वैज्ञानिक निस्तारण के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल और पुराने वाहनों से होने वाला प्रदूषण वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक हैं, जिन पर प्रभावी नियंत्रण जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने घर-घर कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक के कम उपयोग, स्वच्छता के प्रति जागरूकता और संसाधनों के पुनर्चक्रण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित तकनीकों को बढ़ावा देकर ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य केवल सरकारी प्रयासों से प्राप्त नहीं होगा, बल्कि इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी आवश्यक है। पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम देश के सबसे विकसित शहरों में शामिल होने के बावजूद प्रदूषण की चुनौती का सामना कर रहा है और इससे निपटने के लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने लोगों से पर्यावरण संरक्षण को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि हरियाणा में पॉलीथीन पर प्रतिबंध होने के बावजूद इसका उपयोग लगातार जारी है, जो पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा कि पॉलीथीन कचरे को जलाने से निकलने वाला जहरीला धुआं वायु प्रदूषण को बढ़ाता है, जबकि एक साधारण पॉलीथीन बैग को नष्ट होने में सैकड़ों वर्ष लग जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पॉलीथीन मुक्त गुरुग्राम के लिए अभियान चला रही है, लेकिन इसकी सफलता नागरिकों के सहयोग के बिना संभव नहीं है। पर्यावरण मंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने लोगों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम दो पौधे लगाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने कहा कि आज का छोटा प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए बड़ा उपहार साबित होगा। इस अवसर पर गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, मेयर राजरानी मल्होत्रा, निगम आयुक्त प्रदीप दहिया, प्रिंसिपल चीफ कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स डॉ नवदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

गुरुग्राम में गिरते लिंगानुपात को लेकर निकाली जागरूकता रैली

● बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम; बेटियों को सम्मान देने पर जोर

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के गांव मांकड़ौला के सचिवालय में शुक्रवार को ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण अभियान के तहत एक कार्यक्रम और जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात के प्रति लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम का संचालन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दौलताबाद ने चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. राजेश यादव के नेतृत्व में किया। इस अवसर पर सीएचसी फर्रुखनगर की एसएमओ डॉ. कृष्णा मलिक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रही। कार्यक्रम में सरपंच,

पंचायत प्रतिनिधियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम के दौरान बेटियों के महत्व, लिंग समानता, कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम और बालिकाओं की शिक्षा व सशक्तिकरण पर विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि समाज में बेटियों को समान अवसर देकर ही एक विकसित और संतुलित समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम के बाद ग्राम सचिवालय से एक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण अभियान से संबंधित नारे लगाए और ग्रामीणों को बेटियों के सम्मान तथा शिक्षा का संदेश दिया।एसजीटी मेडिकल कॉलेज एवं नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने रैली और अन्य जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों को ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्ण अभियान के समर्थन में शपथ दिलाई गई। इस दौरान लगभग 60 से 70 लोगों ने बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

फरीदाबाद में पार्षदों को मंत्री विपुल गोयल की नसीहत

● बोले-हाईकोर्ट जाने से पहले 4 बार सोचें, पार्टी अपने स्तर पर कर रही काम

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम में सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर चुनाव को लेकर भाजपा पार्षदों द्वारा हाईकोर्ट जाने की बात पर कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान देने से पहले 4 बार सोच लेना चाहिए। यह सरकार और पार्टी की आंतरिक प्रक्रिया का हिस्सा है, जिस पर पार्टी अपने स्तर पर काम कर रही है। विपुल गोयल ने कहा कि पहले संबंधित पार्षदों को नोटिस दिया गया था, अब उसके जवाबों का परीक्षण किया जाएगा और उसके बाद आगे की कार्रवाई तय होगी। उन्होंने कहा कि सभी पार्षद

स्वतंत्र हैं, भाजपा के कार्यकर्ता हैं और यह पार्टी का आंतरिक मामला है। ऐसे में सार्वजनिक रूप से बयान देने से पहले सोच-विचार करना चाहिए।

वहीं कांग्रेस द्वारा भाजपा को लेकर की जा रही टिप्पणियों पर उन्होंने कहा कि विपक्ष इस तरह की बातें करता रहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे जैसी कोई बात नहीं है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल गुरुवार को फरीदाबाद के सेक्टर-7 में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे, जहां उन्होंने पौधारोपण कर ईको वन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में फरीदाबाद में लाखों पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिस प्रकार मां का रिश्ता सबसे श्रेष्ठ माना जाता है, उसी भावना के साथ हर व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल भी करे। उन्होंने कहा कि एक पेड़ लगाने का पुण्य कई बेटों के समान माना गया है, इसलिए पौधा लगाने के साथ-साथ उसके बड़े होने तक उसकी सेवा करना भी जरूरी है। इसके अलावा उन्होंने जेवर ग्रीन एक्सप्रेसवे पर हुए दर्दनाक हादसे पर भी दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई।

गुरुग्राम में कब्जा मुक्त कराई गई सरकारी जमीन

● मकानों के बाहर किए अतिक्रमण को ध्वस्त किया, पुलिस- टाउन प्लानिंग की संयुक्त कार्रवाई

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। प्रशासन ने अवैध कब्जों, भूमि माफियाओं और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। गुरुग्राम पुलिस और टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सरकारी जमीनों को अतिक्रमण मुक्त कराया और अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया। पुलिस को मिली खुफिया सूचना के आधार पर सोहना की पीर कॉलोनी में सरकारी भूमि पर हुए अवैध कब्जों की पहचान की गई। इसके बाद प्रशासनिक सहयोग और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में मशीनों की सहायता से अवैध निर्माणों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई से सरकारी भूमि को उसके मूल स्वरूप में बहाल किया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि पीर कॉलोनी निवासी शाहरुख और अरशद ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से एक मंजिला मकान बनाया था। पुलिस के अनुसार, दोनों आदतन अपराधी हैं और उनके खिलाफ चोरी सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। शाहरुख पर चोरी के 34 मामले और अरशद पर चोरी के 6 तथा एनडीपीएस एक्ट के तहत एक मामला दर्ज है। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपी अवैध कब्जे वाले मकान का उपयोग आपराधिक गतिविधियों के लिए करते थे। यह कार्रवाई अपराध शाखा सोहना और अपराध शाखा सेक्टर-43 की टीमों ने प्रशासन के समन्वय से की। पूरे अभियान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। गुरुग्राम पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने वालों और संगठित अपराध से जुड़े तत्वों के खिलाफ ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे और तेज किए जाएंगे। वहीं दूसरी ओर, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने डीएलएफ फेज-3 स्थित यू ब्लॉक में सार्वजनिक सड़कों और स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया। जिला नगर योजनाकार (एनफोर्समेंट) अमित माधोलिया के नेतृत्व में विभाग की चार टीमों ने लगभग साढ़े सात घंटे तक कार्रवाई करते हुए 24 से 25 लेन को कवर किया और करीब 800 से 900 मकानों के सामने किए गए अतिक्रमणों को हटाया। कार्रवाई के दौरान अवैध रैंप, सीढ़ियां, एक्सटेंशन, ग्रिल, साइन बोर्ड, फूड काउंटर, रहड़ियां, कियोस्क, पान-बीड़ी के खोखे, लोहे के पोल और सार्वजनिक स्थानों पर बनाए गए अन्य ढांचे हटाए गए। कई स्थानों पर लोगों ने सड़कों और गलियों पर कब्जा कर निजी उपयोग के लिए संरचनाएं खड़ी कर रखी थीं, जिन्हें तोड़कर रास्तों को साफ कराया गया। विभाग के अनुसार यू ब्लॉक में लंबे समय से अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम और आवाजाही में बाधा संबंधी शिकायतें मिल रही थीं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

फरीदाबाद नगर निगम मेयर का जवाब, सरकार तय करेगी तारीख

● सीनियर और डिप्टी मेयर के चुनाव नहीं, बोलीं-हरियाणा में एक साथ होंगे

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। नगर निगम में सीनियर और डिप्टी मेयर के चुनाव में हो रही देरी को लेकर उठ रहे सवालों के बीच फरीदाबाद की मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने अपना जवाब सरकार को भेज दिया है। चुनाव प्रक्रिया में उनकी ओर से किसी प्रकार की देरी नहीं की गई है। मेयर प्रवीण बत्रा जोशी ने कहा कि पहले भी चुनाव की तारीख सरकार द्वारा ही निर्धारित की गई थी और अब भी सरकार की ओर से जैसे ही नई तारीख तय की जाएगी, चुनाव तत्काल कराए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव करवाने का अधिकार और समय-निर्धारण सरकार के स्तर पर किया जाता है। पार्षदों के बीच चल रही खींचतान और बयानबाजी पर प्रतिक्रिया देते हुए मेयर ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को अपनी बात रखने की स्वतंत्रता है। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सभी पार्षद उनके अपने हैं और आगे भी रहेंगे। वर्तमान स्थिति केवल कुछ समय के लिए है, लेकिन सभी पार्षद निगम परिवार का ही हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि यदि उनकी ओर से देखा जाए तो चुनाव कल भी कराए जा सकते हैं, लेकिन यह मामला केवल फरीदाबाद तक सीमित नहीं है। हरियाणा के अन्य नगर निगमों में भी सीनियर डिप्टी मेयर और डिप्टी मेयर के चुनाव लंबित हैं। मेयर ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश हैं कि प्रदेश के सभी नगर निगमों में ये चुनाव एक ही दिन संपन्न कराए जाएं। ऐसे में सरकार की ओर से तारीख घोषित होते ही फरीदाबाद नगर निगम में भी चुनाव प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी।

गुरुग्राम में मंदिर पुजारी पर कब्जा करने का आरोप

● रोडवेज कर्मचारियों ने जीएम को दिया मांग पत्र, बोले- विरोध करने पर करता है दुर्व्यवहार

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में हरियाणा राज्य परिवहन कार्यशाला परिसर स्थित मंदिर के पुजारी के खिलाफ कर्मचारियों ने महाप्रबंधक (जीएम) गायत्री अहलावत को शिकायत पत्र सौंपा है। कर्मचारियों ने पुजारी पर मंदिर परिसर में अवैध कब्जे, दुर्व्यवहार और कार्यशैली को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के अनुसार, मंदिर समिति ने पुजारी से कई मुद्दों पर बात करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने समिति सदस्यों और कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। पुजारी पर मंदिर परिसर में अवैध रूप से कमरे बनाकर कब्जा करने और अपने परिवार को भी वहीं ठहराने का आरोप है। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया है कि जब मंदिर समिति ने स्पष्टीकरण मांगा, तो पुजारी ने बाहरी व्यक्तियों को बुलाकर अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ नारेबाजी करवाई और आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। इसके अलावा, पुजारी पर मंदिर के दानपात्र से धन निकालने के आरोप भी समय-समय पर लगते रहे हैं। कर्मचारियों ने बताया कि परिवहन कार्यशाला परिसर में बिना अनुमति बाहरी व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित है, लेकिन पुजारी के पास देर रात तक बाहरी लोगों का आना-जाना लगा रहता है। कर्मचारियों का यह भी कहना है कि यह मंदिर रोडवेज कर्मचारियों के चंदे से बना था, लेकिन अब पुजारी उन्हें मंदिर में प्रवेश करने पर नौकरी खत्म करने की धमकी देते हैं। शिकायतकताओं में शामिल एटक के राज्य उप प्रधान संदीप दलाल ने प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

गुरुग्राम में पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

● चरित्र पर था शक, फोन पर किसी और से बात करते पकड़ी

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में अपनी पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या करने के आरोप में पुलिस ने पति को अरेस्ट कर लिया है। आरोपी आईएमटी मानेसर में मारुति कंपनी में काम करता है। 3-4 जून की रात को जब वह घर लौटा तो इसकी पत्नी फोन पर किसी से बात कर रही थी। इसको लेकर हुए विवाद में उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और फरार हो गया। आरोपी की पहचान नरेंद्र (37) निवासी नंगला दवड़ा जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे केएमपी एक्सप्रेसवे से गिरफ्तार किया है और वह यूपी में भागने की फिराक में था। मृतका के भाई ने पुलिस को बताया कि उसकी बहन काजल देवी अपने पति नरेंद्र एवं बच्चों के साथ गांव बास हरिया में किराए के मकान में रह रही थी। कुछ समय से उसका जीजा छोटी-छोटी बातों पर काजल के साथ मारपीट करता था, और उसे खर्चा देना बंद कर दिया था। जिस पर उसकी बहन एक कंपनी में नौकरी करने लग गई थी। इसके जीजा ने इसकी बहन को रात के समय फोन पर किसी से बात करते देख लिया जिससे गुस्से में आकर इसके जीजा ने इसकी बहन की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस जांच के दौरान पता चला कि नरेंद्र अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। उसे इस बात का शक था कि काजल उसकी पीठ पीछे किसी से मिलती जुलती है। इसलिए उसने नौकरी जॉइन की है। पुलिस ने अब वह चुन्नी भी बरामद कर ली है। जिससे महिला का गला घोंटा गया था। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि गुरुवार को थाना सेक्टर-7 आईएमटी मानेसर में सूचना मिली कि एक महिला की फांसी लगाने से मौत हो गई है, और उसका शव अस्पताल में रखा गया है। सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम तुरंत अस्पताल एवं घटनास्थल पर पहुंची। वरिष्ठ अधिकारियों एवं डीएफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया, और आवश्यक साक्ष्य एकत्रित किए गए।

पलवलः दो सड़क हादसों में बुजुर्ग की मौत

पलवल। जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए दो सड़क हादसों में एक बुजुर्ग की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली घटना में गांव सुजवाड़ी निवासी अर्जुन कोकिलावन परिक्रमा कर बाइक से अपने घर लौट रहा था। जब वह बंचारी स्थित पंजाब भगत सिंह ढाबे के समीप पहुंचा, तभी गलत दिशा से आ रही एक बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अर्जुन सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद राहगीरों ने घायल को जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों की शिकायत पर मुंडकटी थाना पुलिस ने आरोपित बाइक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरी घटना होडल क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर हुई। आदर्श कॉलोनी निवासी हरगोपाल रात के समय टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हरगोपाल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दुर्घटना के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

हरियाणा पुलिस में बड़ा फेरबदल 42 इंस्पेक्टरों का ट्रांसफर कई जिलों और यूनिटों में नई तैनाती

गुरुग्राम। हरियाणा पुलिस मुख्यालय ने प्रशासनिक आवश्यकताओं और जनहित को देखते हुए पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। जारी आदेशों के अनुसार, राज्य के 20 पुलिस इंस्पेक्टरों का तत्काल प्रभाव से ट्रांसफर कर दिया गया है। यह ट्रांसफर विभिन्न जिलों और विशेष इकाइयों में किए गए हैं। तबादला सूची में करनाल, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, पलवल, सोनीपत और गुरुग्राम समेत कई जिलों के इंस्पेक्टर शामिल हैं। कुछ अधिकारियों को जिला पुलिस से विशेष शाखाओं और अपराध जांच इकाइयों में भेजा गया है, जबकि कई को फील्ड पोस्टिंग दी गई है। सूची के अनुसार, गुरुग्राम और सोनीपत से सबसे अधिक अधिकारियों का स्थानांतरण किया गया है। गुरुग्राम से चार और सोनीपत से चार इंस्पेक्टरों को विभिन्न इकाइयों में भेजा गया है। वहीं, करनाल, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पलवल से भी कई अधिकारियों के तबादले किए गए हैं। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी सेविंग्राम में स्पष्ट किया गया है कि सभी तबादले तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। संबंधित अधिकारियों को नई तैनाती वाले स्थानों पर जल्द कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह फेरबदल कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विभिन्न विशेष इकाइयों को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

गुरुग्राम में रेस्क्यू करवाई युवती ने झारखंड में कराई एफआईआर

गुरुग्राम। के पॉश इलाके सेक्टर-40 से 15 दिन पहले रेस्क्यू करवाई गई 24 साल की युवती ने झारखंड जाकर अपने गृह जिले में एफआईआर दर्ज करवाई है। उसने एक दंपत्ति पर पांच साल तक बंधक बनाकर रखने और घर का कार्य करवाने की सैलरी नहीं देने का आरोप लगाया है। उसे अपने परिवार से संपर्क करने की भी इजाजत नहीं दी गई थी। इस मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और एक एनजीओ ने हस्तक्षेप कर युवती को रेस्क्यू करवाया था। इस बारे में गुरुग्राम पुलिस में कोई मामला दर्ज नहीं करवाया गया था। हालांकि रेस्क्यू के दौरान सेक्टर-40 थाना पुलिस मौके पर मौजूद रही थी। पीड़ित युवती मूल रूप से झारखंड के साहेबगंज जिले की रहने वाली है। करीब पांच साल पहले 19 साल की उम्र में कुछ अज्ञात तस्करों ने उसे उसके गृहनगर से किडनैप कर लिया था। इसके बाद उसे दिल्ली-एनसीआर के प्लेसमेंट रैकेट के हाथों बेच दिया गया।

पलवल में स्मैक तस्करी के आरोप में दो सगे भाई गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

पलवल। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत होडल क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सगे भाइयों को 50 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से नशीला पदार्थ बरामद करने के साथ-साथ तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी जब्त कर ली है।शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि क्राइम ब्रांच होडल की टीम बहीन क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि गांव गुराकसर निवासी अकीम और आबिद नामक दो भाई स्मैक की बिक्री और सप्लाई का अवैध कारोबार करते हैं तथा बहीन-हथीन रोड स्थित कोंडल मोड़ पर ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं।पकड़े गए आरोपियों की पहचान आबिद और अकीम के रूप में हुई। तलाशी के दौरान बाइक चला रहे आबिद के पास से कोई नशीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ, जबकि पीछे बैठे अकीम की पैंट की जेब से प्लास्टिक की पुड़िया में रखी स्मैक बरामद हुई। जांच में इसका वजन 50 ग्राम पाया गया। पुलिस ने बरामद स्मैक और बाइक को कब्जे में ले लिया।बहीन थाना पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद स्मैक की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किसे सप्लाई किया जाना था। मामले की जांच जारी है।

फर्रुखनगर की अनाज मंडी में चलाया विशेष स्वच्छता अभियान

● विश्व पर्यावरण दिवस पर सफाई कर्मियों का सम्मान; चेयरमैन रहे शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर की अनाज मंडी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। मार्किट कमेटी के चेयरमैन दौलतराम के नेतृत्व में हुए इस अभियान के दौरान मंडी परिसर और आसपास के क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई। इस अवसर पर चेयरमैन दौलतराम ने सफाई कर्मचारियों को फूल-मालाएं पहनाकर सम्मानित किया और उनके योगदान की सराहना की। इस पहल के माध्यम से स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। दौलतराम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटती हरियाली को देखते हुए प्रत्येक नागरिक से पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि एक पेड़ अपने जीवनकाल में हजारों लोगों को स्वच्छ हवा प्रदान करता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो पर्यावरण संतुलन को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपने घरों, खेतों, स्कूलों, कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। दौलतराम ने प्लास्टिक और पॉलीथीन के अत्यधिक प्रयोग को पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बताया। उन्होंने नागरिकों से कपड़े और जूट के थैलों का उपयोग करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक से दूरी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने जल संरक्षण पर भी जोर देते हुए कहा कि पानी की एक-एक बूंद अमूल्य है। उन्होंने वर्षा जल संचयन, पानी का सीमित उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को अपनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने यह भी जोड़ा कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा समाज के हर वर्ग को इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर मार्किट कमेटी के उपाध्यक्ष कंवरपाल चौहान, सदस्य श्री भगवान, तेजिंदर यादव (साढराणा), जगत यादव, पंकज (पतंजलि स्टोर) सहित मंडी के व्यापारी, कर्मचारी, सफाई कर्मी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छ, हरित और प्रदूषण मुक्त वातावरण के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया।

गुरुग्राम में 5.80 लाख की चोरी में आरोपी गिरफ्तार

● फर्जी फ्लैटमेट बनकर घर शेयर करता, फिर बेहोश कर वारदात करता

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। पुलिस ने एक ऐसे शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो फर्जी पहचान बनाकर लोगों का विश्वास जीतता था और फिर उन्हें नशीला पदार्थ खिलाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। यह गिरफ्तारी थाना सेक्टर-65 पुलिस द्वारा की गई है। आरोपी ने करीब 5.80 लाख रुपए की ठगी की है। मामले का खुलासा तब हुआ जब एक व्यक्ति ने पुलिस को शिकायत दी। उसने बताया कि उसने डछ पर फ्लैटमेट की तलाश के लिए एक पोस्ट डाली थी। इस पोस्ट के जवाब में एक व्यक्ति ने खुद को विकास शर्मा बताकर उससे संपर्क किया और उसके फ्लैट में रहने की इच्छा जताई। आरोपी 21 मई को गुरुग्राम पहुंचा और सेक्टर-67अ स्थित पिरामिड अर्बन होम्स सोसायटी में शिकायतकर्ता के फ्लैट में रहने लगा। उसी रात उसने शिकायतकर्ता और उसके साथी के भोजन में नशीला पदार्थ मिला दिया, जिससे दोनों बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी उनके लैपटॉप, मोबाइल फोन, नकदी, एटीएम और क्रेडिट कार्ड, पहचान पत्र तथा अन्य कीमती सामान चोरी कर फरार हो गया। चोरी किए गए बैंक कार्डों का दुरुपयोग करते हुए आरोपी ने करीब 5.80 लाख रुपए की अवैध निकासी और ऑनलाइन लेनदेन भी किए। पुलिस ने जांच शुरू की और 4 जून को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान दीपक मौर्य (28 वर्ष) के रूप में हुई, जो उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले का निवासी है। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह फर्जी विकास शर्मा के नाम से वारदातें करता था। आरोपी ने बताया कि वह सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर फर्जी नाम और पहचान से प्रोफाइल बनाता था। लोगों का विश्वास जीतने के बाद वह फ्लैटमेट या किरायेदार बनकर उनके साथ रहने लगता था। मौका मिलते ही वह खाने में नींद की गोलियां मिलाकर उन्हें बेहोश कर देता और फिर चोरी की वारदात को अंजाम देता था। जांच में सामने आया कि उसने गुजरात में भी इसी तरह की एक वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है, जिसके खिलाफ थाना भिलाड, जिला वलसाड (गुजरात) में चोरी और धोखाधड़ी का मामला दर्ज है।

गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग ने भ्रूण लिंग जांच गिरोह पकड़ा

● यूपी में 25 से 40 हजार में सौदा, महिला दलाल और अल्ट्रासाउंड करने वाला अरेस्ट

गुरुग्राम। स्वास्थ्य विभाग ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर में गर्भवती महिला के भ्रूण लिंग की जांच करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने महिला दलाल रेनू और अल्ट्रासाउंड करने वाले मनोज को अरेस्ट किया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मनोज कुमार के पास अल्ट्रासाउंड करने की कोई वैधानिक योग्यता नहीं थी। इस संबंध में रेड करने वाली टीम ने मौके पर ही बिजनौर पुलिस को बुलाया और दोनों के खिलाफ केस दर्ज करवा कर पुलिस के हवाले कर दिया। सीएमओ डॉ. लोकवीर सिंह को मिली इन्फोर्समेशन के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने टीम में डॉ. देवेंद्र सिंह सोलंकी, नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी एवं डॉ. हरीश कुमार, मेडिकल ऑफिसर को जांच एवं कार्रवाई हेतु अधिकृत किया गया था। जांच के दौरान पता चला कि गुरुग्राम और आसपास के ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को भ्रूण लिंग जांच के लिए बिजनौर (उत्तर प्रदेश) ले जाया जाता है। इसके लिए एक महिला दलाल रेनू द्वारा 25 हजार से 40 हजार तक की राशि वसूली जाती है। जिसके बाद टीम ने एक गर्भवती महिला को डिकॉय के रूप में तैयार किया गया। दलाल रेनू ने डिकॉय से लिंग जांच के लिए 25 हजार की मांग की तथा अग्रिम राशि ऑनलाइन प्राप्त करने के पश्चात डिकॉय ग्राहक को 4 जून को नई दिल्ली से बिजनौर ले जाया गया। गुरुग्राम टीम द्वारा पूरे घटनाक्रम पर निगरानी रखी गई तथा बिजनौर के स्थानीय प्रशासन एवं पीसीपीएनडीटी अधिकारियों को भी सूचित किया गया। बिजनौर स्थित एक निजी मकान में डिकॉय ग्राहक का पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन द्वारा अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड कर भ्रूण का लिंग बताया गया। पूर्व निर्धारित संकेत मिलने पर संयुक्त टीम ने मौके पर छापा मारकर महिला दलाल रेनू और अल्ट्रासाउंड करने वाले व्यक्ति मनोज कुमार को पकड़ लिया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि मनोज कुमार के पास अल्ट्रासाउंड करने की कोई वैधानिक योग्यता नहीं थी, और जिस स्थान पर लिंग जांच की जा रही थी वह पीसीपीएनडीटी अधिनियम के अंतर्गत पंजीकृत नहीं था। कार्रवाई के दौरान अवैध लिंग जांच के लिए ली गई राशि का एक भाग बरामद किया गया। इससे संबंधित लेन-देन के दस्तावेज एवं अन्य साक्ष्य भी कब्जे में लिए गए। सीएमओ डॉ. लोकवीर सिंह ने कहा कि भ्रूण लिंग जांच एवं कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध अभियान निरंतर

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई–प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	77265185	नट एंड बोल्ट सी एम एस क्रॉसिंग	3400 सेट	25.06.2026
02	09262536	स्प्रिंग प्लांक फॉर केसनब 22 एच एस बोगी	1137 नग	29.06.2026
03	77265186	नट एंड बोल्ट सी एम एस क्रॉसिंग	2400 सेट	29.06.2026
04	19261981	सेट ऑफ कम्यूटेटर स्विच असेम्बली कम्पलीट	9 नग	06.07.2026
05	07250149B	सेकेंडरी वर्टिकल डैम्पर फॉर एल एच बी एन ए सी	2739 नग	13.07.2026
06	07260203	फ्लेक्सबॉल केबल लॉग विथ एंड कनेक्शन	202 नग	23.07.2026

निविदा शर्तें– 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाईट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: 17/2026-2027 दिनांकः 05.06.2026 1927/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

पत्र संख्या:128-W/260/निविदा सूचना/17-26-27/डब्लू-IV दिनांक: 05.06.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल इंजीनियर – चतुर्थ, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्य के लिए ई–टेंडर के माध्यम से निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

1	कार्य का नाम	DEN/IV/दिल्ली के अधिकार क्षेत्र में दिल्ली–बठिंडा रेलखंड पर 59.600 ट्रैक किलोमीटर (Tkm) का प्राथमिक संपूर्ण स्लीपर नवीनीकरण TSR(P) कार्य। (निविदा आमंत्रण सूचना–17–26–27–डब्लू–IV)
2	अनुमानित लागत	रु. 8,07,50,113.05/-
3	धरोहर राशि	रु. 16,15,000/-
4	ई–निविदा भरने का दिनांक और समय & ई–निविदा खुलने का दिनांक और समय	ई–निविदा भरने का समय शुरू दिनांक 16.06.2026 को 15.00 बजे से निविदा खुलने का समय & ई–निविदा खुलने का दिनांक 30.06.2026 को 15:00 बजे तक।
5	निविदा की वेबसाइट जहां निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकता है	www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

1934/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सत्ता के बिना तिनका-तिनका हुई टीएमसी

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

इंडिया गठबन्धन में ममता बैनर्जी को सबसे ताकतवर माना जाता था। वे अपने दम पर पिछले पन्द्रह साल से सत्ता पर काबिज थीं। उन्होंने बंगाल की शक्तिशाली पार्टी सीपीएम, जो लगातार पैंतीस साल से बंगाल पर एक छत्र राज कर रही थी, को पराजित किया था। कांग्रेस को बंगाल में धूल चटा दी थी। लेकिन 2026 के विधानसभा चुनाव में वे हार गईं। लेकिन हार का अर्थ यह नहीं कि सीपीएम और कांग्रेस की तरह वह शून्य पर सिमट गईं। विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस को अस्सी सीटें प्राप्त हुईं। अभी भी संसद में उसके पास चालीस के आसपास सांसद हैं। लेकिन उसके पास इस बार केवल एक चीज छिन्न गई। ममता बैनर्जी इतने विधायक नहीं जिता पाईं कि वे चौथी बार मुख्यमंत्री बन सकें। यह भी कोई अनोखी बात नहीं है। राजनीति में हार-जीत लगी रहती है। इसलिए राजनीति में इसे सामान्य घटना ही माना जाता है। आखिर कांग्रेस ही कितने साल से लगातार हार रही है। चार प्रदेशों को छोड़ कर वह किसी भी प्रदेश में सत्ता में नहीं है। केरल में दस साल बाद सीपीएम सत्ता से बाहर हो गई है। लेकिन पार्टी सामान्य तरीके से काम-काज कर रही है। पर तृणमूल कांग्रेस के मामले में बिल्कुल उलटा हो रहा है। सत्ता की डोर टूटते ही मानो भूकम्प आ गया हो। तृणमूल की कायनात हिल गई हो। जगह जगह नगरपालिकाओं से, पंचायतों से, नगर निगमों से तृणमूल के सदस्य ममता को अपने इस्तीफे भेज रहे हैं। यहां तक कि कोलकाता नगर निगम के महापौर हकीम साहिब ने भी ममता से क्षमा मांग कर महापौर के पद से इस्तीफा दे दिया है, जबकि निगम में तृणमूल का बहुमत अभी भी है। तृणमूल के जिन नेताओं ने सरकारी स्कीमों का लाभ देने के लिए लाभार्थियों से कट मनी (रिश्वत) ली थी, वे लाउडस्पीकर लगा कर सार्वजनिक रूप से वह वापस कर रहे हैं। जिन भवनों पर तृणमूल के लोगों ने वर्षों से बलपूर्वक कब्जा कर रखा था, वे स्वयं खाली कर रहे हैं। कोलकाता में पार्टी के एक प्रवक्ता ने, जो मीडिया में गाली गलौज की भाषा में धमकाता रहता था, उसने यह कहते हुए क्षमा मांग ली कि यह उसे पार्टी के आदेश पर करना पड़ रहा था। ममता बैनर्जी को शायद इतने पर भी इस बात का अंदाजा नहीं हो पाया कि बंगाल की आम जनता उनके कितनी खिलाफ है। दो दिन पहले उसने ऐलान कर दिया कि वे विशाल विरोध प्रदर्शन करेंगी, जैसा कि वे मुख्यमंत्री रहते हुए प्रायः करती रहती थीं। लेकिन उनके इस विरोध प्रदर्शन में जनता तो क्या, पार्टी के सांसद व विधायक भी नहीं पहुंचे। मीडिया और सुरक्षा बलों के लोग ज्यादा थे, आम जनता कम थी। जनता के आक्रोश की स्थिति यह हो गई कि पार्टी के नेताओं का बाहर निकलना मुश्किल हो गया। ममता बैनर्जी खुद कोर्ट पहुंची तो लोगों ने चोर चोर के नारे लगाने शुरू कर दिए। इतना ही नहीं, ममता बैनर्जी ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि पार्टी की ओर से विधानसभा में विधायक दल का नेता सेवन देव चट्टोपाध्याय विपक्ष का नेता होगा। लेकिन पार्टी के अस्सी में से 58 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को लिख कर दिया कि कि उनका नेता ऋतब्रत होगा न कि चट्टोपाध्याय। विधानसभा अध्यक्ष ने बहुमत के आधार पर ऋतब्रत को विपक्ष के नेता के तौर पर मान्यता दे दी। ममता ने लोकसभा में कल्याण मुखर्जी को पार्टी का नेता मनोनीत किया, लेकिन पार्टी की ही एक महिला सांसद ने अध्यक्ष को लिखा कि मुखर्जी ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया है। लेकिन क्या कारण है कि पन्द्रह साल की सत्ता, संसद में चालीस सदस्य, विधानसभा में अस्सी विधायक, इस सबके बावजूद पार्टी ताश के पत्तों की तरह क्यों बिखर गई? दरअसल जब कोई पार्टी राजनीतिक न रह कर, सत्ता के बल पर केवल लूट-खसोट करने का गिरोह मात्र बन जाए, तो सत्ता का गोंद हटते ही उसका बिखरना स्वाभाविक ही है। किसी भी राजनीतिक दल में उसके सदस्य और समर्थक किसी विचारधारा के कारण संगठित होते हैं। उनके पास देश और समाज को लेकर एक दृष्टि होती है। वह दल उस विचारधारा को लेकर आगे बढ़ता है। इसलिए उसकी प्रेरणा का स्रोत उसकी विचारधारा होती है न कि सत्ता। सत्ता प्राप्ति की कामना और प्रयास राजनीतिक दल इसलिए करता है कि उसे अपनी विचारधारा के अनुरूप समाज का गठन करना है।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला विवाहित पुत्रियों को भी मिलेगा समान अधिकार

कांतिलाल मांडोत

भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक ऐसे निर्णय दिए हैं जिन्होंने समाज में व्याप्त भेदभावपूर्ण व्यवस्थाओं को चुनौती दी है और समान अधिकारों की अवधारणा को मजबूत किया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर किसी पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति अथवा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय न केवल महिलाओं के अधिकारों को सशक्त बनाता है बल्कि समाज में लंबे समय से चली आ रही रूढ़ियों को भी चुनौती देता है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उन फैसलों को रद्द कर दिया जिनमें कहा गया था कि अनुकंपा नियुक्ति के लिए परिवार की परिभाषा में विवाहित बेटी शामिल नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि किसी भी कल्याणकारी योजना का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सहायता प्रदान करना होता है और यदि कोई पुत्री विवाह के बाद भी अपने परिवार की जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल विवाहित होने के आधार पर योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह मामला एक विवाहित पुत्री से जुड़ा था जिसने उचित मूल्य की दुकान के लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। उसने वर्ष 2019 के उस सरकारी आदेश को चुनौती दी थी जिसमें विवाहित बेटियों को परिवार की परिभाषा से बाहर रखा गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि वह विवाह के बाद भी अपने माता पिता के परिवार के साथ रह रही थी। वह अपनी विकलांग बहन की देखभाल करती थी और अपनी मां के साथ दुकान के संचालन में भी सहयोग करती थी। मां की मृत्यु के बाद जब उसने लाइसेंस के लिए आवेदन किया तो उसका आवेदन केवल इस आधार पर अस्वीकार कर दिया गया कि वह विवाहित है। मामले की सुनवाई के दौरान यह महत्वपूर्ण प्रश्न उठा कि जब विवाहित पुत्रों पर ऐसी कोई रोक नहीं है तो फिर विवाहित पुत्रियों को परिवार का सदस्य मानने से क्यों इंकार किया जाता है। यह प्रश्न केवल एक व्यक्ति के अधिकार का नहीं था बल्कि देश की लाखों महिलाओं से जुड़ा हुआ था जो विवाह के बाद भी अपने माता पिता और परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वैवाहिक स्थिति किसी व्यक्ति के अधिकारों को निर्धारित करने का आधार नहीं हो सकती। यदि कोई महिला अपने परिवार के साथ जुड़ी हुई है और उनकी जिम्मेदारियां निभा रही है तो उसे केवल इसलिए योजनाओं से बाहर नहीं किया जा सकता क्योंकि उसका विवाह हो चुका है। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसी सोच संविधान के समानता के सिद्धांत के विपरीत है। इस निर्णय का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि भारतीय समाज में लंबे समय तक यह धारणा रही है कि विवाह के बाद बेटी अपने मायके के परिवार का हिस्सा नहीं रहती। जबकि वास्तविकता यह है कि आज बड़ी संख्या में बेटियां अपने माता पिता की देखभाल करती हैं और आर्थिक तथा सामाजिक जिम्मेदारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अनेक परिवारों में बेटियां ही माता पिता का सहारा होती हैं। ऐसे में उन्हें अधिकारों और योजनाओं से वंचित करना न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में बॉम्बे हाईकोर्ट और कर्नाटक हाईकोर्ट के उन निर्णयों का भी समर्थन किया जिनमें यह माना गया था कि किसी महिला को केवल उसकी वैवाहिक स्थिति के कारण कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। यह दृष्टिकोण आधुनिक भारत की सामाजिक वास्तविकताओं के अधिक अनुरूप है। अनुकंपा नियुक्ति का मूल उद्देश्य किसी कर्मचारी की मृत्यु के बाद उसके परिवार को आर्थिक संकट से उबारना होता है। यदि परिवार का कोई सदस्य वास्तव में आश्रित है और परिवार की जिम्मेदारियां संभाल रहा है तो उसके अधिकार का मूल्यांकन उसकी वैवाहिक स्थिति के आधार पर नहीं बल्कि उसकी वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर होना चाहिए।

दवाओं पर महंगाई की मार बढ़ती कीमतों से मरीजों का बढ़ा आर्थिक बोझ

बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं। भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है। दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। विशेष रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र में इसका प्रभाव चिंताजनक रूप में सामने आया है। दवाओं के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल की कीमतों में तेजी से वृद्धि, समुद्री भाड़े में बढ़ोतरी, पैकेजिंग सामग्री के महंगे होने और परिवहन लागत बढ़ने के कारण दवा कंपनियों ने कई आवश्यक दवाओं के दाम बढ़ा दिए हैं। बाजार में पहुंच रहे नए स्टॉक की दवाएं 8 से 17 प्रतिशत तक महंगी हो चुकी हैं। इसका सीधा असर उन लाखों मरीजों पर पड़ रहा है जो नियमित रूप से दवाओं पर निर्भर हैं। भारत विश्व के प्रमुख दवा उत्पादक देशों में शामिल है, लेकिन दवा निर्माण में उपयोग होने वाले कई महत्वपूर्ण कच्चे पदार्थों और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रेडिएंट्स की आपूर्ति अब भी बड़े पैमाने पर विदेशों से होती है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़े तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में आई बाधाओं के कारण इन कच्चे पदार्थों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। पेट्रोकेमिकल आधारित कई आवश्यक रसायनों की कीमतों में तेज वृद्धि दर्ज की गई है। बेंजीन, टोल्यून और एथिलीन जैसे रसायन दवा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इनका उपयोग पैरासिटामोल, पेनिसिलिन, एंटीबायोटिक्स और अन्य कई जीवनरक्षक दवाओं के निर्माण में किया जाता है। जब इनकी कीमत बढ़ती है तो उसका प्रभाव सीधे दवा उत्पादन लागत पर पड़ता है। दवा उद्योग केवल कच्चे रसायनों पर ही निर्भर नहीं होता बल्कि उसकी पैकेजिंग भी बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है। टैबलेट की स्ट्रिप, सिरप की बोतल, इंजेक्शन की शीशियां, सिरिंज और मेडिकल उपकरणों में प्लास्टिक तथा एल्युमीनियम का व्यापक उपयोग किया जाता है। इन दोनों सामग्रियों की कीमतों में हाल के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके कारण उत्पादन लागत बढ़ी है और कंपनियों को अपने उत्पादों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पैकेजिंग लागत में बढ़ोतरी का असर विशेष रूप से उन दवाओं पर अधिक दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। समुद्री परिवहन की लागत में वृद्धि भी दवा उद्योग के लिए बड़ी समस्या बन गई है। अधिकांश कच्चा माल विदेशों से समुद्री मार्ग के जरिए भारत पहुंचता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण जहाजरानी कंपनियों ने भाड़ा बढ़ा दिया है। साथ ही बीमा और लॉजिस्टिक्स लागत में भी वृद्धि हुई है। इसका असर आयातित कच्चे माल की कीमतों पर पड़ा है। जब उत्पादन की लागत बढ़ती है तो अंततः उसका बोझ उपभोक्ताओं पर ही पड़ता है। यही कारण है कि दवाओं की नई खेप पहले की तुलना में अधिक कीमत पर बाजार में पहुंच रही है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे अधिक असर उन दवाओं पर दिखाई दे रहा है जिनका उपयोग रोजमर्रा के उपचार में किया जाता है। बुखार, दर्द, संक्रमण, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों की दवाएं पहले की तुलना में महंगी हो गई हैं। पैरासिटामोल जैसे सामान्य उपयोग के साल्ट के कच्चे माल की कीमत में एक महीने के भीतर लगभग 47 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। दर्द निवारक दवाओं में उपयोग होने वाले डाइक्लोफेनाक और डाइक्लोफेनाक पोटेशियम की कीमतों में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। एंटीबायोटिक्स के क्षेत्र में अमॉक्सिसिलिन ट्राइहाइड्रेट और सिप्रोफ्लोक्सासिन जैसे प्रमुख साल्ट भी महंगे हो गए हैं। इससे संक्रमण संबंधी उपचार की लागत बढ़ने की आशंका है। दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का सबसे अधिक प्रभाव मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। ऐसे परिवार जिनमें बुजुर्ग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग या अन्य दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित सदस्य हैं, उन्हें हर महीने दवाओं पर निश्चित राशि खर्च करनी पड़ती है। जब दवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होती है तो घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव बनता है। कई बार मरीज आर्थिक कारणों से दवाओं की मात्रा कम कर देते हैं या उपचार बीच में ही छोड़ देते हैं, जिससे उनकी स्वास्थ्य स्थिति और गंभीर हो सकती है। चिंता की बात यह भी है कि बड़ी दवा कंपनियां आमतौर पर तीन से छह महीने तक का कच्चा माल अपने पास संग्रहित रखती हैं, इसलिए उन पर तत्काल असर अपेक्षाकृत कम पड़ता है। लेकिन छोटी और मध्यम स्तर की दवा कंपनियां सीमित मात्रा में ही कच्चा माल खरीद पाती हैं। जब सप्लाई चेन प्रभावित होती है तो इन कंपनियों के उत्पादन पर सीधा असर पड़ता है। कई कंपनियां नए ऑर्डर लेने में भी हिचकिचा रही हैं। इससे बाजार में दवाओं की उपलब्धता और कीमत दोनों प्रभावित हो सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे माल की कीमतों और परिवहन लागत में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही तो आने वाले महीनों में दवाओं के थोक और खुदरा दामों में और वृद्धि देखने को मिल सकती है। इसका असर केवल सामान्य दवाओं तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरण और अस्पतालों में उपयोग होने वाली अन्य आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हो सकती हैं। इससे स्वास्थ्य सेवाओं की कुल लागत बढ़ेगी और आम नागरिकों को अधिक आर्थिक बोझ उठाना पड़ेगा। वर्तमान परिस्थितियां यह संकेत देती हैं कि दवा उद्योग को कच्चे माल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में तेजी से काम करना होगा। देश में ही आवश्यक रसायनों और एपीआई के उत्पादन को बढ़ावा देकर भविष्य में ऐसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम किया जा सकता है। साथ ही सरकार और उद्योग जगत को मिलकर ऐसी रणनीति तैयार करनी होगी जिससे आवश्यक दवाओं की कीमतें नियंत्रण में रहें और मरीजों को राहत मिल सके। स्वास्थ्य किसी भी समाज की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। ऐसे में दवाओं की बढ़ती कीमतें केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि सामाजिक चिंता का विषय भी हैं। यदि समय रहते इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले समय में लाखों मरीजों के लिए इलाज कराना और अधिक महंगा हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि दवा आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाया जाए, घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन दिया जाए और मरीजों को सस्ती व सुलभ दवाएं उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। तभी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ते आर्थिक दबाव को कम किया जा सकेगा।

कुर्सी की अस्थायी चमक और जीवन का शाश्वत सत्य - सत्ता, अहंकार और समय का न्याय

कि जो व्यक्ति कभी सत्ता के शिखर पर था, समय ने उसे उसी ऊंचाई से उतारकर सामान्य जन की भीड़ में खड़ा कर दिया। यही कारण है कि भारतीय दर्शन बार-बार यह चेतावनी देता है कि पद का नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सम्मान अर्जित करो, क्योंकि पद तो समय के साथ बदल जाता है, लेकिन व्यक्तित्व की छाप पीढ़ियों तक बनी रहती है। आज बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को देखकर यह सत्य फिर से प्रासंगिक हो उठा है। सत्ता के गलियारों में चल रहे घटनाक्रम केवल राजनीतिक समीकरणों का विषय नहीं हैं, बल्कि वे इस बात का भी संकेत हैं कि समय किस प्रकार व्यक्ति के अहंकार को चुनौती देता है और उसे वास्तविकता से परिचित कराता है। कुर्सी स्वयं में कोई शक्ति नहीं होती है। शक्ति उस विश्वास से पैदा होती है जो समाज, व्यवस्था और संविधान उस पद को प्रदान करते हैं। लेकिन अक्सर पद पर बैठा व्यक्ति यह भूल जाता है कि लोग उसका सम्मान उसके व्यक्तित्व के कारण नहीं, बल्कि उस पद की गरिमा के कारण कर रहे हैं। जब कोई अधिकारी, नेता या प्रभावशाली व्यक्ति लंबे समय तक अधिकार के केंद्र में रहता है, तब उसके भीतर यह भ्रम पैदा हो जाता है कि व्यवस्था उसी के इर्द-गिर्द घूम रही है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
लेखक

मनुष्य का स्वभाव बड़ा विचित्र है। जब तक उसके पास पद, प्रतिष्ठा, अधिकार और शक्ति होती है, तब तक उसे लगता है कि यह सब स्थायी है। वह भूल जाता है कि संसार का सबसे बड़ा नियम परिवर्तन है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि जो व्यक्ति कभी सत्ता के शिखर पर था, समय ने उसे उसी ऊंचाई से उतारकर सामान्य जन की भीड़ में खड़ा कर दिया। यही कारण है कि भारतीय दर्शन बार-बार यह चेतावनी देता है कि पद का नहीं, बल्कि व्यक्तित्व का सम्मान अर्जित करो, क्योंकि पद तो समय के साथ बदल जाता है, लेकिन व्यक्तित्व की छाप पीढ़ियों तक बनी रहती है। आज बिहार की राजनीतिक और प्रशासनिक परिस्थितियों को देखकर यह सत्य फिर से प्रासंगिक हो उठा है। सत्ता के गलियारों में चल रहे घटनाक्रम केवल राजनीतिक समीकरणों का विषय नहीं हैं, बल्कि वे इस बात का भी संकेत हैं कि समय किस प्रकार व्यक्ति के अहंकार को चुनौती देता है और उसे वास्तविकता से परिचित कराता है। कुर्सी स्वयं में कोई शक्ति नहीं होती है। शक्ति उस विश्वास से पैदा होती है जो समाज, व्यवस्था और संविधान उस पद को प्रदान करते हैं। लेकिन अक्सर पद पर बैठा व्यक्ति यह भूल जाता है कि लोग उसका सम्मान उसके व्यक्तित्व के कारण नहीं, बल्कि उस पद की गरिमा के कारण कर रहे हैं। जब कोई अधिकारी, नेता या प्रभावशाली व्यक्ति लंबे समय तक अधिकार के केंद्र में रहता है, तब उसके भीतर यह भ्रम पैदा हो जाता है कि व्यवस्था उसी के इर्द-गिर्द घूम रही है। उसके सामने झुकने वाले लोग, उसके आदेशों का पालन करने वाले अधीनस्थ और उसके आसपास घूमने वाले हितैषी उसे यह विश्वास दिला देते हैं कि उसकी स्थिति अटूट है। लेकिन जैसे ही वह पद समाप्त होता है, सच्चाई सामने आने लगती है। जिन लोगों की भीड़ कभी उसके आसपास दिखाई देती थी, वे धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं। जिन दरवाजों पर उसकी गाड़ी के पहुंचते ही गतिविधि बढ़ जाती थी, वहां उसका आना-जाना सामान्य घटना बन जाता है। यही वह क्षण होता है जब व्यक्ति को समझ में आता है कि सम्मान और भय में कितना अंतर होता है। बिहार की राजनीति हमेशा से सत्ता और सामाजिक समीकरणों का रोचक संगम रही है। यहां राजनीतिक परिवर्तन केवल सरकार बदलने तक सीमित नहीं रहते हैं, बल्कि प्रशासनिक संरचना और नौकरशाही के व्यवहार पर भी उनका गहरा प्रभाव पड़ता है। 2025 के चुनावों के बाद गृह विभाग का भाजपा के पास जाना और उसके बाद सत्ता संरचना में आए बदलावों को कई लोगों ने सामान्य राजनीतिक प्रक्रिया माना। लेकिन पिछले कुछ समय की घटनाओं ने यह संकेत दिया है कि सत्ता के भीतर चल रहे समीकरण कहीं अधिक गहरे हैं। राजनीति में अक्सर कुछ व्यक्तित्व केवल व्यक्ति नहीं रहते हैं, बल्कि रणनीतिक प्रतीक बन जाते हैं। वे ऐसे मोहरे बनते हैं जिनके माध्यम से भविष्य की दिशा तय होती है। वर्तमान परिस्थितियों में भी ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ चेहरे केवल तत्कालीन भूमिका नहीं निभा रहे हैं, बल्कि आने वाले वर्षों की राजनीतिक संरचना को आकार देने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषक वर्तमान घटनाओं को केवल प्रशासनिक निर्णयों के रूप में नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति के संकेतों के रूप में देख रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नौकरशाही की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रशासनिक अधिकारी सरकारों के बदलने के बावजूद व्यवस्था को निरंतरता प्रदान करते हैं। लेकिन जब नौकरशाही स्वयं को जनप्रतिनिधियों से ऊपर समझने लगती है, तब समस्या उत्पन्न होती है। भारतीय लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि अंतिम उत्तरदायित्व जनता के प्रति निर्वाचित नेतृत्व का होता है। अधिकारी व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं, लेकिन वे व्यवस्था के स्वामी नहीं हैं। कई बार लंबे समय तक प्रभावशाली पदों पर रहने वाले अधिकारियों के भीतर एक प्रकार का अभिजात्य भाव विकसित हो जाता है। उन्हें लगता है कि नीति निर्माण से लेकर क्रियान्वयन तक सब कुछ उन्हीं के हाथ में है। यह सोच धीरे-धीरे अहंकार का रूप ले लेती है। लेकिन समय का चक्र यहां भी वैसा ही काम करता है जैसा राजनीति में करता है। सेवा निवृत्ति के बाद वही अधिकारी अचानक स्वयं को उस दुनिया से बाहर पाते हैं जिसे वे कभी अपनी उपलब्धियों का केंद्र मानते थे। तब उन्हें समझ में आता है कि वास्तविक शक्ति पद में थी, व्यक्ति में नहीं। सेवानिवृत्ति केवल नौकरी का अंत नहीं होती है, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मबोध की परीक्षा भी होती है। जो अधिकारी अपने कार्यकाल में विनम्र रहे, लोगों से जुड़े रहे और मानवीय संबंधों को महत्व देते रहे, उनके लिए सेवानिवृत्ति सम्मानजनक होती है। लोग उन्हें पद के कारण नहीं, बल्कि उनके व्यवहार के कारण याद रखते हैं। लेकिन जिनका पूरा व्यक्तित्व केवल अधिकार प्रदर्शन पर आधारित रहा, उनके लिए यह समय अक्सर कठिन साबित होता है। उन्हें लगता है कि दुनिया बदल गई है, जबकि वास्तविकता यह होती है कि दुनिया पहले जैसी ही है; केवल पद चला गया है। आज समाज में ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं जहां कभी प्रभावशाली रहे लोग अपने पुराने परिचितों से संपर्क बनाए रखने के लिए प्रयासरत दिखाई देते हैं।

मालवीय नगर अग्निकांड : मुआवजे से नहीं जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में 3 जून 2026 को लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस दर्दनाक हादसे में इक्कीस लोगों की मौत और अनेक लोगों के घायल होने की खबर ने न केवल राजधानी बल्कि पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें-क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है-सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं।

संक्षिप्त खबरें

वाराणसी में ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक जारी

वाराणसी। धर्म और संस्कृति की नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रही। नदेसर स्थित एक तारांकित होटल में आयोजित बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक सहयोग के विभिन्न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में मिलकर कार्य करने तथा आपसी साझेदारी को और मजबूत बनाने पर बल दिया। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों–ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इंडोनेशिया और भारत के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। रूस, इथियोपिया और मिस्र के प्रतिनिधि हाइब्रिड माध्यम से बैठक में शामिल हुए। भारत की ओर से संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। बैठक में भारत द्वारा संस्कृति ट्रैक के अंतर्गत निर्धारित प्राथमिकताओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जा रहा है। प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान, रचनात्मक उद्योगों के विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता रेखांकित की। इससे पहले, बैठक के प्रथम दिन रचनात्मक अर्थव्यवस्था को केंद्र में रखकर दो महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किए गए। रचनात्मक अर्थव्यवस्था और जन-जन के बीच सहयोग : नवाचार, साझेदारी और आगे की राह विषयक सत्र की अध्यक्षता संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने की।

आशा कार्यकर्ता की सड़क हादसे में मौत

मीरजापुर । उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के कछवां थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कछवां की आशा कार्यकर्ता लालदेई वर्मा की मौत हो गई। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि आक्रोशित आशा कार्यकताओं ने प्रशासन से आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लालदेई वर्मा, पत्नी रामदुलार वर्मा शुक्रवार सुबह करीब 9:30 बजे आयुष्मान कार्ड योजना के लाभार्थियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए घर से निकली थीं। चुनार रोड पर स्थित एक पेट्रोल पंप से लगभग 100 मीटर आगे गिट्टी-बालू की दुकान के पास पहुंचते ही तेज रफ्तार अज्ञात बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से गंभीर रूप से घायल लालदेई को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछवां पहुंवाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में परिजन, आशा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। बताया गया कि लालदेई अपने पीछे तीन पुत्र और एक पुत्री छोड़ गई हैं। परिवार की आर्थिक और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच हुई इस असामयिक मृत्यु से परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलते ही आशा अध्यक्ष रेखा सिंह अस्पताल पहुंचीं और मृतका को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने प्रशासन से मृतका के परिवार को उचित आर्थिक सहायता, आश्रित को सरकारी नौकरी तथा अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। आशा कार्यकताओं ने भी प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखीं और कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध दर्ज कराया। मौके पर पहुंचे उपजिलाधिकारी महेंद्र कुमार सिंह और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केके मिश्र ने परिजन एवं आशा कार्यकताओं से वार्ता कर स्थिति को सामान्य बनाने का प्रयास किया। हालांकि आशा कार्यकर्ता अपनी मांगों पर अड़े रहे। थाना प्रभारी अमरजीत चौहान ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। अज्ञात बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी गई है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी और तभी जीव सृष्टि भी बचेगी : मुख्यमंत्री

● आम का पौधा रोपकर मुख्यमंत्री ने सभी को दी विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत आम का पौधा लगाकर सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचेगा तो प्रकृति बचेगी, प्रकृति बचेगी तो जीव सृष्टि भी बचेगी, इसलिए हर नागरिक मातृभूमि के प्रति ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश सरकार ने पर्यावरण व प्रकृति के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए नौ वर्ष में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। 2017 में शासन संभालते ही डबल इंजन सरकार ने वन महोत्सव के अवसर पर पांच करोड़ पौधरोपण कार्यक्रम को अपने हाथों में लिया था। उस समय हमारे सामने तमाम चुनौतियां थीं। न नर्सरी थी और न ही इतने बड़े कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए अनुभव था, लेकिन वन एवं अन्य विभागों ने इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नौ वर्ष के अंदर प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधरोपण किया गया। इससे प्रदेश का फॉरेस्ट कवर भी बढ़ा। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रकृति व मातृभूमि के प्रति दायित्वों का निर्वहन करते हुए कृतज्ञता स्वरूप तीन वर्ष पहले ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान का शुभारंभ किया था। इस अभियान के क्रम में आज पौधरोपण महाभियान प्रारंभ होने जा रहा है। योगी ने प्रभु श्रीराम के उद्घोष ह्यजननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसीह्न का जिक्र करते हुए कहा कि जननी व जन्मभूमि के प्रति कृतज्ञता हर नागरिक का दायित्व है। पर्यावरण की रक्षा मातृभूमि के प्रति सर्वोच्च दायित्वों में एक है। प्रदेश सरकार पर्यावरण की रक्षा के लिए एक ओर वृहद पौधरोपण कार्यक्रम चला रही है, तो दूसरी ओर ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज, मौसम चक्र में परिवर्तन जैसी पर्यावरण की चुनौतियों से निपटने के लिए भी अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि गांव, शहर, जनपद व प्रदेश प्लास्टिक मुक्त हो। सिंगल यूज प्लास्टिक को हतोत्साहित कर उसके स्थान पर वैकल्पिक रूप से मिट्टी के बर्तनों को प्रोत्साहित किया गया। राज्य सरकार ने इसके लिए माटी कला बोर्ड की स्थापना पर जोर दिया। अप्रैल से जून तक हर गांव व शहर के तालाबों से प्रजापति व कुम्हार समाज के लोगों को निशुल्क मिट्टी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई। उन्हें मैन्युअल के साथ ही सोलर व इलेक्ट्रिक चाक उपलब्ध कराया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल संरक्षण के लिए भी प्रदेश में अनेक कदम उठाए गए और अनेक मॉडल प्रस्तुत किए गए। विकास प्राधिकरण ने आवासीय भवनों तथा कमर्शियल परिसरों के लिए रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य किया है। मुख्यमंत्री ने ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के अंतर्गत सभी लोगों से पौधे लगाने और उनका संरक्षण किए जाने की अपील की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिजनौर में पौधारोपण और जागरूकता अभियान, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) बिजनौर के तत्वावधान में जनपद न्यायालय परिसर एवं आदर्श शिक्षा पब्लिक स्कूल में पौधारोपण और विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना तथा लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित करना था। माननीय जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में जनपद न्यायालय परिसर में आम, जामुन, अमरूद और आँवला सहित विभिन्न फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से अपने घरों और कार्यालयों के आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों और अधिवक्ताओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। इसके अलावा आदर्श शिक्षा पब्लिक स्कूल में आयोजित विधिक जागरूकता शिविर में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण स्वाति चन्द्रा ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिक सहायक प्रमोद सेमवाल ने छात्रों को सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एवं प्रदूषण नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग एकत्रित करने तथा पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर विद्यालय में पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में जेआरएफ नारायण दत्त पाठक, अंशु यादव, प्रधानाचार्या गार्गी ठाकुर, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के प्रतिनिधि, विद्यालय स्टाफ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

दुग्ध डेयरी कारोबारी ओंकार हत्याकांड का खुलासा, 50 हजार का एक इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। चर्चित ओंकार हत्याकांड मामले में पुलिस ने फरार चल रहे 50 हजार के इनामी अभियुक्त मोहित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक इस हत्याकांड में अब तक 17 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। प्रकरण को लेकर जावली निवासी खतौली विधायक मदन भैया ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी जिसके बाद भारी दबाव में आई पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। वही मुखिया गुर्जर द्वारा क्षेत्रीय विधायक द्वारा मामले में चुप्पी साधने के आरोप और दो दिन बाद पंचायत का ऐलान करने पर पुलिस अलर्ट मोड पर थी। ऐसी स्थिति में पुलिस के सामने करो या मरो जैसी स्थिति पैदा हो गई थी। उल्लेखनीय है कि घटना रेलवे अंडरपास क्षेत्र की है, जहां ओंकार रोजाना की तरह पशुओं के लिए चारा लेने घर से निकले थे। आरोप है कि इसी दौरान कार से आए कुछ लोगों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गंभीर रूप से घायल ओंकार को हमलावर कार की डिग्गी में डालकर फरार हो गए थे। कथित तौर पर बाद में उनकी हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के पीछे पुरानी रंजिश थी। गिरफ्तार अभियुक्त मोहित ने पूछताछ में बताया है कि कुछ दिन पहले हुई एक पंचायत के दौरान ओंकार द्वारा उसे कथित रूप से अपमानित किया गया था। इसी का बदला लेने के लिए उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया हैं। पुलिस के मुताबिक मोहित पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था. जो घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। डीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई जारी है. वह भी जल्द पुलिस गिरफ्तार होंगे।

जीएसटी समस्याओं पर खुलकर बोले व्यापारी, राज्य कर विभाग ने दिया समाधान का भरोसा

● व्यापारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। राज्य कर विभाग द्वारा शुक्रवार को बाजीराव कटरा स्थित होटल कृष्णा पैलेस में व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) दिनेश कुमार दुबे ने की। इसमें उपायुक्त राज्य कर खंड-1 अन्जेश बरनवाल एवं खंड-2 दुर्गेश यादव सहित विभागीय अधिकारियों, व्यापारियों, करदाताओं और अधिवक्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जीएसटी अनुपालन को बढ़ावा देना, अधिक से अधिक व्यापारियों का पंजीकरण सुनिश्चित करना, राजस्व संग्रह में वृद्धि तथा जीएसटी 2.0 से जुड़े सुधारों पर व्यापारियों के सुझाव प्राप्त करना था। अधिकारियों ने कहा कि विभाग व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और कर व्यवस्था को सरल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। संवाद के दौरान व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं ने जीएसटी रिटर्न, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी), ई-वे बिल, पंजीकरण और अन्य कर संबंधी विषयों से जुड़े प्रश्न रखे। संयुक्त आयुक्त दिनेश कुमार दुबे ने सभी जिज्ञासाओं का विस्तार से समाधान करते हुए कर अनुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों से प्राप्त सुझावों और समस्याओं का गंभीरता से संज्ञान लिया जाएगा तथा उनके उचित निराकरण का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम में सहायक आयुक्त ओम प्रकाश शुक्ला एवं विनोद कुमार के अलावा व्यापारी प्रतिनिधि शत्रुघ्न केसरी, मोहन दास अग्रवाल, आशीष बुधिया, उमा बरनवाल तथा अधिवक्ता प्रतिनिधि कुलदीप खंडेलवाल, मनोज मैनी, मनोज अग्रवाल और अमित श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।

कानपुर और मुरादाबाद में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो मुठभेड़ों में वांछित दो आरोपी गिरफ्तार

कानपुर/मुरादाबाद,। उत्तर प्रदेश के कानपुर और मुरादाबाद में पुलिस ने अलग-अलग मुठभेड़ों के दौरान हत्या और फायरिंग जैसे गंभीर मामलों में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कानपुर में 38 आपराधिक मामलों में शामिल बदमाश राजू करिया को पकड़ा गया, जबकि मुरादाबाद में फायरिंग कांड के मुख्य आरोपी मनीष को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। दोनों मामलों में आरोपियों के कब्जे से हथियार बरामद किए गए हैं। कानपुर के रेलबाजार थाना क्षेत्र में पुलिस और एक वांछित बदमाश के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान राजू करिया (28) के रूप में हुई है, जो बादशाही नाका थाना क्षेत्र का रहने वाला है। उसके खिलाफ हत्या, चोरी, गैंगस्टर समेत करीब 38 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, 4 जून 2026 को रेलबाजार पुलिस को हत्या के एक मामले में वांछित आरोपी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम इलाके में चेकिंग अभियान चला रही थी।

गनौली अपहरण कांड में सियासती प्रवेश, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पर हुआ मुकदमा दर्ज

प्रात : किरण संवाददाता

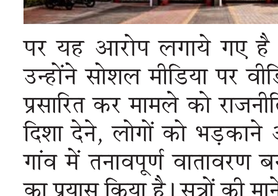

लोनी। गनौली निवासी दुग्ध डेयरी कारोबारी ओमकार अपहरण एवं हत्या प्रकरण का पुलिस ने खुलासा किया हैं। मगर इस हाई वोल्टेज मामले में अब राजनीतिक एंट्री भी नजर आने लगी है। इसी के अंतर्गत लोनी नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा पर मुकदमा भी दर्ज हो गया है। कुछ लोगों का कहना है कि घटना को लेकर ओमकार के परिजन न्याय की मांग करते हुए विकट पीड़ा से गुजर रहे है। ग्रामीण लगातार धरना प्रदर्शन करते आ रहे हैं। ऐसी संवेदनशील परिस्थिति के दौरान इस तरह की बयानबाजी और वीडियो प्रसारण करने से माहौल प्रभावित हो सकता है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कोतवाली लोनी में दर्ज मुकदमे में पूर्व नगर पालिका चेयरमैन पर यह आरोप लगाये गए है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो प्रसारित कर मामले को राजनीतिक दिशा देने, लोगों को भड़काने और गांव में तनावपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास किया है। सूत्रों की माने तो उन पर दंगा भड़काने, साजिश रचने और माहौल खराब करने जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। अनुसार 3 जून की शाम मनोज धामा द्वारा फेसबुक प्रोफाइल से एक वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें कथित तौर पर अपहरण कांड को विधायक से जोड़ते हुए कई गंभीर आरोप लगाए गए। वीडियो में खोड़ा में हुई हत्या और उसके बाद हुए एनकाउंटर का जिक्र कर यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि गनौली में भी वैसी ही हिंसक प्रतिक्रिया हो सकती है। वादी पक्ष के अनुसार स्थानीय लोगो का कहना है कि जब पूरा गांव पहले से तनाव, भय और आक्रोश के माहौल में है, ऐसी बयान बाजी बयानबाजी आग में घी डालने का काम कर सकती थी। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों का यह भी कहना है कुछ लोगों द्वारा जिस तरह इस मामले को राजनीतिक मंच तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है उसे जनहित के दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहर जा सकता। सूत्रोंनुसार अब इस नए प्रकरण को लेकर पुलिस सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री, वीडियो और टिप्पणियों की गंभीरता से जांच की जा रही है। प्रशासन नहीं चाहता कि कोई भी व्यक्ति अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए किसी भी घटना को आधार बनाकर क्षेत्र में मनमुटाव की स्थिति उत्पन्न करने का प्रयास करें। अपहरण की घटना को लेकर रोषित ग्रामीण जहां पहले से लगातार पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते रहे हैं. वहीं दूसरी ओर अब इस मामले में सियासती बू आने से और मुकदमे दर्ज होने के बाद माहौल और अधिक संवेदनशील माना जा रहा है। नतीजन, पुलिस प्रशासन के समक्ष भी अब दोहरी चुनौती बन गई है। एक ओर अपहरण कांड की निष्पक्ष और प्रभावी जांच और दूसरी ओर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखना। क्योंकि घटना के मामले को जिस तरह राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है वह पूरे मामले को और पेचीदा बना सकता हैं जो एक चिंता का विषय है।

अयोध्या : रामलला के दरबार में पहुंचे थल सेना प्रमुख, हनुमानगढ़ी में भी किया दर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

अयोध्या । भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को अपने निजी दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश की सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण की कामना की। सेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा रहा, जिसे लेकर धार्मिक स्थलों और सैन्य प्रतिष्ठानों में विशेष तैयारियां की गई थीं। पहुंचने पर प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। वहां से वह सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र पहुंचे और रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मंदिर प्रशासन और सुरक्षा अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंदिर व्यवस्था से जुड़े विहिप के वरिष्ठ पदाधिकारी गोपाल नागरकट्टे ने भी उनका अभिनंदन किया। दर्शन के दौरान सेना प्रमुख ने मंदिर निर्माण की प्रगति, स्थापत्य कला और परिसर की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने परकोटा क्षेत्र में स्थित अन्य मंदिरों का भी अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताकर वहां की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक गरिमा को करीब से महसूस किया। इस दौरान उनके परिवार के सदस्य भी साथ मौजूद रहे। सेना प्रमुख के दौरे को देखते हुए हनुमानगढ़ी और राम जन्मभूमि परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। पुलिस, प्रशासन और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी पूरे समय सतर्क रहे और दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा। इससे पहले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अयोध्या स्थित डोगरा रेजीमेंटल सेंटर का भी दौरा किया। वहां सैन्य अधिकारियों ने उनका औपचारिक स्वागत करते हुए गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया। सेना प्रमुख ने रेजीमेंटल सेंटर की गतिविधियों और प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। सेना प्रमुख के आगमन ने रामनगरी की आध्यात्मिक गरिमा और सैन्य परंपराओं के बीच एक विशेष जुड़ाव का संदेश भी दिया।

मुकदमा लिखवाना विधायक की बौखलाहट का नतीजा: मनोज धामा

प्रात : किरण संवाददाता

लोनी। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा पर हुए मुकदमे के बाद उन्होंने विज्ञप्ति जारी कर एक तंज भरे अंदाज में पटवार करते हुए कहा कि क्षेत्र मे साजिशों का दौर शुरू हो गया है, फिर से फर्जी मुकदमें लिखवाने वाले लोग एक्टिव हो गये हैं। आप सभी लोनीवासी सुरक्षित रहे सतर्क रहे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मनोज धामा ने कहा कि आम जन के बोलने के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति न्याय की बात नही बोल सकता वर्ना उसके ऊपर फर्जी मुकदमा लिखवा दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा गनौली प्रकरण में सोशल मीडिया पर विडियो के माध्यम से पीडित परिवार के समर्थन में न्याय की मांग करते हुए दोषियों पर कार्यवाही के लिए कहा गया था। क्योंकि मेरी संवेदना पीडित परिवार के साथ है। लेकिन लगता है कुछ लोगों को ये गवारा नही हुआ और उन्होंने मुकदमा लिखने के लिये प्रयास शुरू कर दिये। जबकि पिछले 7 दिनों से पीडित परिवार के पक्ष में ना एक बार भी न्याय के लिए मांग करी और न ही कोई कार्यवाही करायी गयी। उन्होंने कहा जिन्होंने अपनी विधानसभा से बाहर जाकर भी गर्म व ज्वलंत मामलों में राजनीति करी, हिन्दू - मुस्लिम जैसे माहौल को गर्म करने वाली घटनाओं पर न्याय मांगा। लेकिन अपने गांव के ही व्यक्ति के अपहरण जैसे गंभीर मामलें मे ध्यान नही लगाया. बल्कि अपना सारा ध्यान मनोज धामा के ऊपर मुकदमा लिखवाने में लगाया। धामा ने कहा कि वह इन कायराना हरकतों का जवाब देना जानते हैं। इसको लेकर कोर्ट मे जाऊंगा और जांच कराऊंगा की आज समाज में हक व न्याय की बात कहने पर सामाजिक लोगों पर प्रशासन राजनितिक दबाव में किस प्रकार मुकदमे पंजीकृत कर रहा है। उन्होंने विरोधी पक्ष को चेतावनी भरे अंदाज में कहां, मैं उन्हें बता देना चाहता हूं कि इस तरह दबाव की राजनीति से ना पहले दबा हूं, झुका हूं और ना ही अब दबूंगा या झुकूंगा। बल्कि समय आने पर हर बात का जवाब जनता केनसामने दूंगा। पूर्व नपा अध्यक्ष ने कहा कि आगे भी मेरी संवेदना पीडित परिवार के साथ हैं। परिवार को जल्द न्याय मिले और पीडित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाये ।

औरैया में जन समस्याओं को लेकर सपा का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में समाजवादी पार्टी ने शुक्रवार को विभिन्न गंभीर जनसमस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाध्यक्ष सर्वेश बाबू गौतम के नेतृत्व में राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी नेताओं ने महंगाई, बिजली संकट, सड़क एवं यातायात व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। सपा नेताओं ने देश और प्रदेश में पेट्रोल एवं डीजल की बढ़ती कीमतों पर रोक लगाने तथा हाल ही में हुई मूल्यवृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की। भीषण गर्मी के बीच हो रही अघोषित बिजली कटौती पर चिंता जताते हुए जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की मांग भी रखी गई। ज्ञापन में जिले की बदहाल यातायात व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के किनारे अधूरी पड़ी सर्विस रोड को शीघ्र पूर्ण कराने की मांग की गई। इसके अलावा सिकरोड़ी रोड बाबरपुर, अजीतमल पावर हाउस, औरैया मंडी गेट तथा जैतापुर सहित विभिन्न स्थानों पर ओवरब्रिज निर्माण की आवश्यकता बताई गई। अजीतमल, दिबियापुर और बिधूना बस स्टैंडों से रोडवेज बसों का नियमित संचालन न होने से यात्रियों को हो रही असुविधा का उल्लेख करते हुए बस सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित कराने की मांग की गई।

प्रयागराज में गंगा आरती कर सीएम योगी के लिए प्रार्थना की गई

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जन्मदिन प्रयागराज के दारागंज स्थित दशाश्वमेध घाट पर बेहद खास तरीके से मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी के समर्थकों ने मां गंगा की विशेष आरती की और ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण किया। साथ ही नदियों की स्वच्छता और संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान मां गंगा से मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीघार्यु की प्रार्थना भी की गई। वहीं, वाराणसी में भी मुख्यमंत्री योगी का जन्मदिन अनोखे अंदाज में मनाया गया। काशी के 51 फीट ऊंचे वरद आंजनेय हनुमान मंदिर में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 54 किलो का लड्डू केक तैयार किया गया और 54 पौधे लगाने का कार्यक्रम भी आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थक राम गोपाल सिंह ने कहा कि पिछले वर्ष उन्होंने संकल्प लिया था कि वे मुख्यमंत्री योगी के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भगवान हनुमान से प्रार्थना करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 53 किलो का लड्डू केक काटा गया था, जबकि इस वर्ष 54 किलो का लड्डू केक काटा गया है। राम गोपाल सिंह ने कहा कि इस वर्ष 54 योजनाओं के साथ 54 वट वृक्ष लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि तुलसी, बरगद, नीम और सिंदूर के पेड़ हनुमान जी को प्रिय माने जाते हैं, इसलिए सिंदूर के पेड़ भी मंदिर प्रांगण में लगाए गए हैं।

विंध्य मार्ट से बढ़ेगी महिलाओं की आय, गांव में खुला आत्मनिर्भरता का नया केंद्र

प्रात : किरण संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत जमालपुर विकासखंड के डोहरी गांव में शुक्रवार को विंध्य मार्ट का शुभारंभ किया गया। ब्लॉक प्रमुख मंजू सिंह ने फीता काटकर मार्ट का उद्घाटन किया और महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विंध्य मार्ट का संचालन राधिका आजीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य दुर्गा देवी द्वारा किया जाएगा। इस मार्ट के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों की बिक्री की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी आय बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर मिलेगा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ब्लॉक प्रमुख मंजू सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा महिलाओं को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि समूहों से जुड़कर महिलाएं न केवल अपनी आजीविका सुदृढ़ कर रही हैं, बल्कि अपने परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य आवश्यकताओं को भी बेहतर ढंग से पूरा कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित ऐसे प्रयास महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं और इससे गांवों की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बीडीओ रक्षिता सिंह ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं विभिन्न प्रकार के उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं और तेजी से स्वावलंबन की ओर बढ़ रही हैं। विंध्य मार्ट उनके उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनेगा। मार्ट में नमकीन, सरसों का तेल, देशी घी, साड़ियां, क्रीम, सैनिटरी पैड, कालीन, कंगन, फिनायल, हार्पिक, सौंदर्य प्रसाधन समेत अनेक उपयोगी उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे, जिससे स्थानीय लोगों को एक ही स्थान पर विविध वस्तुएं आसानी से मिल सकेंगी। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख आनंद सिंह बंटू, अमरनाथ सिंह, राकेश सिंह, एडीओ आईएसबी मुकेश शर्मा, ग्राम सचिव रोहित सिंह, संतोष मौर्य, नीलेश श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

अकादमी सम्मान समारोह : जन भवन में कलाकारों को किया गया सम्मानित

लखनऊ,। जन भवन, लखनऊ के गांधी सभागार में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा आयोजित अकादमी सम्मान समारोह-2026 में शुक्रवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने वर्ष 2021, 2022, 2023 तथा 2024 के लिए चयनित कुल 51 विशिष्ट कलाकारों को संगीत, नृत्य, नाटक एवं लोककलाओं के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अकादमी सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं, लोककलाओं एवं भारतीय कलात्मक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में कलाकारों के अमूल्य योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने राज्यपाल का संदेश उपस्थित जनों के समक्ष पढ़कर सुनाया। राज्यपाल ने अपने संदेश में सभी सम्मानित कलाकारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल, सृजनशील और सफल भविष्य की कामना की और कहा कि सम्मानित कलाकारों के प्रयासों से हमारी सांस्कृतिक विरासत न केवल संरक्षित हुई है, बल्कि समय के साथ और अधिक सशक्त एवं समृद्ध भी हुई है।

आशा कार्यकताओं के आंदोलन के बाद हल्दौर सीएचसी में बदलाव, डॉ. अरुण कुमार बने नए प्रभारी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

हल्दौर/बिजनौर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) हल्दौर में शुक्रवार को हुए प्रशासनिक बदलाव को स्वास्थ्य विभाग में पिछले कई दिनों से चल रहे विवाद और आशा कार्यकताओं के आंदोलन से जोड़कर देखा जा रहा है। जानकारी के अनुसार, डॉ. जितेंद्र ने हल्दौर सीएचसी का कार्यभार छोड़कर नजीबाबाद क्षेत्र के समीपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उनके स्थान पर डॉ. अरुण कुमार को हल्दौर सीएचसी का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा हल्दौर सीएचसी में कार्यरत चिकित्सा अधिकारी के खिलाफ मोर्चा खोला गया था। संगठन ने अधिकारियों पर अभद्र व्यवहार, महिला कर्मियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने तथा मानसिक उत्पीड़न जैसे आरोप लगाते हुए कई बार प्रदर्शन किए थे। आशा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा था और मामले में कार्रवाई की मांग की थी। सूत्रों के अनुसार, आशा कार्यकताओं के आंदोलन और बढ़ते विवाद के बीच पूर्व सांसद भारतेन्द्र सिंह ने भी मामले में मध्यस्थता की थी। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग स्तर पर समाधान की दिशा में प्रयास तेज हुए और अंततः हल्दौर सीएचसी में प्रभारी चिकित्सक का बदलाव कर दिया गया। कार्यभार परिवर्तन की सूचना स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों एवं आशा कार्यकताओं को दे दी गई है। आशा बहनों से कहा गया है कि 6 जून से टीकाकरण, घर-घर भ्रमण, गर्भवती महिलाओं की निगरानी तथा अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रम पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार संचालित किए जाएं ताकि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रभारी चिकित्सक के परिवर्तन के बाद आशा कार्यकताओं के बीच संतोष का माहौल देखने को मिला। कई कार्यकताओं ने इसे अपने संघर्ष की सफलता बताते हुए कहा कि उनकी मांगों और महिला सम्मान के मुद्दे को गंभीरता से लिया गया है। हालांकि स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस बदलाव को नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बताया जा रहा है। नए प्रभारी डॉ. अरुण कुमार के सामने अब स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाना, कर्मचारियों और आशा कार्यकताओं के बीच समन्वय स्थापित करना तथा क्षेत्र में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नए नेतृत्व में सीएचसी का कार्य वातावरण बेहतर होगा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचेगा। उल्लेखनीय है कि आशा हेल्थ वर्कर्स एसोसिएशन द्वारा लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि या जांच रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं हुई है। ऐसे में मामले के सभी पहलुओं पर अंतिम निष्कर्ष प्रशासनिक जांच के बाद ही सामने आएंगे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस पर विंध्यधाम में विशेष पूजन

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 54वें जन्मदिवस के अवसर पर शुक्रवार को विश्व विख्यात मां विंध्यवासिनी धाम में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। तीर्थ पुरोहितों एवं श्रद्धालुओं ने मां विंध्यवासिनी के चरणों में पूजन-अर्चन कर मुख्यमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं प्रदेश की निरंतर उन्नति की कामना की। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में वैदिक अनुष्ठानों का क्रम प्रारंभ हो गया था। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां विंध्यवासिनी का विशेष श्रृंगार एवं पूजन संपन्न कराया गया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विधि-विधानपूर्वक हवन का आयोजन किया गया, जिसमें आहुति देकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की गई। हवन में प्रदेश के विकास, जनकल्याण, शांति और समृद्धि की भी विशेष प्रार्थना की गई। तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास, सुशासन और जनसेवा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने मां विंध्यवासिनी से मुख्यमंत्री को निरंतर जनसेवा के लिए शक्ति, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु प्रदान करने की प्रार्थना की। हवन के उपरांत भव्य आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने सहभागिता की। आरती के दौरान मंदिर परिसर मां विंध्यवासिनी के जयघोष और वैदिक मंत्रों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल नेतृत्व तथा प्रदेश की निरंतर प्रगति की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रसाद वितरण भी किया गया। पूरे विंध्यधाम का वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने प्रदेश में सुख, शांति एवं समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर धनंजय उपाध्याय, शिवम पांडेय, रोहित त्रिपाठी, उत्तम पांडेय, कामेश भट्ट, पुक्कन तिवारी, हनुमान पांडेय, राजा पाल और टिकुन दुबे सहित अन्य श्रद्धालु, तीर्थ पुरोहित एवं धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

किसानों को संतुलित उर्वरक व हरी खाद अपनाने का संदेश

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के विकास खंड आराजीलाइन स्थित बहुउद्देशीय किसान कल्याण केंद्र, जंसा में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में किसानों को संतुलित उर्वरकों के प्रयोग, हरी खाद की खेती और फसल चक्र अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ह्यखेत बचाओ अभियानह्न तथा यूपी एग्री परियोजना के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा रोहनिया के विधायक डॉ. सुनील पटेल ने यूपी एग्री योजना के तहत चयनित किसानों को निःशुल्क धान, ढैंचा एवं मिश्रित हरी खाद के बीज वितरित किए। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें, हरी खाद की फसल की समय से बुवाई करें तथा फसल चक्र को अपनाएं। कार्यक्रम में उप कृषि निदेशक अमित जायसवाल ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान के तहत पौधारोपण करने का आह्वान किया। यूपी एग्रीज परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम) बी.के. राव ने बताया कि विश्व बैंक के सहयोग से संचालित इस योजना के माध्यम से अगले पांच वर्षों तक किसानों के बहुआयामी विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इससे उनकी आय बढ़ाने और आर्थिक सशक्तीकरण में मदद मिलेगी। जिला कृषि अधिकारी संगम सिंह ने किसानों को कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि जिन किसानों को धान एवं ढैंचा के बीज वितरित किए गए हैं, वे उनकी बुवाई समय से अवश्य करें। उन्होंने चेतावनी दी कि बुवाई में अनावश्यक विलंब होने पर उत्पादन प्रभावित हो सकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे और कृषि विशेषज्ञों से आधुनिक खेती एवं मृदा संरक्षण से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण का संदेश, प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाई

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

मुरादाबाद/ बिजनौर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद में पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, संवेदनशीलता तथा हरित जीवनशैली अपनाने की भावना विकसित करना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता, डिजिटल स्लोगन प्रतियोगिता, पर्यावरण विषयक क्विज प्रतियोगिता तथा नाटक (स्किट) का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, जैव विविधता और सतत विकास जैसे विषयों पर अपनी रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों ने पर्यावरणीय चुनौतियों और उनके समाधान के प्रति अपनी जागरूकता एवं प्रतिबद्धता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सचिन माहेश्वरी ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से वृक्षारोपण, जल संरक्षण, ऊर्जा बचत तथा प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाने जैसे प्रयासों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने ह्यप्रकृति वंदनह्न का संदेश देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है और मानव जीवन का अस्तित्व भी इसके संरक्षण पर निर्भर करता है। कार्यक्रम में कुलसचिव गिरीश कुमार द्विवेदी की गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं डॉ. वैशाली पूनिया, प्रो. पी.बी. तिवारी, डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा तथा डॉ. सत्येन्द्र त्रिपाठी ने भी पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। विश्वविद्यालय के गेस्ट फैकल्टी डॉ. अदीबा खान, डॉ. सचिन शर्मा, श्री सुशांत शर्मा एवं डॉ. राकेश नेगी ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाई। वहीं प्रो. अनामिका त्रिपाठी ने ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण में नवाचार और अनुसंधान की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिताओं के परिणामों में पर्यावरण क्विज प्रतियोगिता में अरमान खान ने प्रथम, साक्षी ने द्वितीय तथा पद्माशिष दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम, अरमान खान द्वितीय तथा जतिन तृतीय स्थान पर रहे। पर्यावरण संरक्षण विषय पर प्रस्तुत नाटक में नीलम कुमारी को उनके उत्कृष्ट अभिनय के लिए ह्यबेस्ट कैरेक्टर प्लेह्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन छवि एवं साकिब ने किया, जिसकी उपस्थित अतिथियों और प्रतिभागियों ने सराहना की। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ-हरित भारत के संकल्प के साथ हुआ। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक संदेश प्रसारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अमरोहा में 4 .51 लाख पौधों का रोपण, डीएम ने दिलाया संरक्षण का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सिख इंटर कॉलेज, नारायणपुर में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता को लेकर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, भाजपा जिलाध्यक्ष उदयगिरी गोस्वामी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, ब्लॉक प्रमुख गुरेन्द्र सिंह ढिल्लों, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा तथा वन विभाग के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, स्वयंसेवकों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि वृक्षारोपण के साथ पौधों की सुरक्षा और देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने बताया कि बढ़ती ग्रीनहाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां बढ़ रही हैं, जिनसे निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने जनपदवासियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। डीएम ने बताया कि शासन द्वारा जनपद अमरोहा को 4 लाख 51 हजार पौधरोपण का लक्ष्य दिया गया था, जिसे विश्व पर्यावरण दिवस पर सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया। कार्यक्रम में ह्यएक पेड़ मां के नामह्न अभियान की भी विशेष गूंज रही। विद्यालय में पर्यावरण आधारित प्रतियोगिताएं, जागरूकता गतिविधियां एवं स्वच्छता अभियान भी आयोजित किए गए। प्रतिभागियों ने प्लास्टिक मुक्त समाज, स्वच्छ पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद जिलाधिकारी ने गजरौला स्थित आरएसीएल गियरटेक लिमिटेड परिसर में भी पौधरोपण किया। कार्यक्रम के अंत में वन विभाग ने सभी सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवकों और नागरिकों का आभार व्यक्त किया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पालिका गौशाला में हुआ पौधरोपण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा संचालित गौशाला परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन ने सभासदों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष शशि जैन ने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि पृथ्वी के अस्तित्व को बनाए रखने के लिए वृक्षों एवं प्रकृति का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण देने के लिए सभी लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए तथा अपने परिजनों और परिचितों को भी पौधरोपण के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पौधरोपण से न केवल हरियाली बढ़ेगी बल्कि प्रदूषण नियंत्रण और जलवायु संतुलन में भी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान पालिका के सभासद, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सुभासपा की बैठक में पंचायत चुनाव एवं दिल्ली रैली की तैयारियों पर चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। सुभासपा की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय पर आयोजित हुई जिसमें संगठन विस्तार, पंचायत चुनाव की तैयारियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर रणनीति बनाई गई। इस दौरान जिलाध्यक्ष सत्यपाल तोमर ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर पार्टी की नीतियों और विचारधारा का प्रचार करना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की नीतियों से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में लोग पार्टी से जुड़ रहे हैं। ऐसे में पंचायत चुनावों में अधिक से अधिक लोगों को पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ाने की तैयारी अभी से शुरू कर देनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बैठकों से अनुपस्थित रहने वाले पदाधिकारियों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यदि संगठन के प्रति उदासीनता जारी रही तो संबंधित लोगों को पद से हटाने की कार्रवाई की जाएगी। संगठनात्मक अनुशासन से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि 31 जुलाई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में पार्टी की विशाल रैली आयोजित होगी जिसमें अमरोहा से करीब बीस बसों के जरिए कार्यकर्ता भाग लेंगे। इसके लिए गांव-गांव चौपाल और जनसंपर्क अभियान चलाने की आवश्यकता है। बैठक में मोहम्मद यूनुस सैफी प्रधान ने कहा कि दिल्ली में हुई दुखद घटना से सबक लेते हुए शहर के होटलों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी होटलों के पास अग्निशमन विभाग की आवश्यक स्वीकृति और सुरक्षा मानक मौजूद हों। इस दौरान आदेश अमरोही, मोहम्मद यूनुस सैफी, डॉ. जगत सिंह गुर्जर, इस्लामुद्दीन इदरीसी, जसवीर सिंह चौहान, सुमित चौधरी, राजेंद्र सिंह बग्गा, करतार सिंह, राजवीर सिंह, हाजी उस्मान, सुरेंद्र सिंह प्रधान, प्रीत चौधरी, समरपाल सिंह सैनी, सलमान मंसूरी, हिजेबुल रहमान पाशा, अतीक अहमद, जुबैर अहमद, शाहरुख सैफी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आजाद समाज पार्टी की सत्ता परिवर्तन यात्रा मे उमड़ा जन सेलाब

- 2027 में प्रदेश में बनेगी आजाद समाज पार्टी की सरकारः चंद्रशेखर
- आजाद समाज पार्टी के नीले झंडे, बैनरो, पोस्टररो से पटा जनपद बिजनौर
- कार्यकर्ताओ ने सत्ता परिवर्तन यात्रा के स्वागत में जनता ने की आतिशबाजी, बरसाए फूल और पिलाया शरबत

प्रात : किरण संवाददाता

बिजनौर /धामपुर। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना लोकसभा सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में 4 जून को सत्ता परिवर्तन यात्रा की शुरूआत बिजनौर से हुई। आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने आरोप लगाया की सांसद चंद्रशेखर आजाद सत्ता परिवर्तन यात्रा में शामिल होने के लिए बिजनौर जाने की तैयारी कर रहे थे इससे पहले ही उनके धामपुर आवास पर उन्हें पुलिस ने रोक लिया लेकिन बाद में पुलिस अधिकारियों से वातार्लाप के बाद सांसद सत्ता परिवर्तन यात्रा मे शामिल हुए ! सत्ता यात्रा से पहले इंदिरा बल भवन में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया ! जिसमें सांसद चंद्रशेखर आजाद ने गरजते हुए सरकार की जन विरोधी नीतियों पर जमकर प्रहार किया और कहा आज सरकार दमनकारी नीतियों पर उतर आई है उन्होंने बताया कि हमें खुद और हमारे कार्यकताओं को सत्ता परिवर्तन यात्रा में शामिल होने से रोका जा रहा है लेकिन हमारे बहादुर कार्यकर्ता नहीं रुके और आज हजारों की संख्या में यहां इकट्ठा हुआ है जो कि इस बात का प्रमाण है 2027 में निश्चित ही हमारे गठबंधन की सरकार बनेगी और हमारा गठबंधन जनता से है हर मोर्चे पर विफल सरकार से त्रस्त प्रदेश की जनता को इससे जल्द मुक्ति मिलेगी। जिस प्रकार नगीना लोकसभा की लोकप्रिय जनता ने 4 जून 2024 को मुझे जिताया था तो मैं भी चाहता हूं कि नगीना वासियो का कर्ज उतारू और नगीना से प्रदेश की सत्ता चले और पूरे प्रदेश में नगीना मॉडल लागू हो। सांसद चंद्रशेखर आजाद ने सरकार बनने पर 32 जनहित करी बिंदुओं को लागू करने का संकल्प लिया जिसमें प्रदेश के छात्र,छात्राओं को कक्षा 1 से 12 तक की एक समान शिक्षा दिलाना, प्रदेश से पूर्णतः शराबबंदी करना, प्रदेश में चल रहे सरकारी खाली पदों पर बैकलॉग के माध्यम से भर्ती कराना, किसानों को सभी फसलों पर उसका उचित मूल्य दिलाना, मजदूरों को सरकारी न्यूनतम वेतनमान दिलाना आदि बिन्दुओ का मुख्य रूप से उल्लेख किया। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन ने कहा आने वाला समय आजाद समाज पार्टी का है जल्द ही प्रदेश के अंदर आजाद समाज पार्टी की सरकार बनेगी जो संविधान और कानून से चलेगी जिसमें सभी वर्गों को सम्मान और सुरक्षा मिलेगी किसी के भी साथ भेदभाव नहीं होगा और बुलडोजर प्रथा खत्म होगी। सत्ता परिवर्तन यात्राए मे मुख्य रूप से भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन, आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील चित्तौड़, राष्ट्रीय महामंत्री आजाद समाज पार्टी रविंद्र भाटी, कमल वालिया राष्ट्रीय महासचिव भीम आर्मी, काशिफ अजीज प्रभारी आसपा झारखंड प्रदेश, सतेन्द्र कुमार जिला अध्यक्ष आजाद समाज पार्टी बिजनौर,विवेक सेन सांसद प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य, वरिष्ठ असपा नेता ठाकुर आयुष चौहान,ओमपाल बालियान सांसद प्रतिनिधि, शाकिर प्रधान, फहीम अंसारी,वीरेंद्र नागर, वरिष्ठ असपा नेता दीपक कुमार, मंडल अध्यक्ष खुर्शीद मंसूरी, गौहर इकबाल वरिष्ठ नेता असपा एवं पूर्व प्रत्याशी नूरपुर विधानसभा, युवा आसपा नेता चौधरी वली उर रहमान, चौधरी समीर रहमान, मौलाना अतीक उर रहमान, इश्तियाक अहमद, जितेंद्र राणा, इदरीस मंसूरी,सलीम अंसारी, आलोक भारती जिला पंचायत सदस्य, जावेद अली जिला पंचायत सदस्य, अंकित यादव, आरिफ उस्मानी, युवा नेता रजनीश कुमार, धर्मपाल सिंह, विधानसभा अध्यक्षगणो में अशोक कुमार,सरफराज मलिक, नरेंद्र कुमार,संजय कुमार, बहार आलम,रोहित कुमार, सुभाष कुमार,तुफैल अहमद, रवि कुमार, सविता देवी आदि सहित हजारों की तादाद में कार्यकर्ता शामिल हुए।

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर डीएम-एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने शुक्रवार को जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने सिख इंटर कॉलेज नारंगपुर-जोया, जेएस हिंदू इंटर कॉलेज, आईएम इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज अमरोहा तथा जेएस हिंदू पीजी कॉलेज के ब्लॉक-ए एवं बी का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम के दो दरवाजों में से एक को ताला लगाकर सील किया जाए तथा खिड़कियों को लकड़ी के बोर्ड से पूरी तरह बंद कराया जाए। निरीक्षण के दौरान डीएम एवं एसपी ने सीसीटीवी कंट्रोल रूम और स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का भी परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान निगरानी व्यवस्था पूरी तरह सक्रिय रहे तथा प्रत्येक गतिविधि पर सतर्क दृष्टि रखी जाए।अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परीक्षा भर्ती बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ नकलविहीन संपन्न कराई जाए। जिलाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए पेयजल, स्वच्छता, निर्बाध विद्युत आपूर्ति एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में जनरेटर की व्यवस्था रखने तथा परीक्षा केंद्रों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने के भी निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।गौरतलब है कि जनपद में 08, 09 एवं 10 जून को कुल 10 परीक्षा केंद्रों पर भर्ती परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें 28,224 अभ्यर्थी शामिल होंगे। प्रत्येक पाली में 4,704 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक संपन्न होगी। निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर चन्दनपुर चीनी मिल का संकल्प, 15 हजार वृक्ष लगाकर हरित भविष्य का निर्माण

प्रात : किरण संवाददाता

चन्दनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने विभागाध्यक्षों एवं कर्मचारियों के साथ मिलकर विभिन्न प्रजातियों के लगभग 260 पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपाध्यक्ष आमोद कुमार शर्मा ने कहा कि पृथ्वी को स्वर्ग बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास अधिक से अधिक वृक्ष लगाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार नहीं करना चाहिए, बल्कि जब भी अवसर मिले पौधे लगाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए, ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह वृक्षों की रक्षा करने के साथ-साथ नए पौधे भी लगाए। उप्र पर्यावरण विभाग द्वारा चन्दनपुर चीनी मिल को 15 हजार वृक्ष लगाने का लक्ष्य दिया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए मिल प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके अंतर्गत लगभग 2500 गड्ढों की खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा प्रथम चरण में 260 पौधे रोपित किए जा चुके हैं। आगामी दिनों में चरणबद्ध तरीके से शेष पौधों का भी रोपण किया जाएगा।इस अवसर पर आर.एस. सहरावत (महाप्रबंधक गन्ना), टी.सी. रजौरिया (महाप्रबंधक उत्पादन), रवि गुप्ता (महाप्रबंधक इंजीनियरिंग), अमेज कुमार सिंह (अपर महाप्रबंधक एचआर), संजय कुमार जायसवाल (अपर महाप्रबंधक वित्त), बाबूराम सैनी (सहायक महाप्रबंधक आईटी), उदयवीर सिंह (लैब) सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जनगणना-2027 की तैयारियों में सुस्ती पर डीएम सख्त

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस) कार्य की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी बिजनौर ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में कई चार्ज स्तरों पर कार्य की प्रगति संतोषजनक नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि कई चार्ज अधिकारियों द्वारा निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले बेहद कम कार्य पूरा किया गया है। विशेष रूप से तहसीलदार धामपुर द्वारा 1952 एचएलबी के सापेक्ष केवल 565, नगर पालिका परिषद किरतपुर द्वारा 102 में से 30, शेरकोट द्वारा 115 में से 33, नजीबाबाद द्वारा 166 में से 26, बिजनौर नगर पालिका परिषद द्वारा 264 में से मात्र 57 तथा झालू नगर पंचायत द्वारा 40 में से केवल 10 एचएलबी पूर्ण किए गए हैं। जिलाधिकारी ने इन सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शुक्रवार शाम 7 बजे तक अपने-अपने क्षेत्रों में कम से कम 50 प्रतिशत कार्य पूरा करना सुनिश्चित करें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर श्री वेंक्टेश्वरा में 2100 पौधों का वृक्षारोपण

- प्लास्टिक प्रदूषण हटाओ-पर्यावरण बचाओ रैली निकाली

प्रात : किरण संवाददाता

गजरौला/मेरठ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय, वीजीआई मेरठ एवं विम्स मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संगोष्ठी एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश वन निगम एवं वन विभाग के सहयोग से गजरौला और मेरठ परिसर में कुल 2100 पौधों का रोपण किया गया तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आयोजित ह्यप्लास्टिक प्रदूषण हटाओ-पर्यावरण बचाओ जागरूकता रैली में हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर क्लीन इंडिया-ग्रीन इंडिया का संदेश दिया। संस्थान परिसर एवं राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर बरगद, पीपल, पारिजात, तुलसी, आंवला, नीम, जामुन, रुद्राक्ष एवं बेल सहित अनेक औषधीय एवं छायादार पौधे लगाए गए।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रत्येक व्यक्ति को अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य सामाजिक अवसरों पर पौधरोपण को उत्सव का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधों को उपहार स्वरूप देने की परंपरा विकसित कर प्रधानमंत्री के क्लीन इंडिया-ग्रीन इंडिया के संकल्प को साकार किया जा सकता है।विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से मुक्ति का सबसे प्रभावी उपाय वृहद वृक्षारोपण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति संरक्षण के साथ-साथ प्लास्टिक के उपयोग को समाप्त करना समय की आवश्यकता है, तभी पर्यावरण और मानव जीवन सुरक्षित रह सकेगा। कुलपति प्रो. (डॉ.) कृष्णकांत दवे ने कहा कि वेंक्टेश्वरा समूह शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों के लिए भी देशभर में अपनी अलग पहचान रखता है। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में 2100 पौधों का रोपण संस्थान की सराहनीय पहल है।कार्यक्रम का शुभारंभ अब्दुल कलाम सभागार में सरस्वती मां की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत आधा दर्जन स्वयंसेवी संगठनों एवं पर्यावरण प्रेमियों को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. मानस, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) पीयूष कुमार पाण्डेय, डीन एकेडमिक डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अलंकृता जैन, डॉ. बी.एस. त्यागी, डॉ. सुप्रीति भटनागर, मारूफ चौधरी, प्रीतपाल, डॉ. पंकज, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

वृक्ष हमारी अमूल्य प्राकृतिक धरोहरः कर्नल जी.एस. विद्यार्थी

प्रात : किरण संवाददाता

धामपुर।32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर के कमान अधिकारी कर्नल गणेश शंकर विद्यार्थी का कहना है।कि वृक्ष हमारी प्राकृतिक धरोहर हैं इनसे पर्यावरण संतुलन बना रहता है तथा साथ ही साथ प्रकृति की सुंदरता भी बढ़ती है' कमान अधिकारी के दिशा निर्देशन में बटालियन से जुड़े विभिन्न कॉलेजों में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इसी क्रम में आरएसपी इंटर कॉलेज के एनसीसी कैडेट्स के मध्य पोस्टर प्रतियोगिता संपन्न हुई जिसमें कैडेट साक्षी राजपूत प्रथम, कैडेट शौर्य द्वितीय, कैडेट टिया तृतीय स्थान पर रही जबकि कैडेट विकास ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इस दौरान कैडेट्स ने पर्यावरण जागरूकता संबधी रंगोली भी बनाई। कैप्टन धीरज शर्मा का कहना है कि वृक्ष लगाने के साथ-साथ उनकी देखभाल भी करना अनिवार्य है प्रत्येक एनसीसी कैडेट को एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। कार्यक्रम में कैप्टन धीरज शर्मा कार्यालय अधीक्षक सत्यदेव त्यागी, कैडेट साक्षी राजपूत कैडेट टिया, कैडेट पवन कुमार , कैडेट कार्तिक कुमार कैडेट शौर्य, कैडेट विकास, कैडेट मनीष, कैडेट अर्वंतिका, कैडेट देवांश शर्मा आदि उपस्थित रहे '

28 परीक्षा केंद्रों पर 8, 9 और 10 जून को यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा

मुरादाबाद। जिले में 28 परीक्षा केंद्रों पर 8, 9 और 10 जून को यूपी पुलिस में सिपाही पद के लिए भर्ती परीक्षा होगी। तीन दिन में छह पॉलियों में होने वाली इस लिखित परीक्षा में 74,304 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी एडिट कार्ड, आधार कार्ड और पेन ही लेकर जा सकेंगे। परीक्षा केंद्र के आसपास फोटो स्टेट की दुकानें बंद रहेंगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड की ओर से सिविल पुलिस, पीएसी, जेल वार्डन के 32 हजार 679 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा के जिला के नोडल अधिकारी व पुलिस अधीक्षक यातायात/क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि जनपद में 28 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

विश्व पर्यावरण दिवसः नारेक्स का हरित संकल्प, वृक्षारोपण व जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नारेक्स फ्लेवर्स प्राइवेट लिमिटेड ने ह्यप्रकृति से प्रेरित, जलवायु के लिए, हमारे भविष्य के लिएह्न थीम के अंतर्गत वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, पक्षी फीडर स्थापना तथा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया। कंपनी परिसर एवं डिस्टिलेशन यूनिट्स में कर्मचारियों ने स्वच्छता अभियान चलाते हुए पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से विभिन्न स्थानों पर पक्षी फीडर भी स्थापित किए गए। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बिहापुरी, मुनीमपुरा, मरगूबपुर और धोयती गांवों में भी वृक्षारोपण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें स्थानीय किसानों और ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। नारेक्स फ्लेवर्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी वैभव कुमार अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि वर्षभर निभाई जाने वाली जिम्मेदारी है। सस्टेनेबिलिटी प्रमुख ललित कुमार ने सतत विकास के सिद्धांतों को अपनाने पर बल दिया, जबकि सस्टेनेबिलिटी मैनेजर अनुराग नाथ ने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार की आवश्यकता बताई। मानव संसाधन प्रमुख हरिओम शर्मा ने कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम में कंपनी के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और सतत विकास के प्रति सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

संक्षिप्त खबरें

25 साल बाद मां से मिले बेटा-बेटी, लिपटकर रो पड़े

मानसिक बीमारी के कारण जब मां घर से निकली थी, तब मैं ढाई साल का था। बड़ी बहन सोनवती 10 साल की थी। जबकि छोटी बहन 7 साल की थी। मुझे मां की शक्ल भी याद नहीं है। साल 2022 में पिता का निधन हो गया। इसके बाद मैं पूरी तरह से अकेला हो गया था। यह कहना है भरतपुर के अपना घर आश्रम पहुंचे रोहित का। रोहित अपनी बहन और जीजा के साथ अपनी मां को लेने पहुंचे थे। बेटा मां को पहचान नहीं पाया तो बड़ी बहन ने उसे बताया, जिसके बाद बेटे ने अपनी मां के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। 25 साल बाद मां को देखकर बेटा-बेटी लिपटकर रो पड़े। बीमारी के कारण साल 2001 में घर से निकल गई थी अपना घर आश्रम के सचिव नरेंद्र तिवारी ने बताया-सुखदेई (50) उन्नाव (उत्तर प्रदेश) के आकमपुर की रहने वाली हैं। वे करीब 25 साल पहले साल 2001 में मानसिक रूप से बीमार हो गई थी। इसके कारण अचानक घर से निकल गई।

मंत्री सांसदों की डांट-फटकार से कर्मचारी नाराज

छत्तीसगढ़ सरकार के सुशासन तिहार में मंत्री-सांसदों की डांट फटकार का कर्मचारियों ने विरोध किया है। पिछले 10 दिनों में अधिकारियों कर्मचारियों को फटकार लगाने, उन्हें सस्पेंड की धमकी देने समेत कई ऐसे केस सामने आए, जिसके बाद छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने इस व्यवहार पर आपत्ति जताई है। फेडरेशन के महासचिव चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि ऐसी घटनाएं नहीं रुकीं तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा। बता दें कि फेडरेशन में 5 लाख कर्मचारी-अधिकारी जुड़े हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी भी अपनी मानवता और पारिवारिक पृष्ठभूमि है। इस तरह से मिसबिहेव कर उन्हें अपमानित किया जा रहा। फेडरेशन के पदाधिकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर फेमस होने के लिए कर्मचारियों को निशाना बनाया जा रहा है। रायपुर के आरंग के नगर पंचायत समोदा में सुशासन तिहार कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जहां सांसद बृजमोहन अग्रवाल शिकायत मिलने पर भड़क गए। उन्होंने नायब तहसीलदार गजानंद सिदार को जमकर फटकार लगाते हुए कहा कि, आपका अभिनंदन करें कि क्या करें बताओ। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फटकार लगाते हुए बृजमोहन ने कहा कि सबसे ज्यादा शिकायत आपकी है। कितना पैसा लेते हो, जो लोगों को बोलते हो क्या बोलते हो लोगों से ? इसकी सबसे ज्यादा शिकायत है। कितना पैसा दिए हो सांसद जी को कितना पैसा दिए हो ? यह बातकर सुनकर वहां शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीण ताली बजाने लगे।

भिलाई में गर्भवती नवविवाहिता ने की आत्महत्या

भिलाई के खुसीपार थाना क्षेत्र के वार्ड-48 मिलावट पारा कैनाल रोड में गुरुवार रात एक 21 वर्षीय गर्भवती नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान विजय लक्ष्मी साहू उर्फ पायल के रूप में हुई है। वह तीन माह की गर्भवती थी और उसकी शादी को अभी 16 महीने ही हुए थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार गुरुवार को घर का माहौल पूरी तरह सामान्य था। मृतका की मां शाम को उससे मिलने आई थीं और करीब साढ़े आठ बजे वापस लौट गईं। उस समय विजय लक्ष्मी रसोई का काम कर रही थी और परिवार के सदस्यों से सामान्य बातचीत भी कर रही थी। 12वीं की तैयारी कर रही थी, परिवार भी हैरान परिजनों ने बताया कि विजय लक्ष्मी तीन माह की गर्भवती थी और ओपन स्कूल से 12वीं की परीक्षा की तैयारी भी कर रही थी। परिवार के अनुसार वह अपने भविष्य को लेकर योजनाएं बना रही थी और किसी तरह की परेशानी दिखाई नहीं दे रही थी। ऐसे में उसके इस कदम से सभी स्तब्ध हैं।

जेके लक्ष्मी माइंस में वर्कर की काम के दौरान मौत

दुर्ग जिले की जेके लक्ष्मी सीमेंट माइंस में काम के दौरान एक श्रमिक की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। मृतक की पहचान सेमरिया गिरहोला गांव निवासी 56 वर्षीय छन्नू लाल देवांगन के रूप में हुई है। वह पिछले 15 वर्षों से कंपनी में ठेकेदार के अधीन कार्यरत थे। घटना के बाद परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। परिजनों के मुताबिक छन्नू लाल देवांगन 4 जून की सुबह करीब 8:30 बजे रोजाना की तरह ड्यूटी पर गए थे। दोपहर लगभग 12 बजे माइंस क्षेत्र में काम करते समय उनकी अचानक तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें संभालने का प्रयास किया, लेकिन उनकी हालत लगातार गंभीर होती गई। कंपनी प्रबंधन ने घटना की जानकारी दोपहर करीब 2 बजे परिजनों को दी। प्राइमरी ट्रीटमेंट व्यवस्था पर उठे सवाल मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि माइंस परिसर में प्राइमरी ट्रीटमेंट की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। उनका कहना है कि समय पर इलाज और जरूरी चिकित्सा सुविधा मिल जाती तो शायद छन्नू लाल की जान बचाई जा सकती थी।

CM बोले-आगे-आगे देखिए होता है क्या

बिलासपुर में समीक्षा बैठक 10 मिनट में खत्म, कहा-राजस्व मामलों में न हो देरी

प्रात : किरण संवाददाता

बिलासपुर में आयोजित सुशासन तिहार के बीच गुरुवार की शाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अफसरों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विकास कार्यों का भूमिपूजन किया और विकास की कई घोषणाएं भी की। तीन घंटे तक चलने वाली उनकी समीक्षा बैठक महज 10 मिनट चली। मुख्यमंत्री ने संभाग के अधिकारियों को राजस्व मामलों के निराकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे मामले दो-तीन साल तक लंबित नहीं रहने चाहिए। सीएम ने मंत्रीमंडल विस्तार को लेकर कहा कि आगे-आगे देखिए होता है क्या। ठरवक कार्यकताओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर कहा कि कांग्रेस लगातार चुनाव हारने से बौखला गई है। उनका आपस में इतना सर फुटौव्वल हो रहा है कि आपस में भी लड़ने-भिड़ने में व्यस्त हैं। उनके पास कोई मुद्दा नहीं है। हमारी सरकार लगातार बेहतर काम कर रही है, इसलिए कांग्रेसी बेवजह आरोप लगा रहे हैं। 120 करोड़ की एजुकेशन सिटी में मिलेगी कोचिंग सुशासन

तिहार के दौरान सीएम विष्णदेव साय ने दयालबंद के मधुबन में 120 करोड़ रुपए की लागत से बन रही एजुकेशन सिटी का निरीक्षण किया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने उन्हें बताया कि 26 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। 13 एकड़ में विकसित हो रही इस परियोजना में 500 सीटर नालंदा परिसर, डिजिटल लाइब्रेरी, हॉस्टल, कोचिंग ब्लॉक और स्किल डेवलपमेंट सेंटर जैसी सुविधाएं होंगी। इस दौरान कलेक्टर संजय अग्रवाल ने प्रोजेक्टर के माध्यम से एजुकेशन सिटी का पूरा ब्लूप्रिंट पेश किया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए कोचिंग, प्रशिक्षण और अध्ययन की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। रायपुर में मीटिंग इसलिए 10 मिनट की समीक्षा बैठक रायपुर में दूसरी बैठक में शामिल होने के कारण मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट के मंथन सभाकक्ष में करीब 10 मिनट ही रुके। इस दौरान उन्होंने बिलासपुर, जीपीएम, मुंगेली, सक्ती और सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिलों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व मामलों के लंबित रहने से आम लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी होती है। इसलिए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अन्य मामलों का समय पर निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने को भी कहा। बैठक में मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों को खाद और बीज की पर्याप्त उपलब्धता करने के निर्देश दिए। साथ ही मानसून के दौरान पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी तैयारियों की भी समीक्षा की। भाजपा सरकार में गड़बड़ी होने पर एक्शन सीएम साय ने नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा कोई भी समस्या आती है या फिर कोई अपराध होता है तो भाजपा की सरकार सख्ती से जांच कराती है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को यहां हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। शर्मा ने यहां झालाना के विश्व वानिकी वृक्ष उद्यान में बरगद का पौधा रोपकर हरियालो राजस्थान और एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की। मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस पर शुभकामनाएं देते हुए आम लोगों से बारिश के मौसम में अधिक से अधिक पौधे लगाकर मिशन हरियालो राजस्थान में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में राज्य में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान एवं

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर काम किए जा रहे हैं। हम सभी को राजस्थान को पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ बनाना है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और हरित विकास के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रकृति संरक्षण, जल संवर्धन, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रति आमजन भी अपनी जिम्मेदारियों का समर्पण भाव से निर्वहन करें और नई पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दें। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 के राज्य बजट में राजस्थान को हरित प्रदेश के रूप में विकसित करने की दृष्टि से 10 करोड़ पौधे लगाने एवं संरक्षण का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, वन राज्यमंत्री संजय शर्मा और सांसद मंजू शर्मा भी मौजूद थीं।

छत्तीसगढ़ के उद्योगों पर पर्यावरण विभाग सख्त:94 को नोटिस जारी

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ में प्रदूषण फैलाने वाले इंडस्ट्रीज पर पर्यावरण संरक्षण मंडल ने सख्ती बढ़ा दी है। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले इंडस्ट्रीज के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। जनवरी 2025 से मई 2026 के बीच रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने 94 इंडस्ट्रीज को नोटिस जारी किए हैं, जबकि 82 इंडस्ट्रीज के उत्पादन बंद करने और उनके बिजली कनेक्शन काटने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा 3.03 करोड़ रुपए का जुमार्ना भी वसूला गया है। वहीं, राजधानी की हवा में लगभग 4 प्रतिशत सुधार दर्ज किया गया है। इन जिलों में नियमित निगरानी पर्यावरण संरक्षण मंडल के मुताबिक रायपुर, बलौदाबाजार-भाटापारा, धमतरी, महासमुंद और गरियाबंद जिलों के उद्योगों की लगातार जांच की जा रही है। जांच के दौरान जिन उद्योगों में हवा और पानी को प्रदूषित करने से जुड़े नियमों का उल्लंघन मिला, उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 और जल प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1974 के तहत की गई। इंडस्ट्रीज पर करोड़ों का जुमार्ना जांच में 96 इंडस्ट्रीज पर कुल 2 करोड़ 40 लाख 65 हजार रुपए से ज्यादा का पर्यावरण जुमार्ना लगाया गया। इसके अलावा 136 उद्योगों और संस्थानों पर, जो बिना ढंके कच्चा माल, उत्पाद और कचरा ले जा रहे थे, उन पर 51 लाख रुपए से ज्यादा का जुमार्ना लगाया गया। फ्लाई ऐश के गलत तरीके से परिवहन और डंपिंग के मामले में 2 उद्योगों पर 12 लाख रुपए की अतिरिक्त पेनल्टी भी लगाई गई। इस तरह कुल जुमार्ना 3 करोड़ 3 लाख रुपए से अधिक पहुंच गया है।

बीजेपी नेता और आरटीओ इंस्पेक्टर के बीच विवाद

● ट्रैक्टर जब्त करने पर अफसर को गालियां दीं, नेता का आरोप-80 हजार की रिश्वत मांगी

प्रात : किरण संवाददाता

उदयपुर में बीजेपी नेता और आरटीओ इंस्पेक्टर के बीच हाईवे पर विवाद का एक वीडियो सामने आया है। दरअसल, उदयपुर-पिंडवाड़ा हाईवे पर एक ट्रैक्टर में पोल के खड्ढे खोदने की मशीन लगी थी। इसे देखकर आरटीओ ने ट्रैक्टर को रोककर जब्त किया था। मामले की सूचना पर बीजेपी के गोगुंदा मंडल अध्यक्ष निखिल कोठारी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने ड्राइवर को अपना स्टाफ बताया। ये भी कहा कि ट्रैक्टर उनका है और ठेके पर दे रखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरटीओ इंस्पेक्टर ने मामले को रफा-दफा करने के लिए 80 हजार रुपए की रिश्वत मांगी।गोगुंदा थानाधिकारी श्यामसिंह चारण ने बताया कि आरटीओ अधिकारी सुनील चौधरी ने थाने पहुंचकर परिवाद दिया था। मामले की जांच कर रहे हैं। वीडियो और मौके पर मौजूद लोगों से बातचीत करेंगे। मामले पर आरटीओ ज्ञानदेव विश्वकर्मा और डीटीओ मुकेश डाढ़ से बात करने की कोशिश की लेकिन फोन नहीं उठाया। वीडियो आया सामने उदयपुर-पिंडवाड़ा हाईवे पर एक ट्रैक्टर में खड्ढे खोदने की मशीन लगी थी। इस पर कोठारी आरटीओ अधिकारी सुनील चौधरी ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया था। इसका ड्राइवर ने विरोध किया और बीजेपी के गोगुंदा मंडल अध्यक्ष निखिल कोठारी को मामले की सूचना दी। बीजेपी नेता मौके पर पहुंचे और मामला बढ़कर गाली-गलौज तक पहुंच गया। बीजेपी नेता ने कहा कि मुझे सब सिस्टम पता है। आवाज ऊंची नहीं करने की बात करते हुए राजकार्य बाधा में मामला दर्ज करवाने की बात कही। 2 मिनट 56 सेकंड के वीडियो में वे कई बार गालियां देते हुए भी दिखे। आरटीओ कर्मचारियों ने बीजेपी नेता के इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी बना लिया। बीजेपी नेता बोले- एक लाख में सेंटलमेंट करना चाहते थे मामले को लेकर बीजेपी नेता कोठारी का कहना है कि ट्रैक्टर सीज करने पर दोपहर में आरटीओ ऑफिस में 52 हजार 200 रुपए का कमर्शियल यूज करने का टैक्स भी जमा करवा दिया। तब भी आरटीओ अधिकारी पूरा मामला सेटल करने का पहले 1 लाख रुपए मांग रहे थे। आखिर में 80 हजार रुपए लेकर सेटलमेंट करने की बात कर रहे थे। नेता ने कहा कि आरटीओ अधिकारी ने कहासुनी में काफी बात कही। इसके बाद थोड़ी बहस हुई लेकिन गाली-गलौच नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि आरटीओ इंस्पेक्टर सुनील चौधरी जानबूझकर ट्रैक्टर ड्राइवर शंकर सिंह को परेशान कर रहे थे।

बाउंसर का सिर कुचलकर मार डाला

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार रात अफेयर के शक में बाउंसर की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। घात लगाए बैठे आरोपी ने बाउंसर की आंखों में मिर्च पाउडर झोंका, फिर पत्थर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग निकला। दरअसल, पेशे से वकील और बाउंसर किसी काम से अपने दोस्त के बाहर निकला था। हमले के वक्त उसका दोस्त मौके से भाग निकला। जांच में सामने आया कि आरोपी युवक की पत्नी से बाउंसर का अफेयर था, लेकिन काफी से समय पहले से ही दोनों की बातचीत बंद हो गई थी। फिलहाल पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और उसके ठिकानों पर दबिश दे रही है। वहीं, इस वारदात के बाद इलाके में तनाव का महौल है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है। जानिए क्या है पूरा मामला ? जानकारी के मुताबिक बाउंसर का नाम कोनी का रहने वाला निखिल गोस्वामी (27) है, जो जिम चलाता है। इसके साथ ही वह अमिगोज बार में बाउंसर का भी काम करता था। ऐसे में वह काम सिलसिले में मकान किराए पर ले रखा था। जांच में सामने आया कि वह पेशे से वकील भी था और अपराधी प्रवृत्ति के युवक भोला मानिकपुरी (28) का केस लड़ता था। इस बीच निखिल की जान-पहचान भोला के पत्नी से हुई। बताया जा रहा है कि दोनों का अफेयर चल रहा था। हालांकि काफी से समय पहले से ही दोनों की बातचीत बंद हो गई थी, लेकिन भोला के शक था कि दोनों का अफेयर अभी भी चल रहा है। इसी शक में उसने हत्या की साजिश रची। पहले से घात लगाए बैठा था आरोपी गुरुवार शाम जब निखिल अपने दोस्त के साथ बाहर निकला तो पहले से घात लगाए बैठा भोला ने निखिल की आंखों में मिर्च पाउडर झोंका। इस दौरान निखिल का दोस्त वहां से भाग गया।

MLA भाटी बोले-मजदूर का हत्यारा है तानाशाह प्रशासन

प्रात : किरण संवाददाता

बाड़मेर के गिरल में माइंस के खिलाफ चल रहे धरने के दौरान एक मजदूर की तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। घटना के बाद शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी जिला अस्पताल की मॉच्युरी में धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया- मजदूर पिछले दो महीने से धरने पर बैठे हैं, लेकिन प्रशासन गहरी नींद में सोया हुआ है। प्रशासन के निरंकुश और तानाशाही रवैये के कारण ही आज यह मौत हुई है और गरीब मजदूर जैसाराम की हत्या प्रशासन ने की है।मजदूर जैसाराम की मौत की सूचना पर चौहटन भाजपा विधायक आदूराम मेघवाल भी हॉस्पिटल पहुंचे। आंसू पौंछते हुए जैसाराम के बुजुर्ग पिता देदाराम ने कहा-मेरे लड़के को मार दिया, अब क्या करोगे। पहले कहां गए थे, अब इकट्ठे हुए हो। 2 माह से गर्मी में बैठे हैं, एक दिन वहां जाकर बैठो। खूब रोए लेकिन कोई नहीं आया। बात सुन लेते तो लड़का क्यों मरता। अफसर जेब भर रहे हैं।वहीं, धरनार्थियों ने कहा- आप आज यहां आए हो, मजदूर की मौत होने के बाद भी प्रशासन नहीं आया। धरना स्थल पर माइंस के दो मैनेजर हैं, वे भी नहीं आए। हम मजदूर हैं इसलिए कोई सुन नहीं रहा है। आज जैसाराम की मौत हुई है, कल हम मर जाएंगे। धरना स्थल पर गर्मी की वजह से कई मजदूर बीमार हुए, जिनका इलाज करवाया गया। दो महीने से धरना, तबीयत बिगड़ने के बाद मौत गिरल गांव में बीते 2 महीने से मजदूर अपनी मांगों को लेकर माइंस के आगे धरने पर बैठे हैं। इसी दौरान गुरुवार रात को धरना स्थल पर बैठे मजदूर जैसाराम की अचानक तबीयत बिगड़ गई।जैसाराम को पहले भाडखा हॉस्पिटल लेकर गए, वहां से बाड़मेर लेकर आए। इस दौरान एंबुलेंस और किसी प्रकार की सुविधा नहीं मिली, बड़ी मुश्किल से भाडखा तक लेकर आए। बाड़मेर अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उदयपुर के फेमस टूरिस्ट स्पॉट पर प्लास्टिक बोतल बैन,जुमार्ना लगेगा

प्रात : किरण संवाददाता

उदयपुर के ग्रीन जोन सज्जनगढ़ के अंदर अब प्लास्टिक की बोतल नहीं चलेंगी। अगर कोई व्यक्ति लेकर चला गया तो जुमार्ना देना होगा। अंदर ही पानी की कांच की बोतल मिलेगी। इसके लिए प्रति बोतल 50 रुपए देने होंगे। जाते वक्त आप बोतल को जमा करा देंगे तो प्रति बोतल 10 रुपए काटकर आपको 40 रुपए वापस दे देंगे। इसा मकसद है कि इस इलाके को प्लास्टिक मुक्त किया जा सके। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर उदयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थल सज्जनगढ़ वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, मानसून पैलेस और सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क को प्लास्टिक बोतल मुक्त क्षेत्र घोषित करने के साथ ही इस नई पहल को शुरू किया गया है। प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर पूर्ण प्रतिबंध मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) सेदू राम यादव ने बताया- सज्जनगढ़ प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए प्लास्टिक की पानी की बोतलों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। बता दें कि अभयारण्य क्षेत्र में प्लास्टिक की पानी की बोतल का उपयोग पाए जाने पर एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। प्रतिदिन बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक आते एसीएफ सुरभि शर्मा ने बताया- सज्जनगढ़ उदयपुर के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में शामिल है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक पहुंचते हैं। पर्यटकों जो खाली प्लास्टिक की बोतलें फेंकते हैं, वो पर्यावरण और प्राकृतिक सुंदरता के लिए चुनौती बन रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए वन विभाग ने यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। टिकट विंडो से मिलेगी पानी की बोतल उन्होंने बताया- पर्यटकों को सज्जनगढ़ टिकट विंडो के पास कांच की बोतल में 500 एमएल पानी 50 रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। खाली बोतल वापस जमा कराने पर 40 रुपए लौटाए जाएंगे।

ईसाई समाज बोला- गाय बने राष्ट्रीय पशु

● :हिंदू परिवार को 50 गाय देने का सुझाव, BJP बोली- मां मानने के लिए सरकारी घोषणा का इंतजार क्यों

प्रात : किरण संवाददाता

रायपुर में छत्तीसगढ़ संयुक्त ईसाई समाज ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। समाज ने हर हिंदू परिवार को 50 गायों के संरक्षण की जिम्मेदारी देने का सुझाव भी रखा। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि गाय के नाम पर राजनीति होती है, लेकिन संरक्षण के लिए ठोस व्यवस्था नहीं है। इस मामले पर भाजपा और कांग्रेस नेताओं ने भी प्रतिक्रिया दी। गाय को गौमाता का दर्जा देने की मांग पहले भी उठ चुकी है। इस पर BJP ने कहा मां मानने के लिए सरकारी घोषणा का इंतजार क्यों। बता दें कि इससे पहले छत्तीसगढ़ में कई धर्मगुरुओं और कथावाचकों ने भी

गौ माता को राष्ट्र पशु का दर्जा देने की मांग सरकार से की हैं। पिछले दिनों सुंदर नगर में रहने वाले युवक ने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग को लेकर अपने हाथ की उंगली काट ली थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। गायों के संरक्षण की मांग संयुक्त ईसाई समाज छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष प्रभाकर ने कहा कि गाय भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन आज बड़ी संख्या में गायें सड़कों पर लावारिस घूम रही हैं। इससे सड़क हादसे बढ़ रहे हैं और कई बार गायों की भी मौत हो जाती है। समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि अगर गाय को राष्ट्रीय पशु या राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाता है, तो उसके संरक्षण और देखभाल की जिम्मेदारी तय होगी। उनका मानना है कि इससे गौवंश की स्थिति बेहतर होगी और सड़कों पर लावारिस पशुओं की समस्या कम करने में मदद मिलेगी। युवक ने काटी थी अपनी उंगली 9 महीने पहले रायपुर के सुंदर नगर के रहने वाले आदेश सोनी ने चापड़ से खुद के हाथ की उंगली काट ली थी। आदेश की मांग थी कि सरकार गौ माता को राज्य माता घोषित करे। घटना का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह उंगली काटते हुए गौ माता की जय के नारे लगा रहा था।

नीरज डांगी ने राज्यसभा चुनावों के लिए नामांकन भरा:जीत लगभग तय

प्रात : किरण संवाददाता

कांग्रेस उम्मीदवार नीरज डांगी ने राज्यसभा के लिए नामांकन दाखिल कर दिया है। नीरज डांगी ने विधानसभा में रिटर्निंग ऑफिसर के सामने नामांकन दाखिल किया। नीरज डांगी के नामांकन के वक्त नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद संह डोटासरा, पूर्व सीएम अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के कई विधायक मौजूद थे। नामांकन के वक्त सचिन पायलट मौजूद नहीं थे। नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार उम्मीदवार बनाया है। नीरज डांगी की जीत तय मानी जा रही है। दरअसल, मौजूदा संख्या बल के हिसाब से बीजेपी को दो और कांग्रेस को एक सीट मिल रही है। एक सीट पर जीत के लिए 51 विधायक चाहिए। कांग्रेस के 67 विधायक हैं, इसलिए एक ही सीट पर जीत के समीकरण हैं। बीजेपी के दो राज्यसभा सीटें जीतने के ही समीकरण हैं। तीसरी सीट के लिए बीजेपी को 35 दूसरे दलों के विधायकों के वोट चाहिए। आरएलडी बीजेपी के साथ है, बीजेपी अगर आठ निर्दलीयों, 2 बसपा, 4 बीटीपी के वोट भी लेने में कामयाब रहती है तो भी तीसरे उम्मीदवार के लिए 20 विधायकों के वोट कम पड़ेंगे। नीरज डांगी के जरिए दलित वोट बैंक को साधने का प्रयास नीरज डांगी को कांग्रेस ने दूसरी बार राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया है। डांगी को दूसरी बार मौका देकर कांग्रेस ने परंपरागत दलित वोट बैंक को साधने का प्रयास किया है। डांगी को लगातार दूसरी बार मौका देने के पीछे कांग्रेस के अंदरूनी सियासी समीकरण साधने के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है। डांगी को दूसरा मौका देने में खड़गे की पैरवी नीरज डांगी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के नजदीक रहे हैं, लेकिन राज्यसभा में जाने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से भी उनकी नजदीकी बढ़ी है। बताया जाता है कि खड़गे ने ही नीरज डांगी की पैरवी की जिस वजह से उन्हें लगातार दूसरा मौका मिला है। रेवदर से तीन बार विधानसभा चुनाव हारे थे नीरज डांगी नीरज डांगी रेवदर विधानसभा सीट से तीन विधानसभा चुनाव हारे थे। नीरज डांगी कांग्रेस के टिकट पर रेवदर से 2003, 2008 और 2018 के विधानसभा चुनार हारे।

केरल पहुंचा मानसून, छत्तीसगढ़ में अभी इंतजार

प्रात : किरण संवाददाता

दक्षिण-पश्चिम मानसून ने गुरुवार 4 जून को केरल में दस्तक दे दी है। सामान्य तौर पर मानसून 1 जून तक केरल पहुंच जाता है, लेकिन इस बार इसकी एंट्री तीन दिन देरी से हुई। छत्तीसगढ़ में फिलहाल मानसून नहीं पहुंचा है, लेकिन मौसम के बदलते मिजाज के बीच जगदलपुर में दोपहर में अचानक तेज बारिश हुई। हालांकि मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में गरज-चमक, बिजली गिरने और 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में प्रदेश के अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ, जबकि न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रायपुर और राजनांदगांव प्रदेश के सबसे गर्म शहर रहे, जहां अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस अंबिकापुर में दर्ज हुआ। प्रदेश में पिछले 24 घंटे के दौरान केवल हल्की बारिश दर्ज की गई। छोटेडोंगर, मैनपाट और अंबिकापुर में 10-10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई।अगले 24 घंटे कैसा रहेगा मौसम मौसम विभाग के मुताबिक आज (शुक्रवार) प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कई जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। यही स्थिति अगले दो दिनों तक भी बनी रह सकती है। रायपुर में धूलभरी आंधी और बारिश के संकेत रायपुर में बादल छाए रहने, गरज-चमक, बारिश और धूलभरी आंधी की संभावना जताई गई है।

छत्तीसगढ़ में दो दिन में 9 करोड़ का गांजा पकड़ाया

प्रात : किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ में पिछले 2 दिनों में कुल 8 करोड़ 65 लाख रुपए का गांजा पकड़ा गया है। अलग-अलग जिलों में लग्जरी कारों और बसों के जरिए से इसकी तस्करी हो रही थी। शुक्रवार को 2 अलग-अलग कार्रवाई में कारों से गांजा मिला। रायगढ़ जिले में करीब 300 किलो गांजा मिला, जिसकी कीमत 1 करोड़ 50 लाख रुपए है। मनेंद्रगढ़ में 6 क्विंटल गांजा पकड़ा गया, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए हैं। एक दिन पहले सूरजपुर जिले में पुलिस ने बस से 4.15 करोड़ के गांजे की गठरियां पकड़ी थीं। जिनका वजन 8 क्विंटल 30 किलो था। केस 1- रायगढ़ में लग्जरी कारों में मिला गांजा जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार (5 जून) सुबह पुलिस को सूचना मिली कि, ओडिशा के सोनपुर इलाके से गांजे की बड़ी खेप 2 सफेद कारों में भरकर मध्यप्रदेश के अनूपपुर ले जाई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने अलग-अलग रास्तों पर नाकेबंदी कर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान कटकलिया मार्ग पर एक इनोवा क्रिस्टा और एक मारुति सुजुकी छ-6 को रोककर जांच की। जांच के दौरान पुलिस ने देखा कि इनोवा क्रिस्टा में दो नंबर प्लेट लगी हुई थीं। गाड़ी में ओडिशा नंबर प्लेट OD-10-H-0050 के नीचे छत्तीसगढ़ नंबर CG-13-BY-6540 की दूसरी नंबर प्लेट लगी थी।

मां बोलीं- जॉइनिंग लेटर लेने जा रही बेटी की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

जब बेटी से मेरी बात हुई थी, तब वह बस में बैठी थी। बस से उतरने से पहले उसने कहा था- आज मुझे जॉइनिंग लेटर मिलने वाला है। इसके बाद प्राइवेट कंपनी में जॉब मिल जाएगी। उसके फोन रखते ही 10 सेकेंड में एक अनजान नंबर से कॉल आया और फोन करने वाले ने कहा- नेहा का एक्सीडेंट हो गया है। यह कहना है कि जोधपुर की रहने वाली नेहा उपाध्याय (26) की मां सुनैना का। नेहा को दो दिन पहले जयपुर में बस से उतरते समय एक गाड़ी ने कुचल दिया। था। हादसा मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में बंबाला पुलिया के पास हुआ था। नेहा जोधपुर के गायत्री नगर, पाल रोड की रहने वाली थी। उसके पिता किशन गोपाल उपाध्याय (52) जोधपुर के मथुरादास माथुर हॉस्पिटल के ट्रॉमा वार्ड में एमआरआई और सिटी स्कैन डिपार्टमेंट में काम करते हैं। जबकि मां फाइनेंस कंसल्टेंसी का काम देखती हैं, जिसे नेहा आगे बढ़ाना चाहती थी। नेहा तीन महीने से जयपुर से डिजिटल मार्केटिंग का कोर्स कर रही थी। वह मानसरोवर में रजत पथ पर एक पीजी में रहती थी। नेहा की मां सुनेना उपाध्याय (50) ने बताया कि हादसे से 10 सेकेंड पहले ही उनकी बेटी से बात हुई थी। नेहा के पिता किशन गोपाल ने बताया- यह हिट एंड रन का मामला है। हादसे में बेटी के सिर में चोट लगी थी, काफी खून बह गया था, जिससे उसकी मौत हो गई। नेहा का गुरुवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। मां के बिजनेस को आगे बढ़ाना चाहती थी नेहा के पिता किशन गोपाल ने बताया- नेहा फाइनेंस मैनेजमेंट (म्यूचल फंड और अकाउंटिंग) का काम भी करती थी। इस काम की शुरूआत उसकी मां सुनैना ने की थी। नेहा चाहती थी कि वह मां के साथ मिलकर इस बिजनेस को आगे बढ़ाए।

सवारियों से भरी बस और ट्रेलर में भिड़ंत

● ड्राइवर बोला-टायर फटने से ट्रेलर बेकाबू हुआ, डिवाइडर से टकराकर दूसरी तरफ पहुंचा

प्रात : किरण संवाददाता

पाली जिले के सुमेरपुर सदर थाना क्षेत्र में हाईवे पर नेतरा के पास गुरुवार रात सवारियों से भरी एक निजी बस को ट्रेलर ने टक्कर मार दी। हादसे में बस ड्राइवर, कंडक्टर समेत 14 यात्री घायल हो गए। घायलों को सुमेरपुर हॉस्पिटल लाया गया, जहां से गंभीर

घायलों को इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल रेफर किया गया। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाकर रात में ही यातायात सुचारू कर दिया। निजी बस मुंबई से दिल्ली जा रही थी, इसी दौरान यह हादसा हुआ। सुमेरपुर सीओ जितेन्द्रसिंह ने बताया - रात करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि नेशनल हाईवे पर नेतरा पुलिया के पास यात्री बस और ट्रोले की टक्कर हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया गया। मौके पर जांच में सामने आया कि मोरबी (गुजरात) से टाइल्स भरकर दिल्ली जा रहा ट्रोला हाईवे क्रॉस करते समय रॉग साइड में आ गया। इसी दौरान यह ट्रोला जोधपुर की ओर से आ रही ट्रेवल्स बस से सीधे टकरा गया, जिससे भीषण हादसा हो गया।

राजस्थान में आंधी, बारिश की गतिविधियां जारी रहने का अनुमान

प्रात : किरण संवाददाता

जयपुर। एक परिसंचरण तंत्र के प्रभाव के कारण राजस्थान के अनेक हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य में आंधी व बारिश की गतिविधियां अभी जारी रहने का अनुमान है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, शुक्रवार सुबह तक बीते 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में मध्यम से तेज बारिश हुई। सर्वाधिक 75 मिलीमीटर बारिश बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में दर्ज की गई।मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य के ऊपर बने परिसंचरण तंत्र के प्रभाव से कुछ भागों में आंधी बारिश की गतिविधियां आगामी 2-3 दिन जारी रहने की संभावना है। इसके बाद पूर्वी राजस्थान में छुटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। आंधी बारिश की गतिविधियों में आठ जून से कमी तथा तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होगी। पश्चिमी राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में 8 से 11 जून के दौरान कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान 44-46 डिग्री सेल्सियस दर्ज होने व कहीं-कहीं हीटवेव चलने की संभावना है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में घायल अज्ञात व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत

नोएडा। थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान शुक्रवार सुबह दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में मौत हो गई है। थाना पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। थाना सेक्टर 63 के प्रभारी निरीक्षक अमित काकरान ने बताया कि थाना क्षेत्र में 30 मई को दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर हुए एक सड़क हादसे में एक 32 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां पर उपचार के दौरान आज सुबह को उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आसपास के लोगों और सोशल मीडिया की सहायता से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जुमे की नमाज को लेकर खोड़ा कॉलोनी छावनी में तब्दील

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के खोड़ा कॉलोनी में हुए बहुचर्चित सूर्या हत्याकांड के बाद सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए शुक्रवार को जुमे की नमाज पर खोड़ा को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। शुक्रवार को 19 मस्जिदों पर नमाज सकुशल संपन्न कराने के लिए पुलिस, पीएसी, आरएएफ, आरआरएफ की बटालियन समेत एक हजार पुलिसकर्मी क्षेत्र में तैनात है। पूरे क्षेत्र की ड्रोन कैमरों से निगरानी कराई जा रही है। खबर लिखे जाने तक नमाज सकुशल पढ़ी जा रही है। पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि खोड़ा में 19 मस्जिद और चार मदरसे हैं। इनमें से दो मदरसों को सील किया जा चुका है और एक पर नोटिस चस्पा किया गया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों का सहयोग कर नमाज शांतिपूर्ण ढंग से कराने की बात कही है। सूर्या हत्याकांड के बाद कुछ हिंदू संगठनों की ओर से जुमे की नमाज न करने देने की चेतावनी दी गई है। उसी के मद्देनजर खोड़ा में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

घर में घुसकर छात्रा से दुष्कर्म का प्रयास

ट्रांस हिंडन। खोड़ा थाना क्षेत्र में 11वीं की छात्रा के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म के प्रयास का मामला सामने आया है। शोर मचाने पर आरोपी छात्रा के साथ मारपीट कर धमकी देते हुए फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। खोड़ा क्षेत्र निवासी किशोरी ने पुलिस को बताया कि वह अपनी मां के साथ किराए के मकान में रहती है। अलीगढ़ के गांव बिजौली निवासी अजय चौधरी को वह पांच साल से जानती है। आरोप है कि अजय चौधरी का घर आना जाना था और वह उस पर गलत निगाह रखता था। किशोरी का कहना है कि 31 मई को उसकी मां काम कर गई थीं और वह घर पर अकेली थी। इसी दौरान अजय घर में घुस गया। आरोप है कि अकेली पाकर अजय ने उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया।

जिम्स में क्लबफुट क्लिनिक का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में विश्व क्लबफुट दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य क्लबफुट (टेढ़े पैर की जन्मजात विकृति) के प्रति लोगों को जागरूक करना था। इस दौरान क्लबफुट क्लिनिक का भी उद्घाटन किया गया। चिकित्सकों का कहना है कि जन्म के तुरंत बाद या शुरूआती साल में उपचार से इस समस्या से ग्रसित बच्चों को सामान्य जीवन दिया जा सकता है। जिम्स के निदेशक डॉ. ब्रिगेडियर राकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि क्लिनिक से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को सहायता मिलेगी। यह क्लिनिक प्रत्येक शुक्रवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित होगा। मौके पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, ऑथोर्पेडिक्स विभाग के प्रमुख डॉ. विकास सक्सेना, एसोसिएट प्रो. डॉ. प्रतीक रस्तोगी, संकाय सदस्यों, रेजिडेंट डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों सहित सभी उपस्थित रहे।

सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित एचआईएमटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स में शुक्रवार को शाइनिंग स्टार अवार्ड्स का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न शिक्षा बोर्डों की कक्षा 12वीं की परीक्षाओं के मेधावियों को सम्मानित किया गया। संयुक्त सचिव अनमोल बंसल ने कहा कि शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। प्रो. (डॉ.) सुधीर कुमार ने कहा कि सफलता केवल अंकों तक सीमित नहीं होती, बल्कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं सकारात्मक दृष्टिकोण से जीवन में बड़े लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं। रिद्धि कटोच, आकांक्षा पांडेय, कानन गोयल, रितिका बिस्वाल, सिद्धि कटोच सौम्या सिंह, माही लोहिया, रितिका पांडेय, आर्यन अमित शर्मा, अंशुल, ख़ुशी को सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. विक्रांत चौधरी, प्रो. (डॉ.) पंकज कुमार आदि मौजूद रहे।

अक्की शर्मा के पांच विकेट से जीती डार्क नाइट्स

ग्रेटर नोएडा। सेंचुरियन क्रिकेट मैदान में खेले गए सेंचुरियन कप सीजन-9 के लीग मुकाबले में डार्क नाइट्स ने ईडीवी स्काईवॉल्कर्स को तीन विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईडीवी स्काईवॉल्कर्स ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 150 रन बनाए। निर्मल ने 37 रन का योगदान दिया। जवाब में डार्क नाइट्स ने सात विकेट खोकर 151 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया।

नोएडा में दो जगहों पर आग का कहर

सेक्टर-52 और 74 में मची अफरा-तफरी

प्रात: किरण संवाददाता

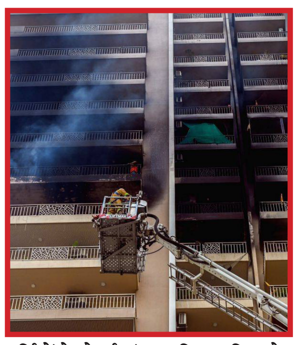

नोएडा। एक तरफ दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है और तेज आंधी-तूफान तथा बारिश लोगों की परेशानी बढ़ा रही हैं, वहीं दूसरी ओर आग लगने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार को नोएडा में दो अलग-अलग जगहों पर आग लगने की घटनाओं से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। पहली घटना नोएडा के सेक्टर-74 स्थित आईवी कंट्री सोसाइटी में सामने आई, जहां एक फ्लैट में अचानक आग लग गई। आग लगने की सूचना मिलते ही सोसाइटी में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने के अभियान में जुट गई। शुरूआती जानकारी के अनुसार, आग फ्लैट के अंदर लगी थी, हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। राहत की बात यह रही कि समय रहते दमकल कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे आग को अन्य फ्लैटों तक फैलने से रोका जा सका। वहीं, दूसरी घटना थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-52 गिझोड़ स्थित शताब्दी विहार में हुई, जहां एक मकान में भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि भवन के निचले हिस्से में एक रेस्टोरेंट संचालित होता है, जबकि ऊपरी मंजिलों पर पीजी (पेइंग गेस्ट) की व्यवस्था है। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है, हालांकि अधिकारियों की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फायर विभाग के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं। घटना के समय भवन में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। फिलहाल दोनों घटनाओं में किसी जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन आग लगने से लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। प्रशासन और दमकल विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

पुलिस एनकाउंटर में चार आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने बंद मकानों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए शुक्रवार को चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि उनके दो साथियों को कॉम्बिंग अभियान चलाकर गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से करीब 51 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण, 1.25 लाख रुपये कीमत की चांदी, 11 लाख 27 हजार रुपये नकद, दो बाइक और चार अवैध तमंचे बरामद किए गए हैं। इस गिरोह को बंद घरों की सूचनाएं बाइक कैब चालक देता था। आरोपियों की पहचान वकील उर्फ रिजवान और सरफराज उर्फ फैज घायल के रूप में हुई है। दोनों के पैर में गोली लगी। वहीं उनके दो साथी भोले उर्फ भोला और अलीजान को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ है। डीसीपी सेंट्रल नोएडा शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मोजर बियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की दो बाइक पर सवार चार संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन वे बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा किया तो बदमाशों ने खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपियों को पकड़ लिया गया। रेकी कर बंद मकानों को बनाते थे निशाना : पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सदस्य भोले उर्फ भोला पेशे से रैपिडो चालक है। वह नोएडा और ग्रेटर नोएडा की विभिन्न सोसाइटियों में सवारी के बहाने आता-जाता था और बंद पड़े मकानों की जानकारी जुटाता था। आरोपी विशेष रूप से उन मकानों को निशाना बनाते थे जिनके मालिक लंबे समय से बाहर रहते थे या घर बंद होता था। तीन बड़ी चोरियों का खुलासा : गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में हाल के वर्षों में हुई कई बड़ी चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने इनके कब्जे से बरामद माल के आधार पर तीन प्रमुख मामलों का खुलासा किया है। पहला मामला थाना सूरजपुर क्षेत्र की पैरामाउंट सोसायटी का है, जहां 25 अप्रैल को एक मकान से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चोरी की गई थी। पुलिस ने इस घटना से संबंधित 100 ग्राम के एक सोने के बिस्किट, दो 50-50 ग्राम के सोने के बिस्किट, सोने की चेन, हार, झुमके, अंगूठियां, कंगन, लॉकेट, नोज पिन, चांदी की पायल, बिछिया समेत कई आभूषण और करीब 8.50 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं।

स्टाफ की कमी से आवास विकास परिषद की योजनाओं पर ब्रेक

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। आवास विकास परिषद में कर्मचारियों की भारी कमी के कारण गाजियाबाद की कई महत्वाकांक्षी परियोजनाएं लंबे समय से अधर में लटकी हुई हैं। वसुंधरा, सिद्धार्थ विहार, अजंतापुरम और मंडोला जैसी प्रमुख योजनाओं में विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में निराशा बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार, परिषद के वास्तुकला अनुभाग में पिछले कुछ वर्षों के दौरान कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। जहां चार-पांच वर्ष पहले इस अनुभाग में लगभग 14 कर्मचारी कार्यरत थे, वहीं वर्तमान में यह संख्या घटकर मात्र तीन रह गई है। इनमें भी केवल एक वास्तुविद नियोजक होने के कारण परियोजनाओं की योजना तैयार करने, नक्शों की स्वीकृति और डिजाइन संबंधी कार्यों में लगातार देरी हो रही है। अधिकारियों और सूत्रों के अनुसार, कर्मचारियों की कमी का सबसे अधिक असर सिद्धार्थ विहार और वसुंधरा की बहुप्रतीक्षित परियोजनाओं पर पड़ा है। सिद्धार्थ विहार में प्रस्तावित थीम पार्क तथा थाना निर्माण की योजनाएं अभी तक आगे नहीं बढ़ सकी हैं, जबकि वसुंधरा में प्रस्तावित मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी कागजी प्रक्रिया से आगे नहीं निकल पाया है।वसुंधरा सेक्टर-7 में लगभग साढ़े सात एकड़ भूमि पर मल्टी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित करने की योजना बनाई गई थी। क्षेत्र के निवासियों और विभिन्न आवासीय समितियों द्वारा लंबे समय से इसकी मांग की जा रही है। हालांकि परियोजना अभी तक प्रारंभ नहीं हो सकी है और योजना फाइलों तक ही सीमित है।सिद्धार्थ विहार का प्रस्तावित थीम पार्क भी वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ है। करीब आठ वर्ष पहले आवास विकास परिषद ने 47 एकड़ क्षेत्र में एक भव्य थीम पार्क विकसित करने की योजना बनाई थी। दावा किया गया था कि यह दिल्ली-एनसीआर का सबसे बड़ा थीम पार्क होगा, जिसमें गाजियाबाद के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों की झलक देखने को मिलेगी।

पुलिस मुठभेड़ में पकड़े गए बदमाशों को कोर्ट ने किया दोषमुक्त

- अदालत ने स्वतंत्र गवाह, फोरेंसिक रिपोर्ट और ठोस साक्ष्यों के अभाव में आरोपियों को किया बरी

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। वर्ष 2022 में थाना फेज-1 क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ अवैध हथियार बरामदगी और पुलिस पर जानलेवा फायरिंग के मामले में गौतमबुद्धनगर की अदालत ने दोनों आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया है। अभियोजन के अनुसार 6 अगस्त 2022 को थाना फेज-1 में तैनात उपनिरीक्षक ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस का दावा था कि हरौला क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के दौरान सूचना मिली कि एक बाइक पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर नहीं रुके और तेजी से भाग निकले। सूचना के बाद विभिन्न चौकियों की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से उनका पीछा कर सेक्टर-14ए क्षेत्र के पास आरापियों को घेर लिया। आरोप था कि इस दौरान दोनों युवकों ने पुलिस टीम पर तमंचों से फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिसमें एक आरोपी चिन्की गारफील्ड विनफील्ड के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। जबकि दूसरे आरोपी इश्तकार अंसारी को बाद में गिरफ्तार करने का दावा किया गया। लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ जितेंद्र कुमार बैसोया ने बताया कि न्यायालय ने पाया कि पुलिस द्वारा जिस मुठभेड़ का दावा किया गया, उसकी कोई फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी रिकॉर्ड पर प्रस्तुत नहीं की गई। फायरिंग की घटना के बावजूद घटनास्थल से कोई कारतूस या खोखा बरामद नहीं किया गया। जिससे पुलिस की कहानी पर संदेह उत्पन्न होता है। गवाहों के बयानों में पर्याप्त विरोधाभास मौजूद हैं। कोई फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। परिणामस्वरूप दोनों आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया गया।

दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग पर दो दिन रहेगा यातायात परिवर्तन

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ द्रुतमार्ग पर मरम्मत कार्य के चलते सात किलोमीटर के हिस्से में दो दिनों तक यातायात प्रभावित रहेगा। अधिकारियों ने वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी है।

जानकारी के अनुसार मेरठ से दिल्ली जाने वाली लेन पर शनिवार सुबह सात बजे से रविवार मध्यरात्रि तक वाहनों का संचालन बंद रहेगा। इस दौरान वाहनों को आइएमएस डासना निकास से राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर मोड़ा जाएगा। वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग-9 से होते हुए आइपीईएम महाविद्यालय के सामने से पुनः द्रुतमार्ग पर प्रवेश कर सकेंगे।यातायात पुलिस के अनुसार लालकुआं पुल के आसपास सड़क की मरम्मत और सुधार कार्य किया जाना है। इसी कारण यह अस्थायी यातायात परिवर्तन लागू किया गया है। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद रविवार देर रात से यातायात सामान्य रूप से संचालित होने लगेगा। अधिकारियों ने बताया कि आगामी दिनों में दिल्ली से मेरठ जाने वाली दिशा में भी सड़क सुधार कार्य कराया जाएगा, जिसके लिए अलग से यातायात व्यवस्था लागू की जा सकती है।प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले मार्ग की जानकारी प्राप्त कर अतिरिक्त समय लेकर निकलें, ताकि असुविधा से बचा जा सके।

घर बैठे कमाई का झांसा देकर साढ़े नौ लाख रुपये ठगे

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने घर बैठे कमाई का झांसा देकर साहिबाबाद निवासी व्यक्ति से साढ़े नौ लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शालीमार गार्डन एक्सटेंशन-दो निवासी सुभाष चंद शर्मा ने पुलिस को बताया कि मार्च 2026 में उनके पास टेलीग्राम के माध्यम से पार्ट टाइम ऑनलाइन काम का प्रस्ताव आया। संपर्क करने वाले लोगों ने दावा किया कि उन्हें गूगल रिव्यू और रेटिंग देने का आसान काम करना होगा, जिससे प्रतिदिन अच्छी आय हो सकती है। शुरूआत में कुछ टास्क पूरे कराने के बाद उनके खाते में छोटी-छोटी रकम भेजी गई। इससे उन्हें विश्वास हो गया कि काम वास्तविक है। इसके बाद उन्हें एक अन्य व्यक्ति से जोड़ा गया, जिसने क्रिप्टो से जुड़े टास्क पूरे करने को अनिवार्य बताया। शुरूआत में कुछ हजार रुपये निवेश कराने के बाद उन्हें अधिक मुनाफे का लालच दिया गया। आरोपी लगातार यह कहते रहे कि निर्धारित संख्या में टास्क पूरे होने के बाद उन्हें नियमित कर्मचारी बना दिया जाएगा और उनकी आय कई गुना बढ़ जाएगी। पीड़ित के मुताबिक कुछ समय बाद उनसे कहा गया कि उन्होंने गलती से गलत क्रिप्टो अकाउंट में निवेश कर दिया है, जिसके कारण उनकी रकम फ्रीज हो गई है। उसे अनफ्रीज कराने के लिए अतिरिक्त राशि जमा करने को कहा गया। बाद में क्रेडिट स्कोर कम होने, अकाउंट अपग्रेड करने और बड़े अमाउंट की निकासी के लिए विशेष खाते को सक्रिय कराने जैसे बहाने बनाकर लगातार रुपये जमा कराए गए।

पर्यावरण दिवस पर आईएमएस नोएडा में पौधारोपण

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) नोएडा में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुक्रवार को सेक्टर 62 स्थित संस्थान परिसर में शिक्षक एवं छात्रों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति सजगता तथा हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण का संदेश दिया। वहीं कार्यक्रम के दौरान संस्थान के स्टाफ एवं फैकल्टी ने एक दूसरे को भेज स्वरूप पौधे एवं कपड़े के बैग दिए। कार्यक्रम के दौरान अपना संदेश देते हुए आईएमएस नोएडा के प्रसिडेंट राजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण हमारी नैतिक, सामाजिक और वैश्विक जिम्मेदारी बन चुका है। यह न केवल हमारी वर्तमान पीढ़ी का दायित्व है, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध भविष्य देने का माध्यम भी है। हमें यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व ही सतत विकास का मार्ग है।

ग्रेटर नोएडा को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी मैदान

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में हॉकी खिलाड़ियों को जल्द ही अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला सिंथेटिक टर्फ मैदान मिलने जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण सेक्टर-37 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में करीब 10.30 करोड़ रुपये की लागत से हॉकी टर्फ का निर्माण कराएगा। परियोजना का शिलान्यास रविवार को होगा, जिसमें जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। प्राधिकरण अधिकारियों के अनुसार खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह परियोजना शुरू की जा रही है। निर्माण कार्य के तहत सिंथेटिक टर्फ के साथ ड्रेनेज सिस्टम, फ्लडलाइट और वाटर स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। निर्माण कार्य पूरा होने में लगभग एक वर्ष का समय लगेगा। परियोजना के दूसरे चरण में छह हजार दर्शकों की क्षमता वाली दीर्घा, खिलाड़ियों के लिए अलग पवेलियन और बहुमंजिला पार्किंग का निर्माण भी प्रस्तावित है। प्राधिकरण का मानना है कि इस सुविधा के विकसित होने से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण का अवसर मिलेगा। जेवर विधायक का कहना है कि आधुनिक सुविधाओं से लैस इस स्टेडियम के बनने से हॉकी के प्रशिक्षण के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा व आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मिल सकेगा। राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं भी यहां आयोजित की जा सकेंगी।

अपराधियों की 340 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर ने पिछले साढ़े तीन वर्षों में गैंगस्टर ऐक्ट के तहत बदमाशों की 340 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की। यह कार्रवाई संगठित अपराध, भूमाफिया, अवैध वसूली और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों पर की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक दिसंबर 2022 से 31 मई 2026 तक कमिश्नरेट पुलिस ने उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान अपराधियों पर लगातार कार्रवाई की गई। आंकड़ों के अनुसार इस अवधि में गैंगस्टर ऐक्ट के तहत कुल 198 मुकदमे दर्ज किए गए। इन मामलों में 1037 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। पुलिस ने केवल आपराधिक मामलों में कार्रवाई तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि अपराध से अर्जित संपत्तियों की पहचान कर उन्हें जब्त करने की प्रक्रिया भी तेज की। अपराधियों की 340 करोड़ 41 लाख 19 हजार 657 रुपये की संपत्ति जब्त की गई। इनमें भूमि, भवन, व्यावसायिक प्रतिष्ठान और अन्य चल-अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिन्हें अपराध के जरिए अर्जित किया गया था।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि अपराधियों के लिए जेल जाना कई बार अस्थायी परेशानी साबित होता है, लेकिन जब उनकी अवैध संपत्ति जब्त होती है तो उनके पूरे आर्थिक तंत्र पर असर पड़ता है। इसी सोच के तहत कमिश्नरेट पुलिस अपराधियों की आर्थिक जड़ों पर प्रहार करने की नीति पर काम कर रही है। यह अभियान विशेष रूप से उन अपराधियों के खिलाफ केंद्रित है, जो भूमि कब्जा, रंगदारी, धोखाधड़ी, अवैध वसूली और संगठित अपराध के जरिए आर्थिक साम्राज्य खड़ा करने का प्रयास करते हैं। संपत्ति जब्ती की कार्रवाई से ऐसे गिरोहों की आर्थिक शक्ति कमजोर हुई और अपराधियों में कानून का भय भी बढ़ा।अभियान आगे भी जारी रहेगापुलिस का दावा है कि लगातार की जा रही कार्रवाई का असर जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। आम लोगों में सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है, जबकि अपराध जगत से जुड़े लोगों को स्पष्ट संदेश मिला है कि अवैध कमाई और अपराध के जरिए अर्जित संपत्ति को किसी भी कीमत पर सुरक्षित नहीं रखा जा सकता।

श्रमिक की मौत मामले में साइट इंचार्ज पर केस

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार की शाम तेज आंधी की वजह से निमार्णाधीन सोसाइटी में दीवार गिरने से हुई श्रमिक की मौत के मामले में पुलिस ने साइट इंचार्ज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। श्रमिक के बेटे की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। आकाश ने पुलिस को बताया कि उसके पिता रंजीत गुरुवार को हिमस्फेयर सोसाइटी में काम कर रहे थे। इसी बीच शाम के समय अचानक आई तेज आंधी की वजह से एक दीवार का कुछ हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। सिर में ईंट लगने से उनके पिता रंजीत की मौत हो गई। यह हादसा साइट इंचार्ज की लापरवाही की वजह से हुआ। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

हॉकी स्टेडियम बनाने का काम कल से शुरू होगा

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शहर के सेक्टर-37 स्थित खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी स्टेडियम बनाने का काम जल्द शुरू हो जाएगा। हॉकी मैदान का भूमि पूजन सात जून को है। इसके साथ ही मौके पर काम शुरू करा दिया जाएगा। अधिकारी से मिली जानकारी के मुताबिक, प्राधिकरण इस पर 10.30 करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। विकासकर्ता एजेंसी का चयन कर कार्य आदेश जारी कर दिया गया है। यह जिले का पहला स्टेडियम होगा। भूमि पूजन के साथ ही मौके पर काम शुरू करा दिया जाएगा। पहले चरण में सिंथेटिक हॉकी टर्फ (कृत्रिम हॉकी घास मैदान) के अलावा जल निकासी के लिए आरसीसी नाली, फुटपाथ और पानी के छिड़काव के लिए आधुनिक व्यवस्था की जाएगी। हॉकी मैदान अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 101.4 मीटर और 63 मीटर का होगा। इस पूरी परियोजना की लागत करीब 10.5 करोड़ रुपये है। पहले चरण का काम एक साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद आगे की योजना बनाई जाएगी। बता दें कि यह जिले का पहला हॉकी स्टेडियम होगा। इस स्टेडियम में 6000 से अधिक दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। भविष्य में यहां बहुमंजिला पार्किंग भी बनाई जाएगी। हॉकी स्टेडियम के लिए जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह की तरफ से पहल की गई थी। बता दें कि सेक्टर- 37 में 10.5 एकड़ से अधिक जमीन खेल परिसर के लिए आरक्षित की गई है। इसमें से सवा एकड़ में हॉकी स्टेडियम बनाया जा रहा है। आधुनिक सुविधाओं वाले इस अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम के बनकर तैयार हो जाने के बाद हॉकी के प्रशिक्षण के लिए नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के खिलाड़ियों को इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने में भी आसानी होगीअन्य खेलों की भी सुविधाएं बढ़ाई जाएंगीसरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत ग्रेटर नोएडा के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में खेल सुविधाएं बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इसके तहत प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में खेल मैदान विकसित करने के साथ शहरी क्षेत्र में भी सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं। शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। इसमें निजी क्षेत्र की मदद ली जा सकती है। खेलों को बढ़ावा देने के लिए ही सेक्टर-37 स्थित खेल परिसर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम का निर्माण किया जा रहा है। अधिकारी के मुताबिक इस खेल परिसर में क्रिकेट के लिए नेट प्रैक्टिस और अन्य खेलों की सुविधा भी होगी। इसकी योजना बाद में बनाई जाएगी। ग्रेटर नोएडा में बनने वाले हॉकी मैदान को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा, यहां सभी जरूरी सुविधाएं होंगी। इससे क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। प्राधिकरण की तफर से क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है। इसके लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं।

घरेलू सहायिका से मारपीट के विरोध में हंगामा

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। शहर की पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसाइटी में फ्लैट मालकिन ने घरेलू सहायिका से मारपीट की। इस घटना के विरोध में शुक्रवार की सुबह घरेलू सहायिकाओं ने सोसाइटी के गेट पर प्रदर्शन किया। सड़क जाम कर आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस के काफी समझाने के बाद मामला शांत हुआ। पुलिस के मुताबिक खेरली भाव की रहने वाली महिला सरिता पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसाइटी में घरेलू सहायिका का काम करती है। फ्लैट मालकिन से गुरुवार को उसका विवाद हो गया। आरोप है कि इस बीच फ्लैट मालकिन ने मारपीट की। इसकी शिकायत पीड़िता ने पुलिस और सोसाइटी में काम करने वाली अन्य घरेलू सहायिकाओं से की। घटना के विरोध में शुक्रवार की सभी घरेलू सहायिकाएं सोसाइटी के गेट पर इकट्ठा हो गईं। महिलाओं ने घटना के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर दिया और सड़क पर जाम लगाकर हंगामा किया। आरोपी महिला फ्लैट मालकिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। महिलाओं के हंगामा की सूचना पर बीटा-2 कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि महिलाओं को समझाया गया और उन्हें बताया गया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपी महिला के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद प्रदर्शन करने वाली महिलाएं शांत हुईं और काम पर लौटीं।रुपये वापस न करने पर विवाद पुलिस की शुरूआती जांच में पता चला है कि घरेलू सहायिका ने फ्लैट मालकिन से कुछ रुपये एडवांस लिए थे। इसके बाद घरेलू सहायिका ने काम पर जाना बंद कर दिया। फ्लैट मालकिन ने फोन किया तो फोन भी नहीं उठाया। इस बीच फ्लैट मालकिन ने गुरुवार को सोसाइटी में घरेलू सहायिका को पकड़ लिया अपने रुपये वापस मांगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। घरेलू सहायिका ने मारपीट करने का आरोप लगाया।

ग्रीन बेल्ट में कूड़ा डालने से रोकने पर निगम के मुख्य अभियंता को धमकी

ट्रांस हिंडन। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट में कूड़ा डालने का विरोध करने पर नगर निगम के मुख्य अभियंता से गालीगलौज और धमकी देने का मामला सामने आया है। मामले में थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। नगर निगम के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने पुलिस को बताया कि वह कि तीन जून को अपने कार्यालयसे लौट रहे थे। रास्ते में कनावनी पुलिया से पहले आश्रम रोड पर हेमंत सोलंकी द्वारा ग्रीन बेल्ट में कूड़ा फेंका जा रहा था। आरोप है कि उन्होंने ग्रीन बेल्ट में कूड़ा डालने से मना किया तो हेमंत ने उनके साथ गालीगलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही यह भी कहा कि ज्यादा से ज्यादा पांच हजार रुपये जुमार्ना ही तो लोगे। इसके बाद वह गाड़ी खराब होने का बहाना बनाने लगा। एनके चौधरी का कहना है कि उन्होंने पुलिस को सूचना दी। उनका कहना है कि शहर में स्वच्छता सर्वेक्षण भी चल रहा है। इसके बावजूद गंदगी फैलाई जा रही है।

ग्रेटर नोएडा में मेड से मारपीट

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के चाई-5 क्षेत्र स्थित पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसायटी में एक घरेलू सहायिका (मेड) के साथ कथित मारपीट की घटना के बाद शुक्रवार को भारी हंगामा देखने को मिला। इतना ही नहीं घटना से नाराज महिलाओं ने सोसायटी के बाहर प्रदर्शन करते हुए जमकर हंगामा किया। वहीं, घटना से नाराज बड़ी संख्या में घरेलू सहायिकाएं सड़क पर उतर आईं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते सैकड़ों महिलाएं एकत्र हो गईं और चुहरपुर अंडरपास के पास सड़क जाम कर अपना विरोध दर्ज कराया। जानकारी के अनुसार, पूर्वांचल रॉयल सिटी सोसायटी में कार्यरत एक घरेलू सहायिका के साथ फ्लैट मालिकन द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर हुए विवाद के दौरान फ्लैट मालिकन ने घरेलू सहायिका को थप्पड़ मार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के क्षेत्रों में काम करने वाली अन्य घरेलू सहायिकाएं भी बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गईं और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोप लगाया कि घरेलू कामगारों के साथ कई बार अभद्र व्यवहार किया जाता है और इस तरह की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। महिलाओं ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। विरोध के दौरान चुहरपुर अंडरपास पर यातायात भी प्रभावित हुआ और कुछ समय के लिए वाहनों की आवाजाही बाधित रही। घटना की सूचना मिलते ही थाना बीटा-2 पुलिस मौके पर पहुंची।

घायल होने का नाटक कर कार के अंदर से मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का सरगना साथी संग गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। फेज-1 थाने की पुलिस ने मोबाइल फोन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का शुक्रवार को पदार्फाश कर सरगना और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एक नाबालिग को भी अभिरक्षा में लिया। आरोपियों से 67 मोबाइल फोन, छह मोबाइल फोल्डर, एक लैपटॉप, मोबाइल खोलने के उपकरण तथा दो चाकू बरामद हुए। बरामद सामान की कीमत करीब 15 लाख रुपये है। एडिशनल डीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने सेक्टर-14 स्थित नाले की पटरी के पास से पवन और गोलू को गिरफ्तार किया। एनके साथ एक नाबालिग भी पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने मोबाइल चोरी और स्नेचिंग की कई वारदातों का खुलासा किया। जांच में सामने आया कि यह गिरोह दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय था। आरोपियों ने बताया कि नाबालिग अचानक किसी चलती गाड़ी के सामने आकर घायल होने का नाटक करता और चिल्लाने लगता था। वाहन चालक जब गाड़ी से उतरकर स्थिति देखने पहुंचता, तो गोलू गाड़ी की दूसरी ओर से खिड़की खोलकर मोबाइल फोन चोरी कर लेता। आरोपी राहगीरों से झपटमारी और पीजी और बंद पड़े मकानों में भी चोरी करते थे। आरोपी राह चलते लोगों को अपनी मजबूरी बताकर बेहद कम कीमत पर मोबाइल बेच देते थे। जो मोबाइल फोन नहीं बिक पाते थे, उन्हें गिरोह का मुख्य सदस्य पवन अपने लैपटॉप और तकनीकी उपकरणों की मदद से अनलॉक करने का प्रयास करता था।

फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा शकीरा ने गाए सॉन्ग

सॉन्ग 'दाई दाई' भी रिलीज

मेक्सिको (एजेंसी)। फुटबॉल का सबसे बड़ा टूर्नामेंट 'फीफा वर्ल्ड कप' 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको की संयुक्त मेजबानी में शुरू होने वाला है. इस टूर्नामेंट का ऑफिशियल सॉन्ग 'दाई दाई' भी रिलीज कर दिया गया है, जिसे कोलंबिया की मशहूर गीतकार शकीरा और नाइजीरिया के गायक बर्ना बॉय ने गाया है।

लेकिन क्या आप फीफा वर्ल्ड कप के ऑफिशियल सॉन्ग के इतिहास के बारे में जानते हैं? ये कब शुरू हुआ? फीफा ने कब से ऑफिशियल सॉन्ग को अपनाना शुरू किया? और सबसे मशहूर फीफा सॉन्ग कौन सा है? इस स्टोरी में हम आप को सब कुछ बताने वाले हैं।

ऑफिशियल सॉन्ग की परंपरा कब शुरू हुई?

किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए उसका ऑफिशियल सॉन्ग टूर्नामेंट का एक मुख्य आकर्षण होता है. जिसे टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले रिलीज किया जाता है. ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को टूर्नामेंट की तरफ खींचा जा सके. ऐसे ही फीफा वर्ल्ड कप का ऑफिशियल सॉन्ग भी टूर्नामेंट का एक मुख्य आकर्षण होता है। हर चार साल में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप की शुरुआत 1930 में हुई थी. लेकिन वर्ल्ड कप के आयोजकों ने 1962 से ऑफिशियल थीम सॉन्ग या एंथम, या दोनों जारी करने का फैसला किया. हालांकि फीफा 1990 तक ऑफिशियल सॉन्ग ये कह कर अपनाने से बचते रहे कि इन सॉन्ग में ग्लोबल अपील की कमी है।

चिली में शुरू हुआ

आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड कप गानों का इतिहास 1962 में चिली में शुरू हुआ, जब चिली के एक बैंड, लूस रिमेवर्ल्स का एक गाना, जिसका टाइटल ' ईआई रॉक डेल मनडायर्ल था, वर्ल्ड कप का ऑफिशियल गाना घोषित किया गया. हालांकि, यह गाना चिली की नेशनल टीम के लिए एक चीयर एंथम जैसा ज्यादा था और इसमें ग्लोबल अपील की कमी थी. अगले कुछ वर्ल्ड कप में, मेजबान देशों ने ऐसे गाने रिलीज किए जिनमें केवल लोकल अपील थीं. वर्ल्ड कप से प्रेरित गाने 1962 से ही रिलीज होते रहे हैं, लेकिन फीफा ने उन सभी को नहीं अपनाया है. लेकिन 1990 से फीफा ऑफिशियल सॉन्ग और एंथम को अपनाता चला आ रहा है।

फीफा वर्ल्ड कप के लोकप्रिय सॉन्ग

- **फीफी 2010 (साउथ अफ्रीका) :** वाका वाका ये फीफा का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला और फुटबॉल वर्ल्ड कप का सबसे लोकप्रिय ऑफिशियल सॉन्ग माना जाता है. इस सॉन्ग को शकीरा और फ्रेशलीग्राउंड ने गया था. यूट्यूब पर इस वीडियो को 4 अरब से ज्यादा बार देखा गया है, रिलीज के बाद से इसकी 8.67 मिलियन डिजिटल कॉपी बिक चुकी हैं।
- **फीफा 1998 (फ्रांस) :** ला कोपा दे ला विदा भी फीफा वर्ल्ड कप के बेहतरीन सॉन्ग में से एक सॉन्ग है. जिसको की अमेरिका के फेमस सिंगर रिकी मार्टिन ने गाया है. इस अंग्रेजी और स्पेनिश, दोनों भाषाओं में रिकॉर्ड किया गया था. मार्टिन के इस गाने, जो उनके करियर का एक गेम-चेंजर साबित हुआ, ने 'बेस्ट लैटिन पॉप परफॉर्मेंस' के लिए ग्रैमी अवॉर्ड जीता था।
- **फीफा 1994 (अमेरिका) :** ग्लोरीलैंड, डेरिल हॉल और साउंड्स ऑफ ब्लैकनेस ने एक पारंपरिक भजन को आधार बनाकर, 1994 में अमेरिका में हुए विश्व कप के लिए 'ग्लोरीलैंड' गीत के बोल लिखे और उसे संगीत का रूप दिया. उस समय कुछ लोगों ने 'ग्लोरीलैंड' की आलोचना करते हुए कहा था कि यह गीत जरूरत से ज्यादा भावुक और मेलोड्रामाटिक है. यह गीत भव्य है, देशभक्ति से ओत-प्रोत है, ज़रा ज़्यादा ही ज़ोरदार है और इसकी गति बेहद धीमी है -- और फिर भी, तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, इसे सुनकर हमारे रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

श्रेयस अय्यर होंगे भारत के अगले टी20 कप्तान

सूर्यकुमार की जगह लेंगे, बीसीसीआई ने कर लिया फैसला!

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के गलियारों से एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है, जो करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को चौंका सकती है। टी-20 फॉर्मेट में भारतीय टीम का नेतृत्व अब 'मिस्टर 360' सूर्यकुमार यादव के हाथों में नहीं रहेगा। सूत्रों के अनुसार, श्रेयस अय्यर भारत के अगले टी-20 कप्तान बनने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और वे सूर्यकुमार यादव की जगह लेंगे। हालांकि एपेक्स काउंसिल की ऑनलाइन मीटिंग में इस पर आधिकारिक चर्चा नहीं हुई है, लेकिन शीर्ष पदाधिकारियों को अय्यर को कप्तान नियुक्त करने की इच्छा के बारे में सूचित कर दिया गया है।

तिलक वर्मा बनेंगे टीम के नए 'डिप्टी'

कप्तान के साथ-साथ टीम के उपकप्तान को लेकर भी बड़ा फैसला लिया गया है। श्रेयस अय्यर के साथ तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाए जाने की बात चल रही है। बीसीसीआई के शीर्ष अधिकारी तिलक को यह बड़ी जिम्मेदारी सौंपने के लिए तैयार हैं और यह फैसला सिलेक्टर्स व कोच की सर्वसम्मति से लिया गया है। संभवतः 6 जून को कप्तान के चयन के लिए होने वाली बैठक में अय्यर से परामर्श भी लिया जाएगा।

क्या सूर्या का पत्ता पूरी तरह कट गया?

सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि क्या टी-20 वर्ल्ड कप विजेता कप्तान सूर्या को केवल कप्तानी से हटाया गया है या वे टीम से भी बाहर होंगे? आधिकारिक तौर पर तो कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन संकेतों से साफ है कि सूर्या की टीम से भी छुट्टी हो सकती है। एशियन गेम्स के लिए जारी हुई संभावित खिलाड़ियों की लिस्ट में सूर्या का नाम शामिल नहीं था, जिससे यह अंदेशा गहरा गया है।

15 साल का 'तूफान' मचाएगा धमाल

इस नई टीम में केवल कप्तानी ही नहीं बदली जा रही, बल्कि एक युवा सितारे की एंट्री भी होने वाली है। आयरलैंड दौरे के लिए 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिलने की उम्मीद है। वैभव ने आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से कोहराम मचा दिया था, जहाँ उन्होंने 16 पारियों में 776 रन कूटे थे, जिसमें एक शानदार शतक और 5 अर्धशतक शामिल थे।

6 जून को हटेगा सस्पेंस से पर्दा

आयरलैंड दौरे पर होने वाली टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 6 जून को किया जाएगा। इसी दिन आधिकारिक तौर पर श्रेयस अय्यर के नाम पर मुहर लग जाएगी। अब देखना यह होगा कि अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया जीत के किस नए शिखर को छूती है।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे साई, चार स्पिनरों को तैयार करेगा भारत: गंभीर

मुल्लांपुर (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने शुक्रवार को कहा कि साई सुदर्शन को टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने का उचित मौका नहीं मिला है और संकेत दिया कि अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से यहां होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले देवदत्त पडिक्कल के बजाय बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को प्राथमिकता दी जाएगी।

गंभीर ने यह भी कहा कि टीम अगस्त में श्रीलंका दौरे के लिए चार स्पिनरों को तैयार करेगी. भारत और अफगानिस्तान के बीच यह टेस्ट मैच मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है लेकिन यह आगामी श्रृंखलाओं को देखते हुए टीम संयोजन तैयार करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।गंभीर ने पत्रकारों से कहा, ''साई सुदर्शन को उचित मौका नहीं मिला है. उन्होंने अधिकतर मैच इंग्लैंड में खेले और मुझे लगता है कि उन्हें उचित मौका मिलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''हम (केवल) 11 (खिलाड़ियों) का चयन कर सकते हैं और साई खराब फॉर्म में नहीं हैं. उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं. अगर हम साई का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे।''

मानव सुथार और हर्ष दुबे के बीच बाएं हाथ के स्पिनर के एक स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा हैं और गंभीर ने कहा कि भारत को श्रीलंका में अगस्त में होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए स्पिन गेंदबाजी के कई विकल्प तैयार करने होंगे।उन्होंने कहा, ''मानव और हर्ष कुछ हद तक एक जैसे खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके गेंद फेंकने के तरीके में कुछ अंतर भी हैं. इस मैच से हमें अपना चौथा स्पिनर तैयार करने में मदद मिलेगी क्योंकि हम श्रीलंका में चार स्पिनर लेकर जाएंगे।'' गंभीर ने कहा, '''न्यूजीलैंड का दौरा करने पर हमें अलग तरह से तैयारी करनी होगी. हमारा मानना है कि हमें टेस्ट मैचों के लिए बेहतर तैयारी करने की जरूरत है.''टेस्ट उप-कप्तान के पद से ऋषभ पंत को हटाए जाने के संदर्भ में गंभीर ने कहा कि इस बल्लेबाज को उनका समर्थन हासिल है, लेकिन उन्हें खेल की स्थिति को बेहतर ढंग से समझने की जरूरत है। भारतीय कोच ने कहा, ''हम ऋषभ पंत की खेल की शैली में बदलाव नहीं चाहते, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खिलाड़ियों के लिए मैच की परिस्थितियों का सम्मान करना जरूरी होता है।

एशियाई अंडर-18

हॉकी सेमीफाइनल में चीन से हारी भारतीय महिला टीम

काकामिगाहारा(एजेंसी)। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम शुक्रवार को यहां एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीन से पेनल्टी शूटआउट में हार गई और इस तरह से स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर हो गई। भारतीय टीम चार क्वार्टर तक चले रोमांचक मुकाबले के 2-2 से बराबर रहने के बाद शूटआउट में 1-3 से हार गई. भारत की तरफ से निर्धारित समय में नौशीन नाज (तीसरे मिनट) और किरण एक्का (54वें मिनट) ने गोल दागे, जबकि ली ज़ेयान (24वें मिनट) और झांग युज़ेंग (48वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए।महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल मैच जापान और कोरिया के बीच खेला जाएगा. भारत शनिवार को कांस्य पदक के लिए इस मैच में हारने वाली टीम से भिड़ेगा. भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत करते हुए तीसरे मिनट में ही गोल दाग दिया. कप्तान स्वीटी कुजुर ने मिडफील्ड से नौशीन को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने जोरदार बैक-हैंड शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

रोमांच का नया अध्याय

जहां पैदल चलना मुश्किल, वहां दौड़ी माउंटेन बाइकें

देहरादून (एजेंसी)। भारत-चीन सीमा से सटी उत्तराखंड की दुर्गम नीति घाटी इन दिनों केवल सामरिक महत्व के लिए ही नहीं बल्कि साहसिक खेलों के नए केंद्र के रूप में भी देशभर में पहचान बना रही है. जिन ऊंचे पहाड़ों और कठिन रास्तों पर सामान्य व्यक्ति कुछ किलोमीटर पैदल चलने में ही थक जाता है, वहां उत्तराखंड सरकार ने नीति एक्सट्रीम अल्ट्रा रन जैसे भव्य आयोजन के जरिए रोमांच और पर्यटन का नया इतिहास रच दिया है. तीन दिनों तक चले इस आयोजन ने सीमांत क्षेत्र को खेल संस्कृति और पर्यटन गतिविधियों के राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने का काम किया ।पर्यटन विभाग द्वारा भारतीय सेना और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के सहयोग से आयोजित इस मेगा इवेंट का समापन जून को गमसाली से मलारी के बीच आयोजित 30 किलोमीटर माउंटेन बाइकिंग (एमटीबी) चैलेंज के साथ हुआ. समुद्र तल से हजारों फीट की ऊंचाई पर बने दुर्गम ट्रैक, तीखी चढ़ाइयों और चुनौतीपूर्ण पहाड़ी रास्तों के बीच देशभर से पहुंचे खिलाड़ियों ने अपने साहस और धैर्य का शानदार प्रदर्शन किया.

पाकिस्तान ने तीसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया को हराया

लाहौर (एजेंसी)। शाहीन शाह अफरीदी (तीन विकेट) के बाद बाबर आजम (40) और शादाब खान (नाबाद 29) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में 49 गेंदें शेष रहते ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने लाहौर की जबरदस्त टर्न वाली पिच पर हिम्मत और धर्य के साथ खेलते हुए 41.5 ओवरों में छह विकेट पर 161 रन बनाकर मुकाबला और सीरीज अपने नाम की। पाकिस्तान के लिए बाबर आजम ने सर्वाधिक 40 रनों की पारी खेली। माज सदाकत (27), आगा सलमान (15) रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा अब्दुल समद ने (नाबाद 18) और शादाब खान (नाबाद 29) रनों की जूझारु पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैथ्यू कुनमन ने तीन विकेट लिये।

पूर्व सिलेक्टर सबा करीम ने कहा-

रोहित को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए खुद को साबित करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और सिलेक्टर सबा करीम का कहना है कि विराट कोहली की फिटनेस और रन बनाने की भूख ने भारतीय सेलेक्टर्स को 'पूरी तरह से आश्वस्त' कर दिया है, लेकिन पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम में चुने जाने के लिए अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करनी होगी। कोहली और रोहित दोनों ने टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है और अगले साल होने वाले 50-ओवर के वर्ल्ड कप को भारत के लिए खेले जाने वाले एकमात्र फॉर्मेट से उनके हटने से पहले के आखिरी पड़ाव के तौर पर देखा जा रहा है। करीम ने मीडिया से कहा, 'मुझे लगता है कि रोहित को बहुत मेहनत करनी होगी। उन्हें अपनी फिटनेस और बैटिंग परफॉर्मेंस पर काम करना होगा। मुझे लगता है कि सेलेक्टर्स अगले छह महीनों तक रोहित के प्रदर्शन पर बारीकी से नजर रखेंगे ताकि यह तय किया जा सके कि वह टीम का हिस्सा बन सकते हैं या नहीं। (लेकिन) विराट कोहली के मामले में, मुझे यकीन है कि वे पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि वह 2027 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा होंगे।' करीम ने कहा, '...क्योंकि अपने प्रदर्शन और फिटनेस लेवल, (और) रन बनाने की भूख के जरिए उन्होंने यह सब साबित कर दिया है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इस स्टेज पर विराट को सेलेक्टर्स को कुछ भी साबित करने की जरूरत है। हालांकि, अगर रोहित सेलेक्टर्स की वर्ल्ड कप प्लानिंग में वापस आना चाहते हैं, तो उन्हें बहुत ज्यादा मेहनत करनी होगी।' करीम ने कहा कि कोहली ने अपने करियर के आखिरी दौर में टी20 फॉर्मेट में अपना स्कोरिंग रेट बढ़ाया है, जिससे वह अब तक के सबसे बेहतरीन मल्टी-फॉर्मेट भारतीय क्रिकेटरों में से एक बन गए हैं।

कर्नाटक में डीके शिवकुमार की सरकार बनते ही कलह, विभाग बंटवारे से नाराज मंत्री रामलिंगा रेड्डी का इस्तीफा

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में विभागों के आवंटन से नाराज होकर राज्य सरकार के मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कैबिनेट से अपना इस्तीफा देने की घोषणा कर दी है। रामलिंगा रेड्डी का कहना है कि सरकार गठन और विभागों के बंटवारे के समय उनसे बेंगलुरु विकास विभाग सौंपने का वादा किया गया था। यह जिम्मेदारी न मिलने के कारण वे अपनी ही सरकार के फैसले से नाखुश थे, जिसके चलते उन्होंने कैबिनेट छोड़ने का यह बड़ा कदम उठाया। बेंगलुरु में अपने फैसले की जानकारी देते हुए और अपना रुख स्पष्ट करते हुए रेड्डी ने कहा कि मैं अपनी अंतरात्मा के खिलाफ जाकर काम नहीं कर सकता। यही कारण है कि मैं मंत्री पद से अपना इस्तीफा दे रहा हूं। मंत्री पद से इस्तीफा देने के बावजूद रामलिंगा रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि वे कांग्रेस पार्टी का साथ नहीं छोड़ रहे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे विधायक के रूप में अपने क्षेत्र और जनता के लिए काम करना जारी रखेंगे और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा नहीं देंगे। यह इस्तीफा मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार द्वारा गुरुवार रात विभागों के बंटवारे के बाद आया है। यह शिवकुमार सरकार के लिए एक बड़ा झटका था, जो बुधवार को सत्ता में आई थी। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच कांग्रेस नेतृत्व ने नाराज मंत्री को मनाने की आखिरी कोशिश की, लेकिन वे अपने फैसले पर अडिग रहे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व का संदेश लेकर आए नेताओं से कहा कि अब किसी भी सुझाव पर ध्यान देने का समय निकल चुका है।

फरीदाबाद हादसा: आंधी-बारिश से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे थे श्रमिक, हादसे से तुरंत पहले क्या हुआ था?

फरीदाबाद, एजेंसी। आंधी और वर्षा से बचने के लिए पोर्टा केबिन में घुसे श्रमिकों को अंदाजा नहीं था कि क्रेन फिसलकर इतनी दूर आ जाएगी। वे खुद को सुरक्षित करने के लिए ही उसमें घुसे थे। उनका यही कदम जानलेवा साबित हुआ। क्रेन पोर्टा केबिन से करीब 200 मीटर की दूरी पर पटरी पर खड़ी थी। वर्षा के कारण पटरी पर कीचड़ और फिसलन हो गई। आंधी से क्रेन पोर्टा केबिन की ओर फिसलने लगी और पास जाकर ठीक उसके ऊपर पलट गई। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों में चीख–पुकार मच गई। श्रमिक इधर–उधर भागने लगे। मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया। मौके पर मौजूद अन्य श्रमिकों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर थोड़ी देर में ही आग की तरह फैल गई। कुछ देर में ही प्रशासनिक हमला मौके पर पहुंच गया। मौके पर काफी संख्या में भीड़ भी जमा हो गई। बचाव दल ने बताया कि फिसलन, कीचड़, अंधेरे और मौके पर जमा भीड़ के कारण बचाव कार्य में परेशानी आई। पुलिस ने पूरे घटनास्थल को चार जोन में बांटकर बचाव कार्य शुरू किया। कटर से पोर्टा केबिन को काटा गया। पहले जो श्रमिक बाहर आया, वह सुरक्षित था, इससे सभी को लगा कि बाकी श्रमिक भी सुरक्षित होंगे। क्रेन के नीचे खिसकने का डर लगातार बना हुआ था। इसलिए पोर्टा केबिन को काटने के बाद कांटा श्रमिकों के कपड़ों में फंसाकर उन्हें बाहर खींचा गया। बा उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना बेहद दुखद है। मौके पर एलिवेटेड मार्ग के स्लैब उठाने के लिए पटरी बिछाई गई थी जिसके ऊपर क्रेन चलती थी। फिलहाल इस मामले में किसी की लापरवाही सामने नहीं आई है। बाकी मौके पर श्रमिकों की सुरक्षा के और पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे । वर्षा के दौरान ग्रेटर फरीदाबाद के कई गांवों मे बिजली के खंभे गिर गए। मोहना, छांयसा, पन्हैड़ा तथा आसपास के क्षेत्र में 20 से अधिक खंभे गिरे। पन्हैड़ा में ट्रांसफार्मर गिरने से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। गांवों के अलावा शहरी क्षेत्र में भी थोड़ी देर के लिए बिजली गुल हो गई थी। वर्षा रुकने के बाद बिजली आपूर्ति चालू कर दी गई थी। अभियंता पंकज पंवार ने बताया कि बिजली आपूर्ति दुरुस्त करने को समय रहते मरम्मत कार्य चालू कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर अफसर को फटकार लगाई

योगी के करीबी अफसर संजय प्रसाद को हाईकोर्ट ने लगाई तगड़ी फटकार

इलाहाबाद , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में एक मामले की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहद करीबी माने जाने वाले एक अफसर को तगड़ी फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) संजय प्रसाद के रवैये पर नाराजगी जताई। इस दौरान हाईकोर्ट ने उनके आचरण को लेकर भी बेहद तीखी टिप्पणियां की हैं। कोर्ट ने कहा कि राज्य में सुधार लाने के लिए अदालती स्तर पर जो भी कोशिशें की जा रही हैं, उन्हें प्रशासनिक स्तर पर सहयोग ही नहीं मिल रहा है। कोर्ट ने ये टिप्पणियां एक महिला द्वारा दायर याचिका पर की। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक महिला की नाबालिग बेटी कई दिनों से लापता थी और पुलिस उसे तलाशने में नाकाम रही। कोर्ट ने पाया कि मामले के जांच अधिकारी ने निष्पक्ष और प्रभावी जांच नहीं की। जब जस्टिस विनोद दिवाकर की पीठ ने एसीएस (गृह) संजय प्रसाद से लगातार हो रही इस

अनदेखी की वजह पूछी, तो सरकार की तरफ से एक हलफनामा दाखिल किया गया। गृह सचिव द्वारा दाखिल इस हलफनामे में कहा गया कि राज्य सरकार ने 'सुभाष चंद्र' मामले के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला किया है, इसलिए हाईकोर्ट को आगे कोई आदेश पारित करने से बचना चाहिए।

इस पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने सवाल उठाए कि प्रशासन एक साल तक क्यों बैठा रहा। कोर्ट ने नोट किया कि मई 2025 में आए आदेश को करीब एक साल तक चुनौती नहीं दी गई। जब कोर्ट ने एसीएस (गृह) से स्पष्टीकरण मांगा, तब जाकर इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का फैसला लिया गया। वहीं हाईकोर्ट ने इस मामले की सुनवाई को 3 महीने के लिए टाल दिया ताकि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट से कोई निर्देश ला सके, इसके बावजूद सरकार सुप्रीम कोर्ट का कोई आदेश पेश नहीं कर पाई। इस मामले में हाईकोर्ट ने संजय प्रसाद के आचरण पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा कि कोर्ट के निर्देशों का पालन करने में उनकी ओर से स्पष्ट अनिच्छा दिखाई देती है। अदालत ने कहा, 'अगर इस तरह के व्यवहार को अनदेखा किया गया तो जिद्दी प्रशासनिक अधिकारियों की वजह से संवैधानिक अदालतों के आदेश का कोई मतलब ही नहीं बचेगा। यह एक खतरनाक उदाहरण पेश करेगा। अदालत ऐसे आचरण पर चुप चाप नहीं बैठी सकती। इलाहाबाद हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद उत्तर प्रदेश के प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। इसकी वजह यह है कि संजय प्रसाद राज्य की ब्यूरोक्रेसी का सबसे रसूखदार और ताकतवर चेहरा हैं। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे भरोसेमंद अधिकारी माना जाता है। संजय प्रसाद उत्तर प्रदेश कैडर के 1995 बैच के सीनियर आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह राज्य के अपर मुख्य सचिव (एसीएस - गृह) के पद पर तैनात हैं। पूरे प्रदेश की कानून-व्यवस्था की कमान उन्हीं के हाथों में है। संजय प्रसाद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे खास, भरोसेमंद और करीबी अफसर माना जाता है।

गाजियाबाद सूर्या हत्याकांड: हिंदू संगठनों की चेतावनी, जुमे की नमाज पर खोड़ा में पुलिस का कड़ा पहरा

साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी। गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में बकरीद के दिन हुए सूर्या हत्याकांड के बाद हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने की चेतावनी को देखते हुए पुलिस अलर्ट है। शुक्रवार यानी आज होने वाली नमाज के लिए पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा की दृष्टि से खोड़ा में नमाज के समय एक हजार जवान तैनात करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। बकरीद के दिन असद ने सूर्या चौहान को कुर्बानी दिखाने की बात कहते हुए उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद सूर्या के भाई यश ने असद, नवाब, फरहान, आतिफ और सारिक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। असद की पुलिस मुठभेड़ में मौत हो गई थी, जबकि अन्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। घटना के बाद कई राजनेता और हिंदू संगठन के पदाधिकारी मृतक के परिजनों से मिलने पहुंचे थे। घटना से गुस्साए हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने जुमे की नमाज न होने देने का दावा किया था। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि जुमे की नमाज को लेकर पुलिस अलर्ट है। खोड़ा में नमाज के समय आधा दर्जन से अधिक थानों के पुलिस फोर्स समेत आरपीएफ, आरएएफ, पीएसी के जवानों तैनात रहेंगे। खोड़ा में 19 मस्जिद हैं। सभी पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात रहेगा।

आंधी, बारिश और ओले: तीन दिन मौसम मचाएगा तूफान, दिल्ली-यूपी समेत 19 राज्यों में अलर्ट

लखनऊ, नई दिल्ली, एजेंसी। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए राहत अपने साथ कुछ मुसीबतें भी लेकर आई है। 4 जून को केरल में मानसून की एंट्री के साथ ही देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया है। बीते दिन दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में आई तेज आंधी और बारिश ने जहां तापमान में भारी गिरावट ला दी, वहीं पेड़ और बिजली के खंभे गिरने से जलभराव और नुकसान जैसी परेशानियां भी देखने को मिलीं। मौसम विभाग की मानें तो आज यानी 5 जून को भी मौसम का यह रौद्र रूप जारी रहेगा। आइए आसान भाषा में जानते हैं कि आज आपके राज्य और शहर में मौसम कैसा रहने वाला है।

मौसम विभाग ने आज देश के 19 राज्यों में तेज बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं।

पूर्वोत्तर भारत में तो अगले 5-6 दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में भी आज मौसम खराब रह सकता है। देश के 19 राज्यों दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, केरल, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और असम में झामाझम बारिश की अलर्ट जारी की गई हैं।

दिल्ली-हृष्ट्र में कैसा रहेगा मौसम? दिल्ली और एनसीआर के लोगों को आज भी गर्मी से राहत मिलेगी। आसमान में दिनभर बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर तक 60 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ-साथ बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। यह सुहाना मौसम 6 जून को भी बना

रह सकता है। आज दिल्ली का अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। उत्तर प्रदेश के 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट यूपी में आज मौसम काफी आक्रामक रह सकता है। राज्य के 38 जिलों के लिए चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 70-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। यूपी के 21 जिले प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, झांसी, बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, ललितपुर और आस-पास के इलाके ऑरेंज अलर्ट । येलो अलर्ट (17 जिले): कानपुर नगर, कानपुर देहात, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, अमेठी, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, मथुरा, हाथरस, एटा, मैनपुरी, औरैया और बिजनौर। बिहार और पड़ोसी राज्य झारखंड में भी तूफानी हवाओं के साथ बारिश की पूरी संभावना है। कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं। झारखंड के रांची, धनबाद, बोकारो, जामताड़ा, दुमका, साहेबगंज, गिरिडीह, सरायकेला और पलामू जैसे इलाकों में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और तेज बारिश का अनुमान है। मध्य प्रदेश वालों को भी अभी संभलकर रहने की जरूरत है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों तक राज्य में बारिश, आंधी और ओले गिरने का दौर जारी रहेगा।

कुवैत एयरपोर्ट पर ईरान के हमले में उज्जैन के मंजूर अहमद की मौत, वतन वापसी के लिए फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे

कुवैत , एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव की आग ने एक निर्दोष भारतीय की जान ले ली है, जिससे मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में कोहराम मच गया है। कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुए भीषण ड्रोन हमले में नागदा निवासी 55 वर्षीय मंजूर अहमद की दर्दनाक मौत हो गई। मंजूर अहमद पिछले 30 सालों से अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए कुवैत में दर्जी का काम कर रहे थे और एक लंबे अरसे के बाद खुशी-खुशी घर लौट रहे थे। मंजूर अहमद बुधवार सुबह करीब साढ़े सात बजे कुवैत से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाले थे, जहां से उन्हें ट्रेन द्वारा अपने गृह नगर पहुंचना था। उनके परिवार ने उनके स्वागत की भव्य तैयारियां कर रखी थीं और रेलवे स्टेशन पर फूल-मालाओं के साथ उनका इंतजार करने की योजना बनाई थी। मंजूर 8 जून को पड़ोसी जिले रतलाम में होने वाली अपने भतीजे की शादी में शामिल होने के लिए आ रहे थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। उनकी मौत की खबर मिलते ही शादी वाले घर की खुशियां चीख-पुकार में बदल गईं।

बेटे से हुई आखिरी बात, फिर मिली मौत की खबर: मंजूर के 18 वर्षीय बेटे अनस अहमद ने रुंधे गले से बताया कि मंगलवार को ही उनकी पिता से बात हुई थी, लेकिन उन्हें अंदाजा नहीं था कि यह उनकी आखिरी बातचीत होगी। कुवैती सेना और गृह मंत्रालय के

अनुसार, टर्मिनल-1 को कई ड्रोनों से निशाना बनाया गया, जिसमें मंजूर अहमद की जान चली गई और कई अन्य कर्मचारी व यात्री घायल हो गए।

कुवैत एयरपोर्ट अटैक में उज्जैन के मंजूर अहमद की मौत, भांजी की शादी में शामिल होने लौट रहे थे घर: प्रशासन और दूतावास हुआ सक्रिय

उज्जैन के जिलाधिकारी रौशन सिंह ने पुष्टि की है कि मंजूर अहमद का पार्थिव शरीर विमान से अहमदाबाद लाया जाएगा और वहां से सड़क मार्ग द्वारा उज्जैन के नागदा पहुंचाया जाएगा। वहीं, कुवैत में भारत की राजदूत परमिता त्रिपाठी ने केंद्रीय शवगृह का दौरा किया और घायल भारतीयों से अस्पतालों में मुलाकात कर उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास लगातार कुवैती अधिकारियों के संपर्क में है ताकि पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द भारत भेजा जा सके। क्षेत्रीय तनाव की भेंट चढ़ी मासूम जान यह दुखद घटना ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का परिणाम बताई जा रही है। कुवैत के रक्षा और गृह मंत्रालय ने इस हमले में मृत भारतीय नागरिक के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। फिलहाल, पूरे नागदा क्षेत्र में शोक की लहर है और हर कोई मंजूर अहमद के बेसहारा हुए परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति जता रहा है।

नया गुरुग्राम में 7 घंटे तक जमकर गरजा बुलडोजर, 26–27 लेन से हटाए गए अवैध कब्जे; लोगों को मिलेगी राहत

नया गुरुग्राम, एजेंसी। नया गुरुग्राम में डीएलएफ फेज-3 के यू ब्लाक में लंबे समय से सार्वजनिक सड़कों और गलियों पर बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने बृहस्पतिवार को बड़े स्तर पर अभियान चलाया। करीब साढ़े सात घंटे तक चली कार्रवाई में विभाग की चार टीमों ने यू ब्लाक की 26 से 27 लेन को कवर करते हुए सैकड़ों अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाए। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुआ अभियान शाम 7:30 बजे तक जारी रहा। कार्रवाई का नेतृत्व डीटीपीई अमित माधोलिया ने किया। अभियान के दौरान लगभग 800 से 900 मकानों के बाहर सार्वजनिक भूमि और सड़कों पर किए गए कब्जों को चिन्हित कर हटाया गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यू ब्लाक से पिछले कई महीनों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। स्थानीय लोगों का कहना था कि घरों के आगे बनाए गए रैंप, सीढ़ियां, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, कियोस्क और अन्य अस्थायी ढांचों के कारण गलियां संकरी होती जा रही थीं।

इससे न केवल यातायात प्रभावित हो रहा था बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में वाहनों की आवाजाही भी मुश्किल हो रही थी। हाल ही में पुलिस प्रशासन ने भी क्षेत्र में ट्रैफिक बाधित होने और सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण बढ़ने संबंधी जानकारी टाउन प्लानिंग विभाग को दी थी। अभियान के दौरान अवैध रैंप, सीढ़ियां, ग्रिल, एक्सटेंशन, ढाबा एवं फूड काउंटर, रहड़ियां, कियोस्क, पान-बीड़ी के खोखे, लोहे के पोल, अवैध साइन बोर्ड और घरों के बाहर बनाए गए बैठने के प्लेटफॉर्म हटाए गए।

भारत ने पहले क्यों बनाई थी दूरी

भारत को मिला रूस से बड़ा ऑफर, पुतिन बोले- एसयू-57 लड़ाकू विमान कार्यक्रम पर साथ काम करने को तैयार

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत को लेकर बड़ा रक्षा प्रस्ताव दिया है। सेंट पीटर्सबर्ग में वैश्विक समाचार एजेंसियों के प्रमुखों से बातचीत के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ सुखोई एसयू-57 विमान कार्यक्रम पर मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने एसयू-57 को दुनिया का सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमान बताया और कहा कि रूस को भारत के साथ तकनीक साझा करने में कोई दिक्कत या सीमा नहीं है। इस बयान को भारत-रूस रक्षा संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

पुतिन ने कहा कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी की तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि एसयू-57 विमान संयुक्त परियोजना भी बन सकता था। हालांकि रूस ने इसे खुद विकसित किया, लेकिन अब भी भारत के साथ इस कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम करना चाहता है। उनके बयान से साफ

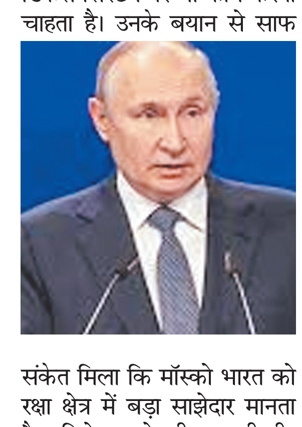

संकेत मिला कि मॉस्को भारत को रक्षा क्षेत्र में बड़ा साझेदार मानता है। परियोजना से दूरी बना ली थी। भारतीय वायुसेना का मानना था कि यह विमान उसकी जरूरतों के मुताबिक पूरी तरह फिट नहीं बैठता। हालांकि अब फिर से इस विमान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कई रिपोर्टों में दावा किया गया है कि भारत 40 से 50 एसयू-57 लड़ाकू विमान खरीदने पर विचार कर रहा है। हालांकि इस पर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रूस की ओर से तकनीकी सहयोग की बात सामने आई। रूसी अधिकारियों ने कहा कि भारत की सभी मांगें स्वीकार करने योग्य हैं। रूस एसयू-57 का सोर्स कोड साझा करने और भारत में इसके निर्माण के लिए तकनीक हस्तांतरण को भी तैयार बताया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल को भारत में एसयू-57 निर्माण में शामिल किया जा सकता है। रूस इस परियोजना में निवेश की संभावनाओं का भी अध्ययन कर रहा है। रूस की सरकारी रक्षा कंपनी रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने कहा कि भारत और रूस कई वर्षों से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत पर प्रतिबंध लगे थे तब भी रूस ने उसकी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हथियारों की आपूर्ति जारी रखी थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रूस आगे भी भारत को उसकी जरूरत के अनुसार रक्षा उपकरण उपलब्ध कराता रहेगा। इस बयान को दोनों देशों के मजबूत रक्षा सहयोग का संकेत माना जा रहा है।

जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र, तटस्थ देश में आमने-सामने बातचीत का दिया प्रस्ताव

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को एक सार्वजनिक पत्र लिखकर सीधे आमने-सामने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। वर्ष 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किए जाने के बाद यह पहला मौका है जब जेलेंस्की ने पुतिन को सार्वजनिक रूप से संबोधित करते हुए पत्र लिखा है। अपने पत्र में जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए दोनों नेताओं के बीच सीधी बातचीत जरूरी है। उन्होंने सुझाव दिया कि यह बैठक किसी तटस्थ देश में आयोजित की जा सकती है। इसके लिए उन्होंने स्विट्जरलैंड, तुर्किये या किसी अरब देश का नाम संभावित मेजबान के रूप में लिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत न तो मॉस्को में होनी चाहिए और न ही कीव में।

जेलेंस्की ने लिखा कि बड़े और महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान हमेशा देशों के नेता ही करते हैं। उन्होंने पुतिन से ऐसी बैठक के लिए एक निश्चित तारीख तय करने की अपील भी की। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर युद्ध समाप्त होने का इंतजार करना सही नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिकी प्रशासन का ध्यान फिलहाल अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों, विशेष रूप से ईरान से जुड़े घटनाक्रमों पर भी केंद्रित है। अपने पत्र में जेलेंस्की ने दावा किया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस युद्ध को 2027 और 2028 तक लंबा खींचने की योजना पर विचार कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अपने जमीनी अभियान में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के कारण बैलिस्टिक मिसाइल हमलों का अधिक इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने यह भी आरोप लगाया कि रूस बेलारूस को इस संघर्ष में और गहराई से शामिल करने की कोशिश कर रहा है। साथ ही उसने मोल्दोवा के रूस समर्थित अलगाववादी क्षेत्र ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास भी अस्थिरता बढ़ाने का प्रयास किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने दावा किया कि रूस अब युद्ध की बढ़ती कीमत चुका रहा है। उन्होंने कहा कि रूस के अंदर तक किए जा रहे यूक्रेनी ड्रोन हमलों, आर्थिक दबाव, ईंधन की कमी, बढ़ती महंगाई और अतिरिक्त सैन्य भर्ती की जरूरत से मॉस्को पर दबाव बढ़ रहा है।

जेलेंस्की के अनुसार, केवल मई महीने में ही रूस के 30,000 से अधिक सैनिक मारे गए या गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन के पास इन नुकसान का वीडियो सबूत भी मौजूद है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यूक्रेन को भी युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। युद्ध समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए जेलेंस्की ने वार्ता की पूरी अवधि के दौरान पूर्ण युद्धविराम लागू करने का प्रस्ताव रखा। इसके साथ ही उन्होंने सभी युद्धबंदियों की अदला-बदली और युद्ध के दौरान यूक्रेन से ले जाए गए नागरिकों तथा बच्चों की वापसी की मांग की। अपने पत्र के अंत में जेलेंस्की ने कहा कि दुनिया यूक्रेन से नहीं थकी है, बल्कि अब रूस को लेकर थकान बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय लगातार यूक्रेन का समर्थन कर रहा है, जबकि रूस पर दबाव बढ़ता जा रहा है।

1 किलो आम की कीमत उड़ा देगी होश! जितने में आएंगे 4 आईफोन 16, उतने में मिलेगा बस एक किलो मियाजाकी

टोक्यो, एजेंसी। आम को फलों का राजा कहा जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि एक किलो आम खरीदने के लिए आपको लाखों रुपये खर्च करने पड़ सकते हैं? जापान का मियाजाकी आम इस समय दुनिया की सबसे महंगी और रेयर किस्म बन चुका है, जिसकी कीमत किसी प्रीमियम गैजेट या डिजाइनर प्रोडक्ट से भी कहीं ज्यादा है। बाजार में इस आम की कीमत 2.5 लाख से 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। अगर इसकी तुलना आज के दौर के सबसे महंगे फोन से की जाए, तो एक आईफोन 16 (बेस मॉडल) की कीमत लगभग 70,000 रुपये है। इस हिसाब से एक किलो मियाजाकी आम की कीमत में 4 आईफोन 16 आसानी से खरीदे जा सकते हैं। अपनी चमक और लाल रंग के कारण इसे सूरज का अंडा भी कहा जाता है। नूरजहां (मध्य प्रदेश)- अलीराजपुर का यह आम अपने भारी वजन (2–3 किलो) के लिए मशहूर है, जिसकी कीमत 500 से 1,500 रुपये प्रति आम तक होती है। अल्फांसो/हापुस (महाराष्ट्र)- रत्नागिरी का यह विश्व प्रसिद्ध आम अपनी खुशबू के लिए जाना जाता है, जो 1,200 से 2,200 रुपये प्रति दर्जन तक बिकता है। आजकल इन लग्जरी आमों को त्योहारों और बड़े कॉरपोरेट प्रोग्राम्स में तोहफे के तौर पर देने का चलन तेजी से बढ़ रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादक: संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,